शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 266 | गुवाहाटी | शनिवार, 27 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस के मैनिफेस्टो पर मुस्लिम लीग की छाप : पीएम — पेज 2
असम लोस चुनाव : शाम पांच बजे तक 70.66 फीसद मतदान — पेज 3
कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी : नरेंद्र मोदी — पेज 5
सनराइजर्स आईपीएल 2024 सत्र में 100 से ज्यादा छक्के लगाने वाली पहली टीम बनी — पेज 7

बड़ा फैसला : वीवीपैट को लेकर एससी ने सभी याचिकाएं खारिज की

नई दिल्ली। वीवीपैट सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट से पर्ची मिलान को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। ईवीएम के साथ वीवीपैट का इस्तेमाल करके डाले गए वोटों के पूर्ण क्रास-सत्यापन की मांग करने वाली याचिकाओं को आज कोर्ट ने खारिज कर दिया है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने इस संबंध में दायर कई जनहित याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया है। एसोसिएशन फार डेमेक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) संस्था और कुछ अन्य ने सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल कर वीवीपैट पर्चियों का ईवीएम से 100 प्रतिशत मिलान की मांग की थी। कोर्ट ने इसी के साथ कहा कि उम्मीदवार नतीजों के 7 दिनों के भीतर ईवीएम के माइक्रोकंट्रोलर के सत्यापन के लिए शुल्क का भुगतान करके दौबारा काउंटिंग की मांग कर सकता है। इसी के साथ कोर्ट ने बैलेट पेपर से चुनाव की मांग भी खारिज की। फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि अदालत ने सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है, जिनमें चुनावों में मतपत्रों का सहारा लेने की मांग करने वाली याचिकाएं भी शामिल हैं। चुनाव आयोग ने पीठ के समक्ष कहा था कि ईवीएम और वीवीपैट में किसी तरह की छेड़छाड़ संभव नहीं है। आयोग ने मशीनों की सुरक्षा, उन्हें सील करने और उनकी प्रोग्रामिंग के बारे में भी शीर्ष कोर्ट को अवगत कराया था, लेकिन इसके बावजूद भी जब एडीआर की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने इनसे छेड़छाड़ की आशंका जताई तो पीठ ने कहा था कि क्या सिर्फ संदेह के आधार पर कोर्ट ईवीएम के बारे में आदेश दे सकता है जबकि इसका कोई ठोस सबूत भी नहीं है।

अदालतों ने 40 बार ईवीएम को लेकर खारिज कीं याचिकाएं : ईसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वोटिंग के बाद ईवीएम का हर वीवीपैट की पर्ची से मिलान की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया। इसी के साथ कोर्ट में आज चुनाव से संबंधित एक और याचिका रद्द कर दी गई। कोर्ट का फैसला आने के बाद चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि लगभग 40 मौकों पर अदालतों ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की विश्वसनीयता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है। अधिकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के हालिया बयान का हवाला देते हुए कहा कि ईवीएम *100 फीसदी सुरक्षित* हैं और राजनीतिक दल दिल से जानते हैं कि ईवीएम मशीनें निष्पक्ष हैं। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को वीवीपीएटी के साथ ईवीएम के इस्तेमाल करके डाले गए वोटों के पूर्ण सत्यापन की मांग करने वाली याचिकाओं को -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव के दूसरे चरण का मतदान खत्म, त्रिपुरा में सबसे ज्यादा तो उप्र. में सबसे कम हुई वोटिंग

नई दिल्ली। 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के 88 निर्वाचन क्षेत्रों में शाम 5 बजे तक औसतन 64 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। दूसरे चरण में जिन राज्यों में मतदान हुआ, उनमें त्रिपुरा में सबसे अधिक मतदान हुआ, उसके बाद आदिवासी बहुल छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल का स्थान रहा। शाम 5 बजे तक असम में 70.66 फीसदी, बिहार में 53.03 फीसदी, छत्तीसगढ़ में 72.13 फीसदी, जम्मू और कश्मीर में 67.22 फीसदी, कर्नाटक में 63.90 फीसदी, केरल में 63.97 फीसदी, मध्य प्रदेश में 54.42 फीसदी, महाराष्ट्र में 53.51 फीसदी, मणिपुर में 76.06 फीसदी, राजस्थान में 59.19 फीसदी, त्रिपुरा में 77.53 फीसदी, उत्तर प्रदेश में 52.64 फीसदी और पश्चिम बंगाल में 71.84 फीसदी मतदान हुआ है। बिहार में मतदान प्रतिशत में पहले चरण से वृद्धि देखी गई, यह 53.03 फीसदी के साथ उत्तर प्रदेश से थोड़ा ऊपर था। अधिकारियों ने बताया कि शाम पांच बजे तक किशनगंज में 56.12 फीसदी, -शेष पृष्ठ दो पर

अज्ञात बदमाशों ने उपमुख्यमंत्री के घर पर फेंका पेट्रोल बम

शिलांग। मेघालय के उपमुख्यमंत्री स्नियावभालंग धर के घर पर शुक्रवार को अज्ञात बदमाशों ने पेट्रोल बम फेंका। पुलिस ने यह जानकारी दी। धर, पूर्वी खासी हिल्स जिले के नोंगमिनसोंग में रहते हैं। पुलिस ने बताया कि अज्ञात बदमाशों ने धर के आवास को निशाना बनाकर पेट्रोल बम फेंका, जो बालकनी में गिरा। हालांकि, घटना में कोई घायल नहीं हुआ। धर ने तुरंत प्राथमिकी दर्ज कराई। घटना के बाद उनके आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है और -शेष पृष्ठ दो पर

मतदान से एक दिन पहले ही त्रिपुरा में विशेष तरीकों से पड़े 11 हजार वोट

अगरतला। ईस्ट त्रिपुरा संसदीय क्षेत्र में विशेष वोटिंग प्रक्रियाओं के तहत 11 हजार से अधिक मतदाताओं ने मतदान से एक दिन पहले ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया है। निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि कुछ मतदान स्थलों पर सौ प्रतिशत से अधिक मतदान की खबर से भ्रम की स्थिति पैदा हुई जबकि ऐसा नहीं है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी पुनीत अग्रवाल ने गुरुवार को बताया कि कुछ मतदान स्थलों पर सौ प्रतिशत से अधिक मतदान इसलिए गिना गया क्योंकि वह ईडीसी वोटर भी थे। इलेक्शन ड्यूटी सर्टीफिकेट (ईडीसी) मतदान केंद्र में तैनात अधिकारियों को जारी किया जाता है। उन्होंने बताया कि 17 और 18 अप्रैल को दिव्यांग और 85 साल से अधिक आयु के मतदाताओं ने अपने घरों पर मताधिकार का -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

समय को समझने वाला कार्य सिद्ध करता है।
– आचार्य चाणक्य

संदेशखाली में भारी मात्रा में हथियार-विस्फोटक बरामद, एनएसजी ने संभाली कमान

कोलकाता। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की एक बम निरोधक टीम संदेशखाली के अगरहाटी गांव पहुंची। आज सुबह से ही सीबीआई पश्चिम बंगाल में संदेशखाली मामले को लेकर कई छापेमारी कर रही है। एजेंसी सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई ने हथियार भी बरामद किए हैं। शुक्रवार को फिर से सीबीआई ने संदेशखाली में छापेमारी की। जांच एजेंसी को शाहजहां शेख के करीबी रिश्तेदार अबू तालेब मोल्ला के घर पर बड़ी संख्या में हथियार और बम रखे होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही तलाशी अभियान शुरू की गई। दौरान जमीन से बड़ी संख्या में आग्नेयास्त्र और बम मिले। इसके बाद एनएसजी (राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड) को बुलाया गया। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, वे रोबोट से घर की तलाशी ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जांचकर्ताओं ने शुक्रवार को संदेशखाली के सरबेरिया के मल्लिकपुर में -शेष पृष्ठ दो पर

सिलीगुड़ी में तृणमूल व भाजपा के बीच झड़प

सिलीगुड़ी (हि.स)। मतदान चरण के आखिरी क्षण में सिलीगुड़ी में तृणमूल-भाजपा के बीच झड़प की घटना घटी है। दरअसल दार्जिलिंग के भाजपा उम्मीदवार राजू बिष्ट शुक्रवार दोपहर सिलीगुड़ी के वार्ड नंबर 25 के एसएफ रोड स्थित हिंदी हाई स्कूल में बनाए गए मतदान केंद्र के दौरे पर पहुंचे। तभी तृणमूल कार्यकर्ताओं ने बिष्ट को घेर कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। तृणमूल का आरोप है कि बिष्ट ने दूसरे वार्ड के लोगों के साथ बूथ में घुसने की कोशिश किया। हंगामे के कारण राजू बिष्ट अकेले -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम में 150 करोड़ के धोखाधड़ी के आरोप में 11 आरोपी गिरफ्तार

26 बैंक खातों में जमा 2.5 करोड़ रुपए फ्रीज

एजल। मिजोरम में एक निजी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी से 150 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के आरोप में पुलिस ने करीब 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। मिजोरम के पुलिस महानिदेशक अनिल शुक्ला ने बताया कि स्थानीय पांच कार डीलरों से जुड़ा यह घोटाला चार साल से अधिक समय से चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पूरे घोटाले का खुलासा तब हुआ, जब 20 मार्च को महिंद्र एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने अपने मिजोरम क्षेत्र के व्यापार प्रबंधक जाकिर हुसैन के खिलाफ एजल पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। कंपनी ने शिकायत में उन पर वाहन ऋण संवितरण में धोखाधड़ी का आरोप लगाया। हुसैन असम के तेजपुर का निवासी है। कंपनी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

छत्तीसगढ़ में चुनाव ड्यूटी में लगे जवान ने खुद को मारी गोली, मौत

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ में आज लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान हो रहा है। इसी बीच गरियाबंद से बड़ी खबर सामने आई है जहां चुनाव ड्यूटी पर लगे एक जवान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि जवान ने सर्विस राइफल से सिर पर गोली मारकर -शेष पृष्ठ दो पर

खडूर साहिब सीट से लोस चुनाव लड़ेगा खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह

नई दिल्ली। खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह लोकसभा चुनाव लड़ेगा। खडूर साहिब से उसकी उम्मीदवार का एलान हुआ है। इन दिनों वो असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। उस पर एनएसए लगाया गया है। अमृतपाल की उम्मीदवारी के एलान को लेकर उसके परिवार ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। बीते साल अमृतपाल देश में सुर्खियां बना था। अजनाला थाने पर हुए हमले के बाद पंजाब ही नहीं पूरे देश ने अमृतपाल की करतूतें और साजिशें देखी थीं। अपने साथी लवप्रीत सिंह उर्फ तूफान को रिहा करने के लिए अमृतपाल और उसके समर्थकों ने पुलिस के साथ हिंसक झड़प की थी। सैकड़ों लोगों ने थाने पर धावा बोल दिया था। जब पुलिस ने लवप्रीत को पकड़ा तब अमृतपाल कह रहा था -शेष पृष्ठ दो पर

तेलंगाना बोर्ड परीक्षा में खराब प्रदर्शन से आहत सात छात्र-छात्राओं ने की आत्महत्या

हैदराबाद। परीक्षा में असफलता के कारण पिछले 48 घंटों में पूरे तेलंगाना में सात इंटरमीडिएट छात्र-छात्राओं की कथित तौर पर आत्महत्या करने की जानकारी सामने आई है। तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एग्जामिनेशन ने 24 अप्रैल को प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष के परिणाम घोषित किए थे। महबुबाबाद के पुलिस अधीक्षक के अनुसार, परीक्षा में असफल होने के बाद दो लड़कियों ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। जिले के एक गांव में एक छात्रा ने अपने आवास पर फांसी लगा ली तो दूसरी ने कुएं में छलांग लगा दी। (पूर्वी क्षेत्र) के पुलिस उपायुक्त आर गिरिधर ने कहा कि प्रथम वर्ष के एक छात्र -शेष पृष्ठ दो पर

सत्यमेव जयते
असम सरकार
क्या कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी आपसे रिश्वत मांग रहा है ?
कृपया हमें सूचित करें
व्हाट्सएप नम्बर ▶ 60269 01243
टोल फ्री नम्बर ▶ 18003453767
नियंत्रण कक्ष ▶ 03612462295
एस. पी (I) ▶ 6026903481
एस. पी (II) ▶ 6026903483
एडिशनल एस. पी ▶ 6026903418
ईमेल ▶ complaints.vac@gmail.com
ट्विटर ▶ @DIR_VAC_ASSAM
सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम गुवाहाटी ७८१०३२
https://dgvigilance.assam.gov.in/
Janasanyog ID/458/ 24/27-Apr-24

पाकिस्तानी लड़की के दिल में धड़क रहा भारतीय दिल

चेन्नई में 19 साल की युवती का हुआ हार्ट ट्रांसप्लांट

चेन्नई। पाकिस्तान की एक युवती का चेन्नई में हार्ट ट्रांसप्लांट हुआ, जो सफल रहा। युवती पाकिस्तान के कराची की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हृदय संबंधित बीमारी के कारण 2019 में आयशा रशीद (19) को कार्डियेक अरेस्ट आया। इलाज के लिए आयशा चेन्नई पहुंची। हालांकि, कुछ दिन बाद राहत न मिलने पर आयशा दोबारा जून 2023 में चेन्नई वापस आई। इलाज के दौरान उन्हें वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा। आयशा के वित्तीय संकट को देखते हुए चेन्नई के एमजीएम हेल्थकेयर में हार्ट ट्रांसप्लांट के प्रसिद्ध डॉक्टर केआर बालाकृष्णन ने मदद की। 31 जनवरी 2024 को एक हृदय को दिल्ली से चेन्नई लाया गया। डॉ. बालाकृष्णन ने कहा कि आयशा पहली बार मेरे पास साल 2019 में आई थी। हमें सीपीआर करना पड़ा और एक कृत्रिम हृदय पंप लगाना पड़ा। इसके बाद वह पाकिस्तान चली गई लेकिन थोड़े समय बाद उसे दोबारा परेशानी होने लगी। उन्हें बार-बार अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत पड़ी। पाकिस्तान में यह मुमकिन नहीं था क्योंकि वहां आवश्यक उपकरण नहीं थे। उन्होंने बताया कि मरीज की सिर्फ मां थी। उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। इसलिए उन्होंने ऐश्वर्यम ट्रस्ट के साथ मिलकर उसकी मदद की। डॉ. का कहना है कि ट्रांसप्लांट करने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कांग्रेस के मैनिफेस्टो पर मुस्लिम लीग की छाप : पीएम

अररिया (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अररिया जिले के फारबिसगंज में शुक्रवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस शुरू से ही मुस्लिम तुष्टिकरण के तहत काम किया है। कांग्रेस का मैनिफेस्टो पर मुस्लिम लीग का छाप है। पीएम ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह ने देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों के हक की बात कही थी। जिसका वीडियो अभी भी है। जबकि एनडीए मानती है देश के संसाधन और संपत्ति पर पहला हक गरीबों का है। गरीब मजदूरों, किसानों, छात्र, युवा और मां बहनों का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संपत्ति, जमीन, यज्ञ तक की घर में रखे गहने और वह भी सुहागिन मां बहनों का मंगलसूत्र तक छीनने की कवायद में है। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी परिवार के मुखिया सदस्य के गुजर जाने के बाद अपनी संपत्ति बेटे बेटियों को नहीं दे पाएंगे। कांग्रेस वैसी संपत्ति पर 55 फीसदी टैक्स लगाने वाले हैं। उन्होंने नारा देते हुए कहा कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी,जिंदगी के बाद भी। इससे पहले पांचवीं बार फारबिसगंज आने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधन की शुरुआत स्थानीय भाषा में कहा कि अररिया के ई पावन धरती मा अहां सब कै प्रणाम करै छी से की। जिस पर मौजूद भीड़ ने जमकर तालियां बजाईं। आंचलिक साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु को याद करते हुए उन्होंने कहा कि अररिया और सुपौल की इस भूमि से उनका विशेष लगाव है। उन्होंने भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि देश का आशीर्वाद मिला तो अपने तीसरे कार्यकाल में कर्ज उतारने

के लिए और ज्यादा मेहनत करूंगा।तीसरे कार्यकाल में देशहित में और ज्यादा बड़ा फैसला लेने वाला हूं। उन्होंने गर्मी और विपरीत परिस्थिति के बावजूद मतदाताओं खासकर युवा मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान केंद्र पर पहुंचकर एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि 2024 का यह चुनाव भारत को आर्थिक और सामरिक दृष्टि से मजबूत बनाने वाला चुनाव है। जिसमे बिहार को महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन को न तो देश के संविधान का परवाह है और न लोकतंत्र का।वर्षों तक बैलट पेपर के बहाने गरीब मजलूमों के मतदान का अधिकार छीनने का काम किया जाता था। कांगरे से शासनकाल में बूथ लूट और बैलट पेपर लूटा जाता था। गरीबों को मतदान करने में दिया जाता था। फलस्वरूप दबंगों के डर से गरीब अपने घरों में दुबके रहते थे। पीएम ने कहा कि कांग्रेस ने ईवीएम को लेकर देश जनता के मन में भी भ्रम पैदा करने की कोशिश की। लेकिन आज सुप्रीम कोर्ट ने मतपेटी लूटने वालों को गहरा झटका दिया है। सारे सपने चकनाचूर कर दिए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि बैलट पेपर वाला पुराना दौर वापस नहीं आयेगा। उन्होंने कहा कि भारत के लोकतंत्र और चुनावी प्रक्रिया की विश्व तारीफ कर रही है। लेकिन बदनियत से निजी स्वार्थ के लिए कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता बदनाम करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लोकतंत्र के साथ लगातार विश्वासघात करने का काम किया। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने करारा तमाचा मारा है। उन्होंने लोकतंत्र के लिए आज के दिन को शुभ दिन करार दिया। उन्होंने आईएनडीआईए गठबंधन के सभी नेता को देश से माफी मांगने की बात कही। उन्होंने कहा कि राजनीति में आज दो मुख्य धारा काम कर रही है। एक धारा भाजपा और एनडीए की धारा देश के लोगों को सशक्त करने में लगी है तो दूसरी ओर कांग्रेस आरजेडी वाली इंडी गठबंधन की धारा का मकसद देश की जनता जो उनके अधिकारों को छीनना है। उन्होंने राजद के 90 के दशक वाले समय के कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि नौकरी के बदले जमीन छीन लो, नौकरी है तो तनख्वाह छीन लो, गाड़ी है तो गाड़ी छीन लो और अगर कोई सामर्थ्यवान है तो उसका अपहरण कर लो। उस जंगलराज से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बाहर निकाला है। उन्होंने कहा कि बिहार में 50 हजार करोड रुपए से ज्यादा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के तहत किसानो और अन्य को सीधे खाते में पैसे भेजे गए हैं। वहीं अररिया सुपौल के किसानों के खाते में 16 सौ करोड़ रुपया जमा हुआ है। जबकि अररिया, सुपौल के गरीबों को 3 लाख पक्का घर केंद्र सरकार द्वारा दिया गया है। उन्होंने बहन बेटियों के जीवन को आसान बनाना एनडीए की प्राथमिकता बताया। जिसके तहत नल जल, शौचालय, मुफ्त बिजली, मुफ्त राशन योजना, आयुष्मान योजना की स्वीकृति शामिल है। उन्होंने 70 साल के बुजुर्ग का इलाज का खर्चा केंद्र सरकार के द्वारा किए जाने की भी बात कही। चुनावी सभा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावे लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान, बिहार सरकार के मंत्री विजेंद्र यादव,मंत्री नीरज कुमार बबलू, मंत्री दिलीप जायसवाल,भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन, डॉक्टर राजेंद्र गुप्ता आदि ने भी संबोधित किया।

ईवीएम पर एससी के फैसले को भाजपा ने बताया लोकतंत्र की जीत

नई दिल्ली (हि.स.)। ईवीएम-वीवीपीएटी सत्यापन के लिए शत प्रतिशत पर्ची मिलान की याचिका सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकतंत्र की जीत बताया है। शुक्रवार को शीर्ष कोर्ट के फैसले पर पार्टी का पक्ष रखते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि आज लोकतंत्र के लिए बड़ा दिन है, आज लोकतंत्र की जीत हुई है। आज बाबासाहेब अंबेडकर, संविधान, ईसीआई और लोकतंत्र की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन जो ईवीएम के खिलाफ अफवाहें और निराधार दावे फैला रहे थे, उनकी हार हुई है। उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। पूनावाला ने कहा कि इंडी गठबंधन की मानसिकता आज उजागर हो गई है, जो पंजाब और तेलंगाना में जीतने पर ईवीएम और ईसीआई का जश्न मनाते हैं लेकिन जब वे चुनाव हारने वाले होते हैं तो उस समय वे संस्थानों पर सवाल उठाना शुरू कर देते हैं। यह उनकी मानसिकता को दर्शाता है। जो लोग संविधान और बाबासाहेब अंबेडकर का अपमान कर रहे थे, उन्हें माफी मांगनी चाहिए और भारत के बारे में अफवाह फैलाना बंद करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में डाले गए वोटों का वीवीपैट के माध्यम से शत प्रतिशत सत्यापन की मांग की गई थी।

वीवीपैट पर याचिका में कांग्रेस से संबंध नहीं : जयराम रमेश

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने शुक्रवार को वीवीपैट पर सुप्रीम निर्णय पर सीधे कोई टिप्पणी नहीं की है। पार्टी ने इस बात से भी किनारा किया है कि इसपर याचिका से उसका कोई लेना-देना था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस इस याचिका की हिस्सा नहीं थी। हालांकि पार्टी वीवीपैट से मतगणना पर हमारा राजनीतिक अभियान जारी रहेगा। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि वीवीपैट पर जिस याचिका को आज सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है, उसमें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक पक्ष नहीं थी। उन्होंने यह भी कहा कि हमने दो न्यायाधीशों की पीठ के फैसले पर ध्यान दिया है। चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए वीवीपैट के अधिक से अधिक उपयोग पर हमारा राजनीतिक अभियान जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने आज इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से वोटों की गिनती को सही ठहराते हुए वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) से 100 प्रतिशत सत्यापन की मांग वाली खारिज कर दी गई। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने बैलेट पेपर से मतदान की ओर लौटने की याचिकाकर्ताओं की प्रार्थना को भी खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्देश यह भी है कि उम्मीदवारों के पास परिणामों की घोषणा के बाद इंजीनियरों की एक टीम द्वारा जांचे जाने वाले ईवीएम के माइक्रोकंट्रोलर प्रोग्राम को प्राप्त करने का विकल्प होगा लेकिन इसके लिए उम्मीदवार को सात दिनों के भीतर अनुरोध करना होगा।

मणिपुर पुलिस ने 78 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 78 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 111 वाहनों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 65 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 128 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

लोस चुनाव : शाम पांच बजे तक असम में 70.66 फीसदी मतदान

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर राज्यों में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से संबंधित रुझान से पता चलता है की बड़ी संख्या में लोगों ने सुबह से ही पोलिंग बूथ पर जमा होकर मतदान किया है। असम की पांच, मणिपुर की आउटर मणिपुर और त्रिपुरा की त्रिपुरा ईस्ट लोकसभा चुनाव क्षेत्र में मतदान सुबह 07 बजे शुरू हुआ। शाम पांच बजे तक असम में 70.66 प्रतिशत मतदान, मणिपुर 76.06 प्रतिशत मतदान तथा त्रिपुरा में 77.53 प्रतिशत मतदान होने की सूचना है। हालांकि, आंकड़ों में और इजाफा होने की संभावना है। अबतक की जानकारी के अनुसार मतदान शांतिपूर्ण तरीके से चला। मतदान केंद्रों पर भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

पाकिस्तान की जेलों में बंद गुजरात के 35 मछुआरे 30 अप्रैल को रिहा किए जाएंगे

अहमदाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान की जेलों में बंद गुजरात के 35 मछुआरों को 30 अप्रैल को पाकिस्तान सरकार मुक्त करेगी। यह सभी लोग 2 मई को वाघा बॉर्डर पर भारत सरकार को सौंप दिए जाएंगे। मछुआरों के छोड़े जाने की सूचना पर मछुआरों के परिवार में खुशी की लहर दौड़ी है। पोरबंदर बोट एसोसिएशन के पूर्व प्रमुख और मछुआरों के अग्रणी जीवनभाई जुंगी ने बताया कि पाकिस्तान सरकार ने सभी छोड़े जाने वाले भारतीय मछुआरों और एक सिविलियन के नाम जारी किए हैं। इसमें पोरबंदर के विजय मोहन नामक खलासी समेत गुजरात के अन्य 34 मछुआरे शामिल हैं।

इसके अलावा एक अन्य सिविलियन को भी छोड़ा जाएगा। जीवणभाई ने बताया कि मुक्त होने वाले सभी मछुआरे पाकिस्तान की विभिन्न जेलों में डेढ़ से दो साल से बंद हैं। मत्स्याटन के दौरान पाकिस्तानी मरीन ने उनका अपहरण कर लिया था। हाल पाकिस्तान की जेलों में 189 भारतीय मछुआरे बंद हैं। इनमें से 35 मछुआरों के मुक्त होने के बाद पाकिस्तान के जेलों में 154 मछुआरे बंद रहेंगे। इन सभी को भी शीघ्र छुड़ाने की मांग की गई है। उन्होंने बताया कि मछुआरों की करीब 1200 फिशिंग बोट भी पाकिस्तान मरीन के कब्जे में है।

कोलकाता हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी

कोलकाता (हि.स.)। कोलकाता हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। हालांकि यह धमकी कोरी अफवाह साबित हुई है। हवाई अड्डे के अधिकारियों को शुक्रवार को एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें परिसर के अलग-अलग स्थानों पर बम लगाये जाने का दावा किया गया था। ईमेल प्राप्त होने के बाद हवाई अड्डे पर तलाशी अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि हालांकि दोपहर 12:55 बजे पर बमों के फटने की धमकी वाला ईमेल झूठा निकला। विधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के हवाई अड्डा खंड की पुलिस उपायुक्त ऐश्वर्या सागर ने बताया कि ईमेल मिलने के बाद नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएससीबीआईए) की सुरक्षा एजेंसियों ने खोज अभियान चलाया।

पूसीरे ने स्क्रैप बिक्री से 202.84 करोड़ रुपए की आय की

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने स्क्रैप बिक्री से 202.84 करोड़ रुपए की आय की है। भारतीय रेल के *जीरो स्क्रैप मिशन* के तहत पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के सभी मंडलों में स्क्रैप सामग्रियों की बिक्री की जा रही है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने बताया कि इस मिशन को सफल बनाने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक मंडल, कारखाना और शेड स्क्रैप सामग्री से मुक्त हो। बीते वित्तीय वर्ष यानी 2023-24 के दौरान, पूसीरे ने स्क्रैप बिक्री से 202.84 करोड़ रुपए की आय की। स्क्रैप की इस बिक्री के साथ, पूसीरे ने अब तक की सर्वाधिक स्क्रैप बिक्री करने का रिकॉर्ड हासिल किया है। यह वित्तीय वर्ष 2022-23 में 189.92 करोड़ रुपए की स्क्रैप बिक्री की तुलना में 6.8 फीसदी अधिक है। *जीरो स्क्रैप मिशन* अभियान के दौरान, पूसीरे ने बीते वित्तीय वर्ष में 23553 एमटी स्क्रैप रेल/पी-वे सामग्री और 19192 एमटी विविध स्क्रैप सामग्रियों का विक्रय किया हैं। इस अवधि के दौरान 26 डीजल इंजन, 247 कोच और 284 वैगन की भी विक्री की।

पांच दिवसीय गुमकुम गुम्पा उत्सव संपन्न

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के पुरियोक समुदाय का पांच दिवसीय तीसरा संयुक्त गुमकुम गुम्पा उत्सव आज पालिन, क्रा दादी जिले में संपन्न हो गया। गत 22 अप्रैल को शुरू हुए गुमकुम गुम्पा उत्सव के समापन समारोह आज में मुख्य अतिथि के रूप में क्रा दादी जिला के उपायुक्त सनी के सिंह शामिल हुए। सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए, उपायुक्त ने कहा कि वह अरुणाचल प्रदेश राज्य की सेवा करने के लिए भाग्यशाली मानते हैं, जहां सबसे समृद्ध सांस्कृतिक विविधता वाले आदिवासी समुदाय मौजूद हैं, लेकिन सभी जनजातियों के बीच सबसे अच्छी एकता और सम्मान कायम है। उन्होंने पुरियोक भाइयों से दस्तावेजीकरण के रूप में पारंपरिक प्रथा को संरक्षित और बढ़ावा देने का आह्वान किया ताकि आने वाली पीढ़ी को वरिष्ठ की विरासत सीखी जा सके। इससे पहले आयोजन उत्सव समिति के अध्यक्ष सिजी पुनुंग ने बताया कि गुमकुम गुम्पा उत्सव गैर अनुष्ठानिक उत्सव है, जिसे अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले पुरियोक समुदाय के बिखरे हुए उनके समुदाय के लोगो जो किसी के साथ नौकर बन कर रह रही लोगो को फिर से संगठित करने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि तीसरा संयुक्त गुमकुम गुम्पा उत्सव प्राइवेट ग्राउंड जोलांग में मनाया गया, पॉलिन प्रतिभागियों ने कुरुंग कुमेय, ईस्ट कामेंग और क्रा दादी जिले से भाग लिया है। बाद में उन्होंने मुख्य अतिथि को उत्सव मैदान के आवंटन, स्थानीय उत्सव निधि के आवंटन और समुदाय के लिए नौकरी आरक्षण के संबंध में 3 सूत्री ज्ञापन सौंपा।

पृष्ठ एक का शेष

अदालतों ने 40...

खारिज करते हुए कहा कि सिस्टम के किसी भी पहलू पर *आंख बंद करके अविश्वास* करना संदेह पैदा कर सकता है। बता दें कि सीईसी राजीव कुमार ने 16 मार्च को लोकसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि लगभग 40 बार अदालतों- सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट ने ईवीएम को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है। राजीव कुमार ने चुनाव आयोग के एक पत्र का हवाला देते हुए कहा कि इससे पता चलता है कि कितने मौकों पर सत्तारूढ़ दल चुनावों में हार गए, जहां ईवीएम का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने कहा था कि राजनीतिक दल ईवीएम के कारण अस्तित्व में आए हैं। कई छोटे दल हैं जो बैलट पेपर के युग में अस्तित्व में नहीं आए होंगे। उन्होंने कहा कि ईवीएम निष्पक्ष हैं और राजनीतिक दल इसे अपने दिल की गहराई में मानते हैं। उन्होंने ने ईवीएम को 100 प्रतिशत सुरक्षित, 100 प्रतिशत सुनिश्चित भी बताया।

लोस चुनाव के दूसरे ...

कटिहार में 55.54 फीसदी, पूर्णिया में 55.14 फीसदी, भागलपुर में 47.26 फीसदी और बांका में 49.50 फीसदी मतदान हुआ। उत्तर प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों पर शाम 5 बजे तक 52.74 फीसदी मतदान हुआ। चुनाव आयोग (ईसी) के मुताबिक, शाम 5 बजे तक अमरोहा में 61.89 फीसदी मतदान हुआ, इसके बाद मेरठ में 55.49 फीसदी, बागपत में 52.74 फीसदी, गाजियाबाद में 48.21 फीसदी, गौतम बौद्ध नगर में 51.66 फीसदी, बुलन्दशहर में 54.34 फीसदी, अलीगढ में 54.36 फीसदी और मथुरा में 46.96 फीसदी मतदान हुआ। राजस्थान में दूसरे चरण के मतदान वाली 13 सीटों पर शाम 5 बजे तक औसत मतदान 59.19 प्रतिशत था। कुछ घटनाओं के बावजूद मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, जिसमें सबसे ज्यादा मतदान बाड़मेर-जैसलमेर और बांसवाड़ा-डूंगरपुर में हुआ। मध्य प्रदेश में दूसरे चरण में छह निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हुआ, जिसमें कम से कम 54.83 फीसदी मतदान हुआ। शाम 5 बजे तक, होशंगाबाद में 63.44 फीसदी मतदान हुआ, इसके बाद टीकमगढ़ में 57.19 फीसदी, सतना में 57.18 फीसदी, दमोह में 53.66 फीसदी, खजुराहो में 52.91 फीसदी और रीवा में 45.02 फीसदी मतदान हुआ। कर्नाटक की चौदह लोकसभा सीटों पर शुक्रवार को दूसरे चरण में मतदान हो रहा है, जिसमें शाम 5 बजे तक 63.9 फीसदी मतदान हुआ। मांड्या में सबसे अधिक 74.87 फीसदी मतदान हुआ और सबसे कम 48.16 फीसदी के साथ बेंगलुरु सेंट्रल में मतदान हुआ। पश्चिम बंगाल में शाम 5 बजे तक 71.84 प्रतिशत मतदान हुआ है। दार्जिलिंग में 71.41 फीसदी, रायगंज में 71.87 फीसदी और बालुरघाट में 72.30 फीसदी मतदान हुआ है। केरल में सभी 20 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतदान शाम 6 बजे समाप्त हो गया, जिसमें राज्य में 67.27 प्रतिशत से अधिक अनंतिम मतदान दर्ज किया गया। हालांकि मतदान का आधिकारिक समय शाम 6 बजे समाप्त हो गया, लेकिन राज्य भर में मतदान केंद्रों के बाहर भारी कतारें देखी गईं और इसलिए, अंतिम मतदान प्रतिशत बढ़ने की संभावना है।

अज्ञात बदमाशों ने ...

किन लोगों ने हमला किया है? हालांकि, अभी पता नहीं चल पाया कि किस वजह से हमला हुआ है और हमले के पीछे किसका हाथ है। उपमुख्यमंत्री ने इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है। इससे पहले अगस्त, 2021 में सूबे के सीएम मुख्यमंत्री कोनराड के. सांग्मा के आवास पर भी रात के समय अज्ञात बदमाशों ने पेट्रोल बम फेंक दिया था। वाहन पर सवार होकर आए उपद्रवियों ने ऊपरी शिलांग के थर्ड माइल में स्थित मुख्यमंत्री के निजी आवास के परिसर में पेट्रोल से भरी दो बोतलें फेंकी थी।

मतदान से एक ...

प्रयोग किया। इस प्रक्रिया में 4515 मतदाताओं ने मतदान किया। इसके अलावा, 165 उन लोगों ने वोट डाले जो आवश्यक सेवाओं में कार्यरत हैं। इसके अलावा, 6379 मतदाताओं ने बैलेट से मतदान किया। इस मामले में अभी तक 94 प्रतिशत मत ही प्राप्त हुए हैं। बाकी उन्हीं लोगों के बैलेट वोट माने जाएंगे जो निर्वाचन अफसरों को मतदान केंद्र पर चार जून को सुबह आठ बजे तक मिल जाएंगे। ईस्ट त्रिपुरा में कुल वैध मतदाताओं की संख्या 13,96,761 है। उल्लेखनीय है कि 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 13.96 लाख वैध मतदाताओं को वोट डालने हैं। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित इस संसदीय सीट पर चुनाव प्रचार बुधवार को ही खत्म हो गया था।

संदेशखाली में भारी ...

शाहजहां के करीबी हफीजुल खान की भाभी के घर पर तलाशी अभियान चलाया। घर मुख्य सड़क से करीब 200 मीटर दूर है। एक तरफ बंगाल में दूसरे चरण का मतदान जारी है, और दूसरी ओर बारूद के ढेर में संदेशखाली। सरबरिया में अबू तालेब मुल्ला के घर से हथियारों का जखीरा मिला। एनएसजी ऑपरेशन में है। विस्फोटकों को ढूंढने के लिए ऑपरेशन चलाया जा रहा है। माइन डिटेक्टर से तलाश जारी है। स्थानीय लोगों को हटाकर इलाके को खाली कराया जा रहा है। रोबोट को नीचे उतारने के बाद भी तलाश जारी है। कोलकाता से 100 किमी दूर सुंदरबन के सीमावर्ती इलाकों में बसा संदेशखाली में पिछले एक साल से हिंसा जारी है। दरअसल, गांव की महिलाओं ने बीते दिनों आरोप लगाए थे कि टीएमसी नेता शाहजहां शेख और अन्य टीएमसी नेताओं ने उनकी जमीनों पर कब्जा कर लिया और कुछ महिलाओं ने टीएमसी नेताओं पर यौन शोषण के भी आरोप लगाए थे। इसे लेकर संदेशखाली में महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ता भी संदेशखाली में प्रदर्शन कर रहे हैं। शाहजहां शेख राशन घोटाले में आरोपी है और बीते दिनों ईडी टीम पर हुए हमले में भी शाहजहां शेख आरोपी है। वहीं बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भाजपा पर इस मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया था।

सिलीगुड़ी में तृणमूल...

ही बूथ में प्रवेश किए। बाद में उनके बूथ से निकल कर जाने के बाद तृणमूल-भाजपा समर्थकों के बीच बकझक और हाथापाई शुरू हो गई। मामले को बढ़ता देख पुलिस और केंद्रीय बल ने जवानों ने मोर्चा संभाला लिया। हालांकि बाद में विवाद थम गया।

मिजोरम में 150 करोड़ ...

की शिकायत के आधार पर अपराध और आर्थिक पुलिस स्टेशन ने एक और मामला दर्ज किया। जांच शुरू हुई तो पता चला कि हुसैन ने कुछ कर्मचारियों की मदद से धोखाधड़ी के पैसे को ठिकाने लगाने के लिए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। उन्होंने 2020 में मिजोरम ग्रामीण बैंक की खटला शाखा में महिंद्रा फाइनेंस लिमिटेड के नाम पर एक फर्जी बैंक खाता खोला। पुलिस ने बताया कि हमने 150 करोड़ रुपए की वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में मास्टरमाइंड जाकिर हुसैन सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान पता चला कि हुसैन ने फर्जी ग्राहकों को लोन तो स्वीकृत किया लेकिन कभी वाहन नहीं दिया। बल्कि उन्होंने रियायती कीमतों पर उसे बेच दिया। किसी को शक न हो इसलिए आरोपी समय से ईएमआई का भुगतान करते थे। ऑडिट के दौरान वे फाइलों को किसी जानकार के घरों पर रख देते थे। मामले में 26 बैंक खाते, जिनमें 2.5 करोड़ रुपए थे, उन्हें फ्रीज कर दिया गया है।

खडूर साहिब सीट...

कि उसे झूठे मामले में फंसाया गया। उसने लवप्रीत को रिहा करने और उसके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की धमकी दी थी। हालांकि, बाद में पुलिस ने लवप्रीत को रिहा किया था। इसके बाद पंजाब पुलिस और पंजाब सरकार की काफी किरकिरी हुई थी। इसी मामले में अमृतपाल का चाचा हरजीत सिंह का भी नाम था। उन्होंने सरेंडर कर दिया था। हरजीत के साथ ही अमृतपाल और उसके कुछ साथियों पर एनएसए भी लगाया गया। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल कई बार खुलेआम कह चुका है कि उसके भीतर खालिस्तान की भावना बनी रहेगी। इसे कोई दबा नहीं सकता। पंजाब के मोगा के रोडे गांव में मंच से एक बार उसने कहा था कि हम सभी (पंजाबी) अभी भी गुलाम हैं। जो लोग सोचते हैं कि हम आजाद हैं, उन्हें डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। हमें आजादी के लिए लड़ना है। हमारा पानी लूटा जा रहा है। हमारे गुरु का अपमान हो रहा है। हम उन्हें दंडित करेंगे। इतना ही नहीं वो भारतीय संविधान को नहीं मानता है। वो सिखों का अलग संविधान बनाने की वकालत करता रहा है। वो ये भी कहता रहा है कि खालिस्तान का विचार कोई टैबू नहीं है। हम दमन और पीड़ा को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। मेरे ऊपर लगाए गए आरोप फर्जी हैं। अजनाला में हिंसा इसलिए हुई क्योंकि मेरे खिलाफ एक फर्जी एफआईआर दर्ज की गई थी।

तेलंगाना बोर्ड परीक्षा ...

ने परीक्षा में असफल होने के बाद सुल्तानबाजार पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत कथित तौर पर अपनी जान दे दी। शहर के नल्लाकुंटा इलाके का रहने वाला एक और लड़का जडचेरला में एक रेलवे ट्रैक के पास मृत पाया गया। पुलिस को संदेह है कि उसकी मौत का कारण परीक्षा में खराब प्रदर्शन है। मंचेरियल जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्हें रिपोर्ट मिली है कि इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष के तीन छात्रों ने परीक्षा में असफल होने के कारण अलग-अलग स्थानों पर आत्महत्या कर ली है।

पाकिस्तानी लड़की के...

वाले हम सबसे बड़े केंद्र हैं। हम हर साल करीब 100 ट्रांसप्लांट करते हैं। आयशा 10 महीने से हृदय का इंतजार कर रही थी। आयाशा फैशन डिजाइनर बनना चाहती हैं। उन्होंने डॉक्टर और भारत सरकार को धन्यवाद कहा। उन्होंने दोबारा भारत लौटने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि मैं बहुत खुश हूं कि मेरा ट्रांसप्लांट हो गया है। मैं भारत सरकार को धन्यवाद देती हूं। मैं एक बार फिर भारत आऊंगी। डॉक्टरों को मैं दिल से धन्यवाद देती हूं। आयशा की मां सनोबर ने बेटी के ट्रांसप्लांट पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि मेरी बिटिया 12 साल की थी, जब उसे अरेस्ट आया था। उसकी कार्डियो एम्पथी की सर्जरी हुई। बाद में डॉक्टरों ने कहा कि आयशा ट्रांसप्लांट के बाद ही जिंदा रह सकती हैं। मैं खुश हूं कि एक पाकिस्तानी लड़की के अंदर एक भारतीय दिल धड़क रहा है। मैंने सोचा था कि यह कभी संभव नहीं है लेकिन ऐसा हुआ है।

छत्तीसगढ़ में चुनाव...

आत्महत्या की है। घटना पीपरछेड़ी थाना क्षेत्र के कूड़ेरादादर की है। जहां जियालाल पंवार की ड्यूटी चुनाव में लगी थी और वह प्राथमिक स्कूल भवन में रुका था। प्राथमिक स्कूल में रुक कर आराम करने के दौरान उसने सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। जियालाल पंवार मध्यप्रदेश के राजपुर का रहने वाला था और 34 वीं बटालियन की ए कंपनी में पदस्थ था और लोकसभा चुनाव ड्यूटी में छत्तीसगढ़ आया हुआ था। अधिकारी जांच में जुटे हुए हैं। बता दें कि आज छत्तीसगढ़ की 3 लोकसभा सीटों महासमुंद, कांकेर और राजनांदगांव में मतदान हो रहा है। गरियाबंद महासमुंद की विधानसभा है। जहां चुनाव ड्यूटी में लगे जवान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। मतदान के दिन घटना होने से अधिकारियों की परेशानियां बढ़ गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

असम लोस चुनाव : शाम पांच बजे तक 70.66 फीसद मतदान

मतदान केंद्र में पोलिंग एजेंट की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। असम में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान आज राज्य की कुल 14 में से पांच लोकसभा सीटों पर हुआ। मतदान सुबह 07 बजे शुरू हुआ। चुनाव आयोग से मिले आंकड़ों के अनुसार राज्य में शाम पांच बजे तक 70.66 प्रतिशत मतदान हुआ है। हालांकि, इस आंकड़े में और इजाफा होने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर हैलाकांदी जिला में मतदान केंद्र में ड्यूटी के दौरान एक पोलिंग एजेंट की मौत हो गई। पोलिंग एजेंट की पहचान फारूख अहमद के रूप में ही है। बताया गया है कि फारूख अहमद एआईयूडीएफ का पोलिंग एजेंट था। अहमद की मौत हैलाकांदी जिला के गल्लाछेड़ा प्राथमिक विद्यालय में बनाए गए मतदान केंद्र में हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि ड्यूटी के दौरान पोलिंग एजेंट अचानक जमीन पर गिर पड़ा, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। शाम पांच बजे तक राज्य की दरंग-उदालगुड़ी सीट पर जहां 72.99 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। वहीं, डिफू लोकसभा क्षेत्र में 69.62 फीसदी, करीमगंज में 71.12 फीसदी, नगांव में 71.84 फीसदी तथा सिलचर में 65.57 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। अब तक की जानकारी के अनुसार मतदान शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। मतदान केंद्रों पर भारी संख्या में सुरक्षा वालों को तैनात किया गया है। पहले चरण में असम की पांच लोकसभा सीटों- जोरहाट, लखीमपुर, काजीरंगा, डिब्रूगढ़ और शोणितपुर के लिए मतदान हुआ था।

रंगिया सहित कमलपुर और नगांव में शांतिपूर्ण रहा मतदान

रंगिया/नगांव (निसं)। दरंग उदालगुड़ी संसदीय क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्रों में से एक रंगिया में सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गई। रंगिया के मुरारा गर्ल्स प्राइमरी स्कूल नंबर 29 के मॉडल पोलिंग बूथ पर सुबह से ही मतदाताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। आदर्श मतदान केंद्र के रूप में उक्त बुथ स्थापित किया गया। इस दौरान पहली बार मतदान करने आए मतदाताओं के साथ-साथ बुजुर्ग, दिव्यांगों के अलावा केंद्र में आए पहली बार मतदाताओं को तोहफे दिए गए। केंद्र में आने वाले पहली बार मतदाताओं को चुनाव आयोग ने फुलाम गमोछा देकर सम्मानित किया। गौरतलब है कि दरंग-उदलगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत नंबर 32 कमलपुर विधानसभा क्षेत्र के कमलपुर हायर सेकेंडरी स्कूल में स्थापित मॉडल मतदान केंद्रों में से एक को खूबसूरती से सजाया गया है। इस आदर्श मतदान केंद्र पर सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर व्यवस्था, बच्चों, महिलाओं के लिए विशेष व्यवस्था, शौचालय, पेयजल आदि की व्यवस्था की गई। पूरी तरह से चुस्त दूरुस्त महकमा प्रशासन व पुलिस प्रशासन के सहयोग से चुनाव आयोग द्वारा सुचारू रूप से मतदान व्यवस्था शांतिपूर्ण रहा। वही सुबह प्रदेश भाजपा अध्यक्ष कमलपुर निर्वाचन क्षेत्र के माझगांव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मतदान केंद्र पर अपना वोट डालने के लिए कतार में खड़े थे। पत्नी परिजनो के साथ मतदान करने आये भवेश कलिता ने इस बार के चुनाव को विरोधी विहिन चुनाव बताते हुवे आजमल का झाड़ फूंक भी नहीं चलेगा का वक्तव्य दिया। वही समाचार लिखे जाने तक दरंग उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के 31 नं रंगिया विधानसभा क्षेत्र में 77.6 प्रतिशत तथा 32 नं कमलपूर विधानसभा क्षेत्र में 80.2 प्रतिशत मतदान होने की जानकारी मिली है। **नगांव** से हमारे संवाददाता के अनुसार मतदाताओं के भारी उत्साह के साथ 9 नंबर नगांव संसदीय सीट पर मतदान हुआ। कुछ छोटी छोटी विसंगती के बीच मतदान शांतिपूर्ण रहा। नगांव संसदीय सीट के लिए मतदाता सुबह से ही मतदान केंद्रों पर आने लगे थे और कतारबद्ध होकर अपना मतदान किया। नव युवक-युवतियों ने भी काफी उत्साह से मतदान किया। तो बुजुर्ग मतदाता भी मतदान करने मतदान केंद्र पहुंच कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कुछ मतदान केंद्रों पर लंबी लंबी कतार सुबह सात बजे से देखी गई। शाम पांच बजे तक नगांव संसदीय सीट के लिए कुल आठ विधानसभा क्षेत्रों में से मतदान का प्रतिशत निम्न प्रकार से रहा। नगांव- बटद्रवा विधानसभा क्षेत्र में 70.1 प्रतिशत, रोहा में 71.2 प्रतिशत, धिंग में 72. 3 प्रतिशत, रुपहीहाट में 71.6 प्रतिशत, सामागुड़ी में 71.4 प्रतिशत, जागीरोड में 79.60 प्रतिशत, लाहोरीघाट में 63.78 प्रतिशत और मरीगांव में 76.69 प्रतिशत मतदान हुआ। समाचार भेजे जाने तक कई मतदान केंद्रों पर सांय पांच बजे कतारबद्ध हुए मतदाता मतदान के इंतजार में है। इस प्रकार प्रतिशत में अंतर आएगा। इधर कांग्रेस के उम्मीदवार प्रद्युत बरदोलई ने मोरीकलंग उच्च माध्यमिक विद्यालय मे, एआईयूडीएफ के उम्मीदवार आमीनूल इस्लाम ने परमाभेटी एल पी स्कूल में, नगांव के विधायक रूपक शर्मा ने किरण बाला बालिका विद्यालय में और सामागुड़ी के विधायक रकीबुल हुसैन ने सामागुड़ी 165 नंबर कोरोइगुड़ी माध्यमिक विद्यालय में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। नगांव संसदीय सीट पर कुल 13 उम्मीदवारो के भाग्य का फैसला आज इवीएम में कैद हो गया है।

एसएसबी ने अवैध लकड़ी समेत आरा मशीन व जनरेटर किया जब्त

रंगिया (निसं)। 24वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रंगिया की सीमा चौकी गुआबारी, बिमलानगर व राजगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से वन विभाग तामुलपुर के साथ भारत-भूटान सीमा पर एक संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया गया। इस संयुक्त अभियान के दौरान गावं-बोरीगांव, थाना- गोरेश्वर, जिला तामुलपुर में एक अवैध आरा मशीन, जनरेटर सेट व लकड़ी लगभग- 54.39 सीएफटी को जब्त किया। जब्ती कार्यवाही के उपरांत उपरोक्त जब्त समान को वन विभाग तामुलपुर को सुपुर्द कर दिया गया। 24वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भारत-भूटान सीमा की सुरक्षा के अपने कर्तव्य के निर्वहन करते हुए निरंतर अभियान चलाकर स्थानीय नागरिकों के सहयोग से उनके साथ निरंतर बैठक कर उन्हें किसी भी प्रकार की अपराधिक गतिविधि या अवैध तस्करी के देखे जाने पर इसकी सूचना नजदीकी एसएसबी सीमा चौकी या वाहिनी मुख्यालय को देने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

चेंगा के बाघमारा चर में आयोजित चुनाव प्रचार रैली को गौरव गोगोई ने किया संबोधित

नगरबेरा (विभास)। पिछले कुछ दिनों में जितने चुनाव हुए हैं। यह चुनाव उन सभी चुनावों में सबसे महत्वपूर्ण है। कांग्रेस नेता और जोरहाट लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार गौरव गोगोई ने धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र के चेंगा विधानसभा क्षेत्र के बाघमारा चर में एक चुनावी रैली में यह बात कही। धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र में विपक्ष ओइक्या मंच द्वारा समर्थित और कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन के लिए प्रचार कर रहे गौरव गोगोई ने कहा कि अगर हमने इस चुनाव में एक वोट खो दिया है या मतदान नहीं किया है। भविष्य में अगर हम असफल होते हैं तो एक बड़ा सवाल उठता है कि क्या लोकतांत्रिक चुनाव और संविधान के जरिए हमें अपनी सुरक्षा मिलेगी। यह कहते हुए कि यह चुनाव भारत के लोकतंत्र और संविधान का आखिरी चुनाव हो सकता है, गोगोई ने कहा कि भाजपा की मूल ताकत एआईयूडीएफ पार्टी में छिपी है। इसलिए अगर आप धुबड़ी से एआईयूडीएफ पार्टी के नेता मौलाना बदरुद्दीन अजमल को हराते हैं तो दो साल बाद असम में कांग्रेस की सरकार बनेगी। भाजपा को हराने के लिए हमें एआईयूडीएफ को हराना होगा। गौरव गोगोई और उनके भाषणों की आलोचना करते हुए डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि ये दोनों नेता ईद पर नमाज अदा करने के लिए मेरा विरोध कर रहे हैं। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और मौलाना बदरूद्दीन आजमल ने हिंदू मुस्लिम को मिलजुल कर रहने नहीं देना चाहते। गोगोई ने कहा कि नमाज पढ़ने के लिए मुझे हिमंत विश्व शर्मा और बदरुद्दीन अजमल के प्रमाण-पत्र की जरूरत नहीं है। अगर मैं राजनीति कर रहा हूं तो मेरे पिता दिवंगत मुख्यमंत्री तरुण गोगोई देव की राजनीति कर रहा हूं। अपने भाषण में गौरव गोगोई ने पिछले दिनों संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष किया और लोगों से धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन को वोट देने की अपील की। इस बार शांति और विकास के हित में बरपेटा जिला कांग्रेस की पहल पर और मीडिया ब्लॉक कांग्रेस के सहयोग से आयोजित चुनावी रैली में धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र के विपक्षी एकता मंच रकीबुल हुसैन ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पर जमकर बरसते हुए कहा कि उन्होंने अपने शासन के दौरान आम लोगों पर बुलडोजर चलाया, घर तोड़े, फर्जी वादे, बाल विवाह के नाम पर दरवाजा तोड़ा। एनआरसी आदि के नाम पर निर्दोष युवाओं की गोली मारकर हत्या कर दी गई है, प्रताड़ित किया जा रहा है। इसलिए, इस तरह के अत्याचारों से छुटकारा पाने के लिए इस बार उन्होंने लोगों से सही फैसला लेने और बदरुद्दीन अजमल को हराने की अपील करते हुए कहा कि बदरूद्दीन अजमल को धुबड़ी से बेदखल कर हम अत्याचारी शासक हिमंत विश्व शर्मा को दिसपुर से उखाड़ फेंकेंगे। एक मुस्लिम लड़के को चोर-डाकू के रूप में अपमानित करने वाले बदरुद्दीन अजमल को इस बार लोगों को एक भी वोट नहीं देने के लिए कहा गया है। हुसैन ने कहा कि अगर आप शांति और सुरक्षा के बीच रहना चाहते हैं तो कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन को वोट दें और जीतें। रकीबुल हुसैन और गौरव गोगोई लोगों के लिए खतरे के समय हमेशा आगे खड़े रहेंगे। अगर बदरुद्दीन अजमल को राजनीतिक विदाई दी जाती है तो सिर्फ एक या पांच हिमंत विश्व शर्मा ही नहीं मुसलमानों के बाल नहीं हिला सकते। इस बीच, धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने अपने भाषण में बागबर विधायक शेर्मान अली अहमद पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस ने कांग्रेस विधायक के रूप में उनका विरोध किया। वह चुनाव के बाद विधायक पद की बर्खास्तगी के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से उपचुनाव के लिए तैयार रहने को कहा। पूर्वी गोवालपाड़ा के विधायक ए के राशिद आलम ने बैठक में भाजपा और एआईयूडीएफ को संबोधित किया एक सांप्रदायिक पार्टी के रूप में मौलाना बदरुद्दीन अजमल और असदुद्दीन ओवैसी दोनों ही बीजेपी के एजेंट हैं। बदरुद्दीन अजमल अल्पसंख्यक लोगों के दुश्मन हैं, आलम कहते हैं, बदरुद्दीन अजमल पूरी तरह से ग्वालपाड़ा जिले में भाजपा सरकार द्वारा किए गए विध्वंस अभियान के साथ-साथ मदरसों के विध्वंस में शामिल हैं। अजमल अल्पसंख्यक आबादी के लिए संकट के समय में उनके साथ खड़े नहीं हुए हैं, न ही उन्होंने उनके शैक्षणिक, सामाजिक विकास के साथ-साथ बेरोजगारों के रोजगार के मामले में कुछ भी किया है। केवल इन लोगों ने अतीत में केवल अपने दम पर व्यवसाय किया है। विधायक आलम ने यह भी कहा कि इस बार धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र के चुनाव में बदरुद्दीन अजमल की जमा राशि जब्त कर ली जाएगी।

होजाई स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर में भजन संध्या के साथ तीन दिवसीय श्री हनुमान जन्मोत्सव का समापन

होजाई (निसं)। होजाई के श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में भजन संध्या के साथ तीन दिवसीय श्री हनुमान जन्मोत्सव का समापन। भागलपुर से पधारे आमंत्रित कलाकार राहुल सोनी व कोलकाता से पधारी श्वेता कौशिक के भजनों पर झूमे हनुमान प्रेमी। कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग विक्रम छावछरिया का किया गया सम्मान, दिव्यांग होने के बावजूद श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति को किया था शुभकामना संदेश प्रेषित। भजन संध्या से पहले संगीतमय सुंदरकांड पाठ का भी हुआ था आयोजन। इस संवाददाता से बात करते हुए आमंत्रित कलाकार राहुल सोनी व श्वेता कौशिक ने कहा कि बालाजी महाराज की कृपा से उन्हें होजाई के लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में हाजिरी लगाने का मौका मिला। दोनों कलाकारों ने मारवाड़ी पंचायती व श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति को रजत जयंती वर्ष पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की व तीन दिवसीय भव्य आयोजन के लिए साधुवाद दिया। वही महापूर्णिमा की संध्या को समाज के बच्चों द्वारा नृत्य नाटिका पेश की गई। इसके बाद 25 वर्षों से रहा आकर्षण का केंद्र सवामण के लड्डू का भोग लगाया गया। तीन दिवसीय कार्यक्रमों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मारवाड़ी पंचायती, होजाई के अध्यक्ष लवण्या अगरवाला ने कहा श्री राम दूत हनुमान के आशीर्वाद से श्री हनुमान जन्मोत्सव का रजत जयंती वर्ष हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का समापन हनुमान रसोई के साथ हुआ। गौरतलब है तीन दिवसीय कार्यक्रम 22 अप्रैल को रामायण पाठ व भव्य शोभायात्रा के साथ प्रारंभ हुआ था। दूसरे दिन महापूर्णिमा के दिन बालाजी महाराज का सहस्त्रभिषेक, महजोत, महाआरती हुई व छप्पन भोग लगाया गया व झांकियां का उद्घाटन अतिथियों द्वारा हुआ।

भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान चार इम्प्रोवाइज्ड लांग रेंज मोर्टार (पोम्पी), एक फायर्ड केस इम्प्रोवाइज्ड लांग रेंज मोर्टार (पोम्पी राउंड), दो फायर केस ऑफ लैथोड, एक 9 एमएम पिस्तौल सह मैगजीन, एक 7.65 एमएम पिस्तौल सह मैगजीन, दो 303 बोर की एक मैगजीन के साथ राइफलें, 34 जीवित कारतूस, तीन नंबर 36 बिना डेटोनेटर के हथगोले, इंफाल पूर्वी जिले के सबुंगखोक खुनौ की पहाड़ी की चोटी से बरामद किया गया।

बाघमारा चर हायर सेकेंडरी स्कूल से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का सम्मान

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के मंडिया शिक्षा खंड अंतर्गत बाघमारा चर की एकमात्र उच्च शिक्षा कार्यक्रम बाघमारा चर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से इस बार हाईस्कूल की अंतिम परीक्षा में शामिल होकर प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई छात्रा को सम्मान समारोह के उद्देश्य से बाघमारा चर हायर सेकेण्डरी स्कूल प्रबंधन एवं विकास समिति की पहल पर शिक्षक प्रशिक्षकों के सहयोग से आज विद्यालय परिसर में सम्मान सभा का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि इस बार घोषित परिणामों के अनुसार स्कूल से कुल 296 परीक्षार्थी उपस्थित हुए हैं और 221 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं और स्कूल का नाम रोशन करने में सफल हुए हैं। हाल ही में घोषित हाईस्कूल परीक्षा में विद्यालय से कुल 15 प्रथम श्रेणी, 130 द्वितीय श्रेणी और 76 तृतीय श्रेणी 2 स्टार अंक के साथ उत्तीर्ण हुए, जिनमें से 3 दिव्यांग विद्यार्थी भी थे। विद्यालय के प्रधान शिक्षक खलीलुर रहमान ने बैठक का उद्देश्य बताया और विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अब्दुल हाकिम आहमेद के अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान स्कूल से उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों को फुलाम गमोछा, प्रशस्ति पत्र और शब्दकोशों से सम्मानित किया गया। शिक्षकों व शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। बैठक में लुइतपरिया कॉलेज के प्राचार्य जसीम उद्दीन अहमद, बाघमारा चर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षक तैयब अली शेख, बाघमारा चर जूनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रोफेसर जंगसेर अली अहमद, दक्षिण बरपेटा हाई स्कूल के प्राचार्य अब्दुल बारिक मंडल सहित विभिन्न संस्थाओं से जुड़े अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इंडियाज राइजिंग स्टार एंड सोशल इंपैक्ट अवार्ड से *स्टार सीमेंट* सम्मानित

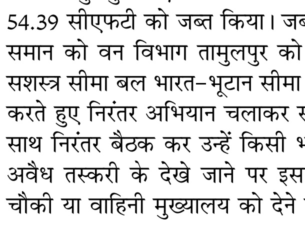

गुवाहाटी। भारतीय सीमेंट उद्योग की अग्रणी कंपनी स्टार सीमेंट को हाल ही में गोवा के हयात सेंट्रिक कैंडोलिम में आयोजित द इंडियन ब्रांड एंड लीडरशिप कॉन्क्लेव 2024 में प्रतिष्ठित इंडियाज राइजिंग स्टार एंड सोशल इम्पैक्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। क्षेत्र में इसके असाधारण योगदान और समुदाय के भीतर इसकी प्रभावशाली पहल। नवाचार, नेतृत्व और उत्कृष्टता के उत्सव के लिए प्रसिद्ध भारतीय ब्रांड और लीडरशिप कॉन्क्लेव ने स्टार सीमेंट की उल्लेखनीय उपलब्धियों और समाज के भीतर एक सार्थक प्रभाव बनाने की प्रतिबद्धता को स्वीकृति दी। यह पुरस्कार प्रतिष्ठित बॉलीवुड फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभाकर प्रभु की उपस्थिति में प्रदान किया गया। स्टार सीमेंट लि. की ओर से ब्रांड प्रमुख दिव्य ज्योति गुहा ने इसे ग्रहण किया। पुरस्कार प्राप्त करने पर स्टार सीमेंट लि. के सीईओ विनीत कुमार तिवारी ने आभार व्यक्त किया। यह सम्मान सकारात्मक बदलाव लाने और हमारे हितधारकों और बड़े पैमाने पर समाज दोनों के लिए मूल्य बनाने के प्रति हमारे समर्पण की पुष्टि करता है। कंपनी के सीओओ प्रदीप पुरोहित ने कहा कि स्टार सीमेंट में हम जिन समुदायों की सेवा करते हैं उनमें सार्थक बदलाव लाने के लिए अपने संसाधनों और विशेषज्ञता का लाभ उठाने में विश्वास करते हैं। यह पुरस्कार सामाजिक जिम्मेदारी और स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। यह प्रतिष्ठित मान्यता उद्योग में स्टार सीमेंट की नेतृत्व स्थिति और सकारात्मक बदलाव लाने के प्रति इसके समर्पण को रेखांकित करती है।

माजुली जिला सत्र महासभा का फैसला, जुबिन को लौटाना होगा *संगीत सिंधु* का खिताब

माजुली (हिंस)। प्रख्यात संगीतकार तथा गायक जुबिन गर्ग को *संगीत सिंधु* का खिताब लौटाना पड़ेगा। माजुली जिला सत्र महासभा ने उनके खिलाफ यह अहम फैसला लिया है। जिला सत्र महासभा ने जुबिन से अपील की है कि वह माजुली में किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल न हों। सत्र महासभा ने पूरे मामले की रिपोर्ट जिला आयुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को भी देने का आदेश दिया। माजुली जिला सत्र महासभा ने एक अधिसूचना में उल्लेख किया है कि जुबिन गर्ग का 29 अप्रैल को पूर्व माजुली में एक संगीत कार्यक्रम निर्धारित है। यदि उस दिन कार्यक्रम आयोजित किया जाता है तो उत्पन्न होने वाले किसी भी अप्रिय परिस्थिति के लिए आयोजन समिति और प्रशासन जिम्मेदार होगा। गौरतलब है कि दो दिन पहले कलाकार जुबिन गर्ग माजुली में एक कॉन्सर्ट करने गए थे। माजुली जिला सत्र महासभा ने उस दिन मंच पर जुबिन गर्ग की विवादास्पद टिप्पणी पर नाराजगी व्यक्त की है।

विश्वनाथ के सेंट जेवियर्स स्कूल का रजत जयंती समारोह धूमधाम से संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ जिले मुख्य सदर में स्थित विश्वनाथ चारिआलि के प्रमुख विद्यालय सेंट जेवियर्स स्कूल ने अपना 25 वर्षीय गौरवशाली रजत जयंती समारोह दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ विद्यालय प्रांगण में धूमधाम से मनाया। गुरुवार को विद्यालय प्रांगण में समापन सत्र पर विभिन्न कार्यक्रम कार्यान्वित किए गए। कार्यक्रम में विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत किए गए बिहू नृत्य, झूमर नृत्य, बोड़ो नृत्य, कार्बी नृत्य, भोजपुरी नृत्य, बंगाली नृत्य और विभिन्न जातीय नृत्य -गीतों से जनता भावविभोर हो उठे। रजत जयंती के अवसर पर विद्यालय के खेम प्रसाद शर्मा के संपादन में प्रकाशित *जेवियर्स मिरोर* नामक एक स्मारक पुस्तक का अनावरण किया गया। विश्वनाथ कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. निपम कुमार सैकिया ने स्मृति पुस्तक का अनावरण किया। कल के समापन समारोह में अतिथि के रूप में विश्वप माइकल आकासियास, स्कूल प्रबंधन समिति के सोमेश्वर हजारिका, नित्य नार्जारी, प्रशांत हजारिका, पीयूष खालखो, विश्वनाथ विधायक प्रमोद बरठाकुर, पूर्व विधायक व मंत्री प्रवीण हजारिका, बिश्वनाथ जिला शिक्षा अधिकारी भवेन देउरी, बिश्वनाथ कॉलेज के सेवानिवृत्त उपाध्यक्ष मरमी भट्टाचार्य, विश्वनाथ चारिआली प्रेस क्लब के सलाहकार निरंजन हजारिका, अध्यक्ष पुलक हजारिका, सचिव आमिर खान, चारिआलि एकाडेमी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य अर्चना शर्मा, दीरिंग पथार हाई इंग्लिश स्कूल के शिक्षक मलय रंजन महंत, विद्यालय के पूर्व शिक्षक जादव प्रधान, रूमिप्रभा दास, गायत्री गगोई, संतोष कुमार महतो, संजय घोष, संजीव साहा, पूरबी बोरा, भूवन अधिकारी, प्रशेशा गगोई, विप्लव सेनगुवा, सुजाता डुनडुन, अलविना तिसोपी, पूबाली आदि मौजूद थे। इस अवसर पर वर्ष 2024 में मैट्रिक उत्तीर्ण विद्यार्थी को सम्मानित किया। विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारी नित्य नार्जारी, अभिभावक के रूप में भूवन अधिकारी ने रजत जयंती की बधाई देते हुए छात्र व शिक्षक के संबंध, विद्यालय के इतिहास पर व्याख्यान दिया। अंत में संध्या में संगीत कार्यक्रम रखा गया। गुवाहाटी से आमंत्रित मालकौंस बैंड के साथ संगीतमय कार्यक्रम का आगाज हुआ। उपस्थित पूर्व छात्र, अभिभावक, शिक्षक आदि गणमान्य व्यक्तियों ने संगीत का आनंद उठाया इधर बुधवार को सर्वप्रथम सांस्कृतिक शोभायात्रा निकाली गई जिसका शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य जॉन बॉक्स धनवार ने किया। प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों, विद्यालय प्रमुखों, शिक्षकों, छात्रों, पूर्व शिक्षक, छात्रों, अभिभावकों, एवं विभिन्न जातीय समूहों से भरा विशाल रंग-बिरंगा जुलूस निकाली गई। प्रात: 11ः30 पूर्व छात्रों का आगमन का पंजीकरण कराया गया। दोपहर 1 बजे सभा विद्यालय के स्वागत गीत शुरू हुआ। इसके बाद विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य, संचालिका, पूर्व शिक्षक, विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों को फुलाम गामोछा और जापी से सम्मानित किया। अतिथियों का सत्कार के बाद पूर्व छात्रों ने अपना आत्म परिचय दिया और विद्यालय के तरफ से उन्हें फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया। विद्यालय के संस्थापक प्राचार्य फादर जैकब तथा संचालिका ने विद्यालय के इतिहास व शैक्षिक विकास पर प्रकाश डाला। तीसरा बैच का विद्यार्थी डॉ. जोसेफ गोवाला ने विद्यालय के स्मृतियों के साथ अपने लक्ष्य के संघर्ष और उपलब्धियों को साझा किया। इसके बाद सयानिका बरुआ द्वारा गीत (प्रथम बैच) और विभिन्न बैचों के विद्यार्थी ने गीत प्रस्तुत व अपना विद्यालय का अनुभव साझा किया। विद्यालय के पूर्व शिक्षक जादव प्रधान ने भी अपने पढ़ाएं दिनों व विद्यालय के वातावरण पर प्रकाश डाला। अंत गायक विजय दोरजी ने संगीत का समां बांधा। दर्शकों ने गीत का लुत्फ उठाते हुए, जोरदार नृत भी की। इस संपूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्राचार्य, उप प्राचार्य, संचालिका, शिक्षक, कर्मचारी, प्रबंधन समिति के सदस्य, छात्र, अभिभावक ने तन मन धन से भरपूर सहयोग दी।

संपादकीय

क्यों बदल गए प्रधानमंत्री

यह लोकसभा का चुनाव है, न कि किसी धार्मिक संस्थान के लिए चुनाव कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी को सांप्रदायिक बयान देने को बाध्य होना पड़ा, उसकी उलट प्रतिक्रिया में करीब 2000 शिकायतें चुनाव आयोग को भेजी गई हैं। कांग्रेस ने जो 17 शिकायतें की हैं, वे इनसे भिन्न हैं। प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर आयोग क्या निर्णय लेता है, उससे उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता जुड़ी है। 2019 के आम चुनाव के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ 6 शिकायतें दर्ज की गई थीं, लेकिन चुनाव आयोग ने उन्हें 'क्लीन चिट' दे दी। इस पर चुनाव आयोग की तीखी आलोचना की गई थी। हालांकि मतदान और मतदाता से जुड़े 'भारतीय जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951' में ऐसी धाराएं भी हैं, जिनके तहत ऐसी शिकायतों पर दंडनीय कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन हमारी व्यवस्था 'दंतहीन' है। आज एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त रहे टीएन शेषन की याद आ रही है, जिन्होंने साबित कर दिया था कि चुनाव आयोग के पास हथियार, अधिकार और पैने दांत भी हैं। वह सत्ता-पक्ष का 'पायदान' नहीं है। बहरहाल इन शिकायतों के निपटारे से अहम देश के प्रधानमंत्री का व्यक्तित्व है। वह समूचे राष्ट्र के हैं, तो सभी धर्मों, संप्रदायों, नस्लों, मतों, लिंगों और भाषाओं के भी हैं। बेशक उनका निजी धर्म और आस्था हिंदुत्व से जुड़ा है, लेकिन जब वह देश को संबोधित कर रहे होंगे या आह्वान कर रहे होंगे, तो वह पूरी तरह धर्मनिरपेक्ष होंगे। प्रधानमंत्री किसी एक धर्म के प्रचारक या समर्थक नहीं हो सकते। दरअसल प्रथम चरण के कम मतदान के बाद प्रधानमंत्री मोदी की जुबां, भाषा, आह्वान और तेवर बदल गए हैं। आजकल प्रधानमंत्री राम मंदिर, काशी और ब्रज, रामनवमी, हनुमान चालीसा, मंगलसूत्र और हिंदू बनाम मुसलमान के मुद्दों पर वोट मांग रहे हैं। अलबत्ता प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 10-साला कार्यकाल के दौरान अधिकतर विकास, 5वीं से तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था और अंततः 2047 तक 'विकसित भारत' की बात कही है। दुनिया में भारत की हैसियत की व्याख्याएं की हैं। इस बार 2024 का जनादेश वह 'विकसित भारत' का संकल्प हासिल करने की रूपरेखा तैयार करने के लिए मांग रहे हैं। अचानक यह बदलाव क्यों आया कि देश के प्रधानमंत्री राम नाम, श्रीकृष्ण जन्मभूमि और हनुमान चालीसा की चिंता करने लगे हैं और देश की करीब 15 फीसदी मुस्लिम आबादी को 'घुसपैठिया' करार देने लगे हैं। क्या प्रधानमंत्री भाजपा के कट्टर और सनातन मतदाता के समर्थन के लिए बदल रहे हैं? प्रधानमंत्री अर्थव्यवस्था, विकास दर, विश्व की आर्थिक महाशक्ति, विश्व का सबसे विशाल मैन्यूफैक्चरिंग हब, सेमीकंडक्टर चिप्स का निर्माता, विमान और हेलीकॉप्टर निर्माण में आत्मनिर्भरता, जी-20, जी-7, सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता आदि महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दों को या तो भूल गए हैं अथवा नेपथ्य में डाल दिया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस, नल में जल, शौचालय, जन-धन खाते, बिजली, चमकदार राजमार्गों, विश्वकर्मा योजना, कौशल विकास, 220 करोड़ मुफ्त कोरोना टीकों आदि का जिक्र भी बहुत कम करते हैं। ऐसा लगता है मानो किसी ने 'दहशत का बटन' दबा दिया है और प्रधानमंत्री को हिंदुत्व पर ज्यादा आक्रामक होना पड़ा है। शायद प्रधानमंत्री को एहसास हो गया है कि विकास और बढ़ोतरी के मुद्दे पर वोट कम मिलेंगे तथा आक्रामक धार्मिकता से ध्रुवीकरण होगा और बहुसंख्यकों के बहुमत के वोट भाजपा-एनडीए के पक्ष में आएंगे! प्रथम चरण के मतदान के ठोस संकेत, अपने-अपने माध्यमों से, मिल चुके हैं। भाजपा अब भी दौड़ में सबसे आगे है। कई सीटों पर मुकाबले बेहद कांटेदार हैं। अलबत्ता भाजपा के चेहरे से 400 पार की खुशी कुछ गायब लग रही है। मोदी-विरोधी लहर की खुशी विपक्ष के चेहरों पर भी मद्धिम पड़ गई है। मतदान अब भी कम हो सकता है, क्योंकि दूसरे चरण की जिन 89 सीटों पर 26 अप्रैल को मतदान होना है, उसमें कमोबेश 30 सीटों पर गरम लू का मौसम होगा। क्या अब प्रधानमंत्री अपनी बदली जुबां और विषय के साथ ही मतदाताओं से वोट की अपील करते रहेंगे?

प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर आयोग क्या निर्णय लेता है, उससे उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता जुड़ी है। 2019 के आम चुनाव के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ 6 शिकायतें दर्ज की गई थीं, लेकिन चुनाव आयोग ने उन्हें 'क्लीन चिट' दे दी। इस पर चुनाव आयोग की तीखी आलोचना की गई थी। हालांकि मतदान और मतदाता से जुड़े 'भारतीय जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951' में ऐसी धाराएं भी हैं, जिनके तहत ऐसी शिकायतों पर दंडनीय कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन हमारी व्यवस्था 'दंतहीन' है। आज एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त रहे टीएन शेषन की याद आ रही है, जिन्होंने साबित कर दिया था कि चुनाव आयोग के पास हथियार, अधिकार और पैने दांत भी हैं। वह सत्ता-पक्ष का 'पायदान' नहीं है। बहरहाल इन शिकायतों के निपटारे से अहम देश के प्रधानमंत्री का व्यक्तित्व है। वह समूचे राष्ट्र के हैं, तो सभी धर्मों, संप्रदायों, नस्लों, मतों, लिंगों और भाषाओं के भी हैं।

राजधानी काठमांडू में सरकारी भवनों के सामने कान फोड़ देने वाला षंखनाद की अपनी मांगों का स्वर नेपाल के आकाष में गुंजा दिया

नेपाल में हिंदू राष्ट्र के लिए शंखनाद

प्रमोद भार्गव

नेपाल में हिंदू राष्ट्र घोशित किए जाने की मांग के लिए षंखनाद षुरू हो गया है। वहां अनेक संगठन सड़कों पर उतरकर राजषाही के पक्ष में आंदोलन कर रहे हैं। इस मांग में पुरुशों के साथ महिलाएं भी कंधे से कंधा मिलाकर आंदोलन में षामिल हैं। इस प्रदर्षन की अगुआई मुख्य रूप से राश्ट्रवादी राश्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी कर रही है। यह नेपाल की पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी है। इस दल के प्रवक्ता मोहन श्रेश्ठ की मांग है कि नेपाल में राजषाही की पुनर्बहाली हो, देष में संघीय व्यवस्था लागू हो और इसे हिंदू राश्ट्र घोशित किया जाए।

भारत के पड़ोसी और धार्मिक व सांस्कृतिक एकरूपता से जुड़े देष नेपाल में हिंदू राश्ट्र घोशित किए जाने की मांग के लिए षंखनाद षुरू हो गया है। वहां अनेक संगठन सड़कों पर उतरकर राजषाही के पक्ष में आंदोलन कर रहे हैं। इस मांग में पुरुशों के साथ महिलाएं भी कंधे से कंधा मिलाकर आंदोलन में षामिल हैं। इस प्रदर्षन की अगुआई मुख्य रूप से राश्ट्रवादी राश्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी कर रही है। यह नेपाल की पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी है। इस दल के प्रवक्ता मोहन श्रेश्ठ की मांग है कि नेपाल में राजषाही की पुनर्बहाली हो, देष में संघीय व्यवस्था लागू हो और इसे हिंदू राश्ट्र घोशित किया जाए। इन प्रदर्षनकारियों के हाथों में षंख थे, जिनसे लोगों ने राजधानी काठमांडू में सरकारी भवनों के सामने कान फोड़ देने वाला षंखनाद की अपनी मांगों का स्वर नेपाल के आकाष में गुंजा दिया। इस समय नेपाल में भारत में जिस तरह से धर्म और संस्कृति का पुनरुत्थान हो रहा है, उसका अनुकरण भी देखने में आ रहा है। नेपाल को 2007 में पंथनिरपेक्ष राश्ट्र घोशित किया गया था। नतीजतन 2008 में राजषाही व्यवस्था समाप्त कर दी गई थी। इस आंदोलन को 'राश्ट्र, राश्ट्रवाद, धर्म, संस्कृति और नागरिकों की रक्षा के लिए अभियान' का दर्जा दिया जा रहा है। 2008 में नेपाल के गणराज्य बनने के बाद से कारोबारी दुर्गा प्रसाई आंदोलन को हवा दे रहे हैं। एक समय प्रसाई के प्रधानमंत्री प्रचंड और ओली के साथ घनिश्ठ संबंध थे, लेकिन अब वह नियमित रूप से आलोचना कर रहे हैं। इसी समय राजषाही के दौर में गृहमंत्री रहे कमल थापा ने हिंदू राश्ट्र की मांग के लिए नया गठबंधन बनाया है। पूर्व नरेष ज्ञानेंद्र षाह भी एकाएक सक्रिय होकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में भागीदारी करने लगे हैं। वह मंदिरों में भी होने वाली पूजा में षामिल हो रहे हैं। राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिश्ठा के बाद इस मांग में तेजी आई है। हालांकि यह मांग कोई नई नहीं है। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बाहदुर देउबा अप्रैल-2022 में भारत आए थे। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई मुलाकात के बाद से ही जनता में नेपाल को हिन्दू राष्ट्र बनाये जाने मांग जोर पकड़ रही है। इस

मांग में नेपाल के मुस्लिम भी शामिल हैं। इस दोस्ताना शिखर-वार्ता से तय हुआ था कि नेपाल चीन के विस्तारवादी शिकंजे से मुक्त होने की राह पर चल पड़ा है। नेपाल ने अब भरोसा दिया है कि सीमा विवाद का राजनीतिकरण नहीं होगा और जल्द इस विवाद को द्विपक्षीय बातचीत से सुलझा लिया जाएगा। आजादी के अमृत महोत्सव के चलते भारत ने नेपाल में 75 विकास परियोजनाएं जमीन पर उतारी हैं। भारत के आर्थिक सहयोग से तैयार बिहार के जयनगर और नेपाल के कुर्था तक रेल सेवा का उद्घाटन भी किया था। याद रहे दोनों देशों के बीच रोटी-बेटी के संबंध रामायण काल से चले आ रहे हैं। राम की धर्मपत्नी सीता नेपाल के जनकपुर से थीं। भारत के धार्मिक श्रद्धालुओं को यह रेल जनकपुरधाम तक पहुंचाना आसान कर देगी। हालांकि इस मुलाकात के कुछ समय बाद ही नेपाल में सत्ता परिवर्तन हुआ और मओवादी चीन से प्रभावित पुश्प कमल दहल 'प्रचंड' फिर से प्रधानमंत्री बन गए थे। दरअसल नेपाल की कम्युनिष्ट पार्टी का चीन की गोद में बैठना और भारत विरोधी अभियान चलाना देश की जनता को नागवार गुजर रहा है। राजशाही के साथ हिंदू राष्ट्र बहाली की मांग भी मुखर हुई है। नेपाल के मुसलमान भी देश को हिंदू राष्ट्र बनाने के पक्ष में हैं। नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग के समर्थन में हो रहे प्रदर्शनों में शामिल राप्ती मुस्लिम सोसायटी के अध्यक्ष अमजद अली ने कहा है कि इस्लाम को बचाने के लिए यह जरूरी है। समाज के कुछ नेताओं का मानना है कि हिंदू राष्ट्र का दर्जा खत्म होने के बाद से नेपाल में ईसाई मिशनरियां ज्यादा सक्रिय हो गई हैं। मिशनरी इस स्थिति का फायदा उठाकर लोगों का धर्म परिवर्तन करवा रही हैं। यूसीपीएन माओवादी के मुस्लिम मुक्ति मोर्चा भी मिशनरियों के बढ़त प्रभाव को स्वीकार नहीं करता है। राष्ट्रवादी मुस्लिम मोर्चा भी देश की धर्मनिरपेक्ष पहचान नहीं चाहता है। 80 फीसद मुस्लिम आबादी देश की हिंदू पहचान बहाल करने के पक्ष में है। गौरतलब है कि राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी और कई हिंदूवादी संगठन काफी समय से नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र का दर्जा देने के लिए अभियान चला रहे हैं। पिछले महीने राजनीतिक दलों के बीच नए संविधान में देश की धर्मनिरपेक्षता की पहचान खत्म करने को लेकर सहमति बनी थी। इसके बाद से यह मांग और तेज हो गई है। देश के सभी समुदाओं के लोग मानते हैं कि पुरानी हिंदू पहचान की बहाली का कोई विकल्प नहीं है। धर्मनिरपेक्षता हिंदू-मुस्लिम एकता तोड़ने की साजिश है। दरअसल छह साल पहले दो नेपाली युवकों को बुटवॉल में पुराने राष्ट्रगान को गाने की वजह से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद से ही पूरे नेपाल में इस राष्ट्रगान को गाने का सिलसिला चलने के साथ हिंदू राज की पुनस्थापना की मांग उठ रही है। हिमालय की गोद में बसा नेपाल एक छोटा और सुंदर देश है। पूरी दुनिया में नेपाल ही एकमात्र ऐसा देश है, जिसे आज तक कोई दूसरा देश परतंत्र नहीं बना पाया। इसलिए यहां स्वतंत्रता दिवस नहीं मनाया जाता। किंतु चीन के लगातार बढ़ रहे हस्तक्षेप के चलते लोगों को लगने लगा है कि कहीं यह हिंदू धर्मावलंबी देश अपनी मौलिक संस्कृति व स्वतंत्रता न खो दे? नेपाल एक दक्षिण एशियाई देश है। नेपाल के उत्तर में चीन का स्वायत्तशासी प्रदेश तिब्बत है। जिसे चीन निगलता जा रहा है। दक्षिण पूर्व व पश्चिम में भारत की सीमा लगती है।

दृष्टि कोण

आखिर कहां चली गई बच्चों की मस्ती और मौज

एक समय था जब गर्मियों की छुट्टियों का नाम सुनते ही गांव की खुली हवा, दादी-नानी का आंगन नीम की छांव में चहलकदमी करते बच्चें, पेड़ों में डले झूलें, परंपरागत खेल याद आने लगते थे। गर्मियां आने से पहले ही दादी-नानी, बुआ-मौसी के घरों में गर्मियों की छुट्टियों की तैयारियां शुरू हो जाया करती थी, जिनका आनंद सुहाना लगता था। दरअसल, यह एक ऐसा अवसर होता था जब परिवार के सभी भाई-बहनों का जमावड़ा एक साथ एक जगह एक ही समय पर होता था। घर का माहौल शादी-ब्याह के समारोह जैसा लगने लगता था। बच्चे भी स्कूल और पढ़ाई के तनाव से कुछ पल के लिए छूट जाते थे और प्रकृति की गोद में हस्ते खिलखिलाते थे। हालांकि स्कूल के द्वारा गृहकार्य या होमवर्क बराबर मिलता था लेकिन वह भी विशेषकर इमला-राइटिंग या निबंध-पहाड़े लेखन आदि से आगे कम ही होता था। यह एक ऐसा समय होता था जब छुट्टियों का अलग ही आनन्द होता था। जब माता-पिता बड़े-बूढ़ों के दबाव में स्कूल की छुट्टियों का काम करने का दबाव न बना पाते थे और बच्चे प्रतिदिन के जकड़न भरे नियमों से दूर हो लेते थे, जो उन्हें तनाव मुक्त रखने में काम आते थे साथ ही उनकी यादों के कैलेण्डर में एक खूबसूरत सा अध्याय जुड़ जाता था जिसे वो अपनी स्मृति में संजो लेते थे। आज भी ऐसे अनगिनत किस्से हमारी यादों के पिटारे में मौजूद हैं जिनमें हमने बंधन मुक्त मौज-मस्ती से भरी छुट्टियों का आनन्द लिया था। लेकिन अब ज्यादातर मामलों में ऐसा देखने को नहीं मिलता। आज की गर्मियों की छुट्टियां पहले से विकसित हो गई हैं। आज भी गर्मियां आते ही बच्चों को जिस बात का सबसे ज्यादा इंतजार रहता है, वो है स्कूलों की छुट्टियां। बच्चों के लिए यह किसी जश्न से कम नहीं होता। लेकिन अब हम पहले जैसी छुट्टियों की स्वतंत्रता को खोते जा रहे हैं। अब हम ज्यादा विकसित और समझदार छुट्टियां गुजारने लगे हैं, जिससे बच्चों पर दबाव कम होने की बजाय उन पर अनचाहा दबाव बनाते जा रहे हैं। जिससे बच्चा एक स्कूल से निकल दूसरे स्कूल के चक्कर में फंसता जा रहा है।

शहरी संस्कृति के समर कैंप, एक्स्ट्रा क्लासेस, दुनियाभर की एक्विटीज के जाल से बच्चे अपनी छुट्टियों की आजादी को एन्जॉय ही नहीं कर पा रहे हैं। वे अब परंपरागत खेलों से अनजान होते दिखाई दे रहे हैं गिल्ली-डंडा, खो-खो, कोड़ा मार, लुका-छुप्पी, गुटटे, गिप्पा आदि अनेक खेलों का जन्म इन्हीं गर्मियों की छुट्टियों की देन है, जिन्हें आज की पीढ़ी नहीं जानती। आज की पीढ़ी इन्हें मोबाइल गेमों में तलाश रही है। जिन खेलों का जन्म ही शारीरिक विकास के लिए किया गया होगा उन्हें ऑन स्क्रीन गेम की तरह एंजॉय करना विकसित छुटिटयों की देन है। बच्चों की गर्मियों की छुट्टियां ऐसी होनी चाहिए जहां सालभर की भागम-भाग से इतर, स्कूल की आपा-धापी न हो, न ही सुबह की गहरी नींद से उठने का कोई नियम बनाया जाए और उन्हें ऑनस्क्रीन खेलों में माहिर नहीं बल्कि नए-नए खेलों के स्वतंत्र रचनाकार बनाया जा सके। कोई दबाव और पाबंदी न हो। आज के दौर में जहां ज्यादातर घरों में माता-पिता दोनों ही कामकाजी हैं, वहां कुछ समय निकालकर बच्चों की छुट्टियों को यादगार बनाने का प्रयास किया जा सकता है। यह परिवार के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक कदम हो सकता है। हालांकि गर्मियों की छुट्टियां घर में थोड़ा काम बढ़ाने वाली हो सकती हैं लेकिन यह सही समय होता है जब हम अपने बच्चों को कई रचनात्मक कार्यो को करना सिखा सकते हैं, साथ ही उनकी कल्पना शक्ति को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। अनावश्यक रूप से उन पर एक्स्ट्रा क्लासेज का दबाव उन्हें काम के दबाव से निपटने का रास्ता निकालने नहीं देता। हम बच्चों को इस समय आउटडोर गेम की महत्ता समझा सकते हैं, जरूरतमंदों की मदद करना सिखा सकते हैं, नए स्थानों की खोज की जिज्ञासा उत्पन्न कर सकते हैं। परिवार के साथ अलग-अलग तरह के खेलों को मिलकर खेलना सिखा सकते हैं, घर पर विज्ञान और मनोरंजन के महत्व को समझा सकते हैं, उन्हें अच्छे प्लानर बनने में मदद कर सकते हैं। उनकी गर्मियों की छुट्टियों की रूपरेखा उन्हीं के अनुसार बनाकर पढ़ाई और खेल-कूद में बराबर का ताल-मेल बैठा सकते हैं। गर्मियों की छुट्टियां आज के दौर के बच्चों के लिए पहले से भी ज्यादा खास हो जाती हैं। यदि हम कुछ विशेष बातों का ख्याल रखें तो हम अपने बच्चों की छुट्टियों को न केवल खास बना सकते हैं बल्कि उन्हें अनेक नई बातों को सीखने-समझाने का माध्यम भी बन सकते हैं। उन्हें तनाव मुक्त भी रख सकते हैं ताकि वे अपनी गर्मियों की छुट्टियों को पूरा इंजॉय कर सके, जिससे वे अपने आपको पूरी ऊर्जा के साथ आने वाले नए सत्र के लिए तैयार कर सकें। साथ ही खुद को सिलेबस के बोझ तले दबा हुआ न महसूस करें बल्कि खुद को विपरीत परिस्थिति से उभारने वाले योद्धा के तौर पर तैयार करें।

कुछ अलग

गुरु, गोविंद दोऊ खड़े...

संत कबीर का प्रसिद्ध दोहा : 'गुरू, गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पांय, बलिहारी गुरू आपने, जिन गोविंद दियो बताय', हम सबने सुन रखा है। पंद्रहवीं शताब्दी के महान कवि और संत कबीर जी के सधुक्कड़ी एवं पंचमेल की खिचड़ी में रचे दोहे जनमानस में लोकप्रिय तो हैं ही, प्रेरणा का बड़ा स्रोत भी हैं। संत कबीर ने हर धर्म और वर्ग को सीख दी है। वे एक ऐसे संत थे जिन्होंने दिखावे के फालतू कर्मकांड को नकारा और सहज जीवन की व्याख्या की। गुरू की महत्ता पर उन्होंने कई दोहे रचे। अपने सर्वाधिक लोकप्रिय और प्रचलित दोहे में उन्होंने गुरू को नमन करते हुए कहा कि अगर गुरू और भगवान दोनों साथ-साथ खड़े हों तो मैं पहले गुरू को नमन करूंगा क्योंकि भगवान तक पहुंचने का रास्ता गुरू ने ही दिखाया है। गुरू की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए संत कबीर ने कहा कि 'गुरू बिन ज्ञान न ऊपजै, गुरू बिन मिलै न मोष, गुरू बिन लखै न सत्य को, गुरू बिन मिटै न दोष', यानी बिना गुरू के ज्ञान का मिलना असम्भव है। तब तक मनुष्य अज्ञान रूपी अंधकार में भटकता हुआ मायारूपी सांसारिक बन्धनों में जकड़ा रहता है जब तक कि गुरू की कृपा प्राप्त नहीं होती। मोक्ष रूपी मार्ग दिखलाने वाले गुरू हैं। बिना गुरू के सत्य एवं असत्य का ज्ञान नहीं होता, उचित और अनुचित के भेद का ज्ञान नहीं होता, फिर मोक्ष कैसे प्राप्त होगा? अतः गुरू की शरण में जाओ, गुरू ही सच्ची राह दिखाएंगे। इतना ही नहीं, संत कबीर ने यह भी कहा कि गुरू और पारस के अंतर को सभी ज्ञानी पुरुष जानते हैं, पारस मणि के विषय में जग विख्यात है कि उसके स्पर्श से लोहा भी सोना बन जाता है, किन्तु गुरू तो इतने महान हैं कि अपने गुण-ज्ञान में ढालकर शिष्य को अपने जैसा ही महान बना लेते हैं। 'गुरू पारस को अन्तरो, जानत हैं सब संत, वह लोहा कंचन करे, ये करि लेय महंत', में संत कबीर ने यही कहा है। स्पष्ट है कि किसी समर्थ गुरू के मार्गदर्शन के बिना आध्यात्मिक जगत में जाने का इच्छुक व्यक्ति यूं ही गोल-गोल घूमता रह सकता है। गुरू ही सीधा और सरल मार्ग दिखा सकते हैं। संतों की महिमा इसीलिए है, जिसे हर धर्म ने स्वीकार किया है। परेशानी इसके बाद हुई जब गुरू को ही भगवान मान लिया गया। गुरू के नाम की माला पहन ली गई, गुरू की आरती शुरू हो गई और भगवान बिसर गए। कबीर दास जी ने जब 'काके लागूं पांय' कहा तो सिर्फ ये समझाना चाहा कि गुरू के बिना ज्ञान नहीं मिलता, लेकिन ज्ञान तो परमात्मा का मिलता है न? फिर परमात्मा की महत्ता कम कैसे हो गई? गुरू, सिर्फ गुरू है, गोविंद नहीं, राह तो गोविंद तक जाने की है, परमात्मा तक जाने की है। गुरू भगवान नहीं है। गुरू नानक देव जी ने हर जगह राम-राम जपा है। दसों गुरुओं ने राम के गुण गाए हैं, अपने नहीं। संत रविदास ने राम के गुण गाए हैं, अपने नहीं। बाकी संतों ने भी परमात्मा के ध्यान की बात कही है, किसी भी सच्चे गुरू ने कभी नहीं कहा कि मुझे पूजो। किसी भी सच्चे गुरू ने कभी नहीं कहा कि भगवान को छोडक़र मेरी माला जपो। 'सहज संन्यास मिशन' में भी हम यही कहते हैं कि कोई गुरू आपको अध्यात्म की सीढियां चढऩा तो सिखा सकता है, पर वह आपका कोच है, आपका ट्रेनर है, आपका मैंटॉर है, और हम सब भगवान का प्रतिरूप हैं, इस रूप में गुरू भी भगवान है, पर भगवान का विकल्प नहीं है, परमात्मा का सब्स्टीट्यूट नहीं है। हम फिर सिर्फ गुरू को ही भगवान मानकर नहीं पूजते, बल्कि इस ब्रह्मांड की हर जड़-चेतन वस्तु में भगवान के दर्शन करते हैं। हर धर्म की तरह 'सहज संन्यास मिशन' की भी यही मान्यता है कि परमात्मा को हम किसी भी नाम से पुकारें, या किसी भी रूप में पहचानें, परमात्मा एक ही है और इसी एक कारण से घट-घट में है।

देश दुनीया से

संस्कृतिविहीन और पथभ्रष्ट होता हिमाचली युवा

आज हमारे हजारों युवक युवतियां जहां शिक्षा से प्राप्त ताकत के बलबूते भारत और विदेशों में अपनी प्रतिभा का डंका बजवा रहे हैं, तो वहीं कुछ युवाओं का रुझान शिक्षा में कम और आवारागर्दी में ज्यादा व्यतीत हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों से हिमाचलियों की जीवनशैली और मानसिकता में काफी बदलाव आ चुके हैं। अब हिमाचली पहले वाले शांत, धीर गंभीर और धैर्यवान नहीं रहे हैं। भौतिकतावाद, अमीरी-गरीबी की बढ़ती खाई, नशे के बढ़ते प्रचलन और दिखावटी संस्कृति का प्रभाव हमारी युवा पीढ़ी पर भी पड़ा है। कई बिगड़ैल युवा अच्छी तरह से पढ़-लिखकर कुछ बनने की बजाय गलत संगत के चलते पहले पढ़ाई लिखाई से विमुख होकर फिर नशे के आदी बनकर और आवारागर्दी करते हुए अपनी युवावस्था के चुनिंदा बेहतरीन वर्षों को बर्बाद कर मानसिक अवसादग्रस्त होकर परिवारों और समाज के लिए एक नासूर बन चुके हैं।

हिमाचल प्रदेश ने विकास पथ पर 1948 से लेकर आज तक एक लंबा सफर तय किया है और उसका लाभ अनेकों क्षेत्रों के साथ-साथ शिक्षा साक्षरता के क्षेत्र में भी दर्ज हुआ है। आज हमारे हजारों युवक युवतियां जहां शिक्षा से प्राप्त ताकत के बलबूते भारत और विदेशों में अपनी प्रतिभा का डंका बजवा रहे हैं, तो वहीं कुछ युवाओं का रुझान शिक्षा में कम और आवारागर्दी में ज्यादा व्यतीत हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों से हिमाचलियों की जीवनशैली और मानसिकता में काफी बदलाव आ चुके हैं। अब हिमाचली पहले वाले शांत, धीर गंभीर और धैर्यवान नहीं रहे हैं। भौतिकतावाद, अमीरी-गरीबी की बढ़ती खाई, नशे के बढ़ते प्रचलन और दिखावटी संस्कृति का प्रभाव हमारी युवा पीढ़ी पर भी पड़ा है। कई बिगड़ैल युवा अच्छी तरह से पढ़-लिखकर कुछ बनने की बजाय गलत संगत के चलते पहले पढ़ाई लिखाई से विमुख होकर फिर नशे के आदी बनकर और आवारागर्दी करते हुए अपनी युवावस्था के चुनिंदा बेहतरीन वर्षों को बर्बाद कर मानसिक अवसादग्रस्त होकर परिवारों और समाज के लिए एक नासूर बन चुके हैं। हिमाचल में अब

रोजाना नशीले पदार्थों और मार-काट की खबरें आम हो गई हैं। ताजा घटनाक्रम में एक सिरफिरे युवक द्वारा पालमपुर के स्थानीय कन्या महाविद्यालय की छात्रा पर दराट से किया गया जानलेवा हमला सुर्खियों में है। घटना इतनी वीभत्स थी कि लडक़ा सीसीटीवी फुटेज में युवती पर लगभग एक दर्जन वार करता दिख रहा है। शुक्र है कि युवती की जान बच गई। इससे पहले शिमला के माल रोड इलाके में एक युवक की तेज धारदार हथियार से हत्या किए जाने का मामला सामने आया था। मृतक के परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। वहीं पालमपुर बस अड्डे के पास घटी घटना से लोगों में पुलिस के प्रति भारी रोष है। एक नागरिक सोशल मीडिया में लताड़ लगाते हुए लिखते हैं कि थोड़ी सी शर्म कर लो, पालमपुर पुलिस चालान काटने को हर मोड़ पर तैनात रहते है, लेकिन आम पब्लिक को सुरक्षा कौन मुहैया करवाएगा? घटना को लेकर अब युवतियों के अभिभावक भी चिंता में हैं। यह नितांत सत्य है कि आप हिमाचल के किसी भी महत्वपूर्ण स्थल या शहर में चले जाईये आपको पुलिस नाम की कोई व्यवस्था देखने को नहीं मिलेगी। सिर्फ बाजारों में ट्रैफिक व्यवस्था के लिए चंद कर्मी दिख जाएंगे, लेकिन हथियारबंद पुलिस सुरक्षाकर्मी कहीं नहीं दिखेंगे जिससे आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा जगे। थानों में पुलिस कर्मचारियों का नितांत अभाव है और अफसरशाही की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है कि वह क्या देख रही है? कार्रवाई करने और तफ्तीश करने वाले पुलिस कर्मियों पर काम का दबाव बढ़ गया है और पुलिस गश्त न के बराबर ही है। यह चिंता का विषय है कि कहीं कहीं लडक़ों के साथ लड़कियां भी नशे में धुत देखने को मिल रही हैं। कई लड़कियां घरों से निकलकर लडक़ों से दोस्ती के नाम पर सुनसान इलाकों में विचरण करती दिख जाएंगी। लड़कियों से भी मर्यादित आचरण की अपेक्षा है। आज छोटी मोटी बात पर आपा खोकर लोगों द्वारा अपराध की घटनाओं को अंजाम देने के मामलों में दोषपूर्ण परवरिश, सामाजिक माहौल को दोषी करार दें या गलत संगत को, यह समस्या मनोवैज्ञानिकों के विवेचन व विश्लेषण का विषय है। पुलिस के लिए भी इस प्रकार के मसले और अपराधियों की विकृत मानसिकता चिंता का कारण बनी हुई है। बच्चों और युवा मन तथा दिमाग पर अपराध से जुड़ी फिल्मों, वेब सीरीज और फेसबुक में परोसी जा रही गंदी रील्स का बुरा असर पड़ रहा है जो उन्हें आपराधिक कार्यों के लिए प्रेरित करती हैं। यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों में आईटी क्रांति के चलते लोगों के सामाजिक संपर्कों और मेलमिलाप में कमी आई है और रिश्तों में दूरियां बढ़ी हैं और स्नेह, अपनत्व और आपसी सद्भाव घट गया है। वर्तमान समय में युवा अपने दिन का अधिकांश समय इंटरनेट, सोशल नेटवर्किंग प्लेटफार्मों पर बिताता है और साइबर अपराध, साइबर बुलिंग और हिंसक वीडियो गेम सहित गंदी वीडियो देखने के लिए अभिशप्त है। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि बच्चे देश के भावी नागरिक होते हैं। लिहाजा उनके पालन पोषण, शिक्षा और विकास के मद्देनजर घर परिवार, स्कूल एवं समाज में बेहतरीन शैक्षिक और सुसंस्कृत वातावरण तैयार करना माता-पिता तथा समाज का दायित्व बनता है। यदि हम बच्चों को नैतिकता से परिपूर्ण आदर्श नागरिक बनाने में चूक गए तो समझो वे आगे चलकर उद्दंड एवं आपराधिक गतिविधियों के सरगना ही बनेंगे।

आप का नजरीया

ढर्रे में मशगूल कब तक

हिमाचली नजरिए के सूत्रधार हर चुनाव को पुकारते हैं, लेकिन बहुत कम ऐसे चेहरे हैं जिन्हें मुकम्मल जहां मिलता है। विधायक प्राथमिकताओं के अक्स में हमारे प्रतिनिधि उन्हीं घिसे-पिटे मंतव्यों के पीछे भागते हुए नजर आते हैं। वर्षों बाद भी हम पर्यटन की वकालत में सिर ढूंढते हैं, लेकिन यह नहीं सोच पाए कि इस क्षेत्र में अति अव्वल होने की प्राथमिकता क्या है। इसी तरह उद्योगों की धूल में बीबीएन को ढांप दिया, लेकिन हिमाचली युवा की क्षमता में धंधे शुरू नहीं कर पाए। स्वरोजगार या उद्यमशीलता के न पाठ्यक्रम और न ही प्रतिस्पर्धा पैदा हुई। नवाचार की काबिलीयत में हमारी उच्च शिक्षा या तकनीकी ज्ञान पहुंचा ही नहीं। ताज्जुब यह कि हमारे उच्च शिक्षित बच्चे चंडीगढ़, गुडग़ांव, मोहाली, नोएडा, दिल्ली, पुणे, हैदराबाद, मुंबई व बेंगलूर जैसे शहरों के आईटी क्षेत्र में सम्मानित स्थान और पगार पा रहे हैं, लेकिन हिमाचल की सियासत ने आज तक कोई आईटी पार्क स्थापित नहीं होने दिया। वैसे वर्तमान सरकार में कैबिनेट रैंक प्राप्त आईटी सलाहकार हैं, लेकिन उनके ही जिला का चैतड़ू आईटी पार्क उपेक्षा की सूलियों पर टंगा है। हमारे भीतर राजनीतिक इच्छा शक्ति होती तो प्रदेश में कम से कम आधा दर्जन आईटी पार्क अब तक सॉफ्टवेयर ज्ञान को आसरा दे चुके होते। हमारे नेता कब से पारंपरिक मेलों को सियासी मेलों में परिवर्तित कर चुके हैं, लेकिन लोक कलाकार बेरोजगार बनकर खड़ा है। अगर कायदे से मेलों, सांस्कृतिक समारोहों, पारंपरिक व धार्मिक त्योहारों का सही प्रबंधन करें, तो इससे पैदा होती आर्थिकी से लोक कलाओं और लोक कलाकार को प्रश्रय मिलता। हमारे विकास का राज्य स्तरीय नक्शा नहीं और न ही युवा क्षमता को रास्ता मिलता है। ऐसे में जो सफल हुए, उन्होंने देश-विदेश के ज्ञान से ही बहुत कुछ पाया, लेकिन सियासत निजी क्षेत्र को अपनाने से कतराती है। यह दीगर है कि बीबीएन के आसरे भी एक सियासत पनपती है और खड्डों की रेत को छानकर राजनीति की आलंबरदारी परवान चढ़ती है। काश! मतदाता नेताओं को उनके नजरिए पर तौलते। नजरिया किसी विधानसभा क्षेत्र में खुलने वाला बस डिपो, कालेज और कोई कार्यालय नहीं, बल्कि रोजगार की अधोसंरचना में किया गया प्रयास है। कभी हिमाचल का सेब आधारित उद्योग पूरे देश को जूस पिलाने लगा था, लेकिन अब सब उजड़ गया। ब्रांड हिमाचल के नाम पर आज भी भुट्टिको के मार्फत हमें एक हिमाचली टोपी, शाल व स्कार्फ मिल रहा है या स्वयं सहायता समूहों ने सिड्डू की खुशबू विदेशों तक फैला दी, वरना राजनीतिक लफ्फाजी ने हर संभावना को ताक पर रख दिया। ऐसे में सिने टूरिज्म को अगर राज्य अपना लेता तो प्रदेश की ब्रांडिंग में आर्थिक तरक्की के साथ लोक कलाकारों का भी प्रोफेशन आगे बढ़ जाता। पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने फिल्म सिटी की वकालत करते हुए जो संभावनाएं देखी हैं, उनको वर्षों से महसूस करके भी यह राज्य अपने ढर्रे में मशगूल है। ऐसा नहीं कि नीति नियंता फिल्म पॉलिसी तक नहीं पहुंचे, लेकिन इसकी फर्ज अदायगी खेल नीति की तरह हो गई।

दरभंगा में आग से एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

पटना (हिंस)। बिहार में आग का तांडव जारी है। शुक्रवार देर रात दरभंगा जिले के बहेड़ा थाना क्षेत्र अन्तर्गत अंटोर गांव में एक शादी समारोह में सिलेंडर व डीजल के स्टॉक में हुए विस्फोट की वजह से एक ही परिवार के 06 लोगो की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक दरभंगा जिले के अंटोर गांव में गुरुवार मध्य रात्रि में रामचंद्र पासवान के घर में रखे डीजल स्टॉक में सिलेंडर विस्फोट के बाद लगी आग में उनके परिवार के 06 लोगों की मौत हो गई। साथ ही तीन मवेशियों की भी जान चली गई। शादी समारोह के लिए बनाए शामियाने में आग लग गई और उसकी चपेट में आधा दर्जन से अधिक लोग आ गए। घटना अलीनगर प्रखंड के बहेड़ा थाना अंतर्गत अंटोर गांव की है। दरभंगा के जिलाधिकारी राजीव रौशन ने शुक्रवार को बताया कि सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और सरकारी स्तर पर पीड़ित परिवार को सभी प्रकार की मदद की जा रही है।

कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी : नरेंद्र मोदी

फारबिसगंज/अररिया (बिहार) (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को फारबिसगंज में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस देश के संसाधनों पर यदि पहला हक किसी का है तो वह देश के गरीबों, मजदूरों, किसानों और माताओं-बहनों का। चाहे वह किसी भी जाति-धर्म का हो। यदि वह गरीब है तो देश के संसाधनों पर पहला हक उसका है। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश के हिंदुओं के साथ भेदभाव किया। कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मुस्लिम लीग की छाप है। यह लोग संविधान बदलना चाहते हैं। राजद और कांग्रेस का कहना है कि देश के संसाधनों पर पहला हक

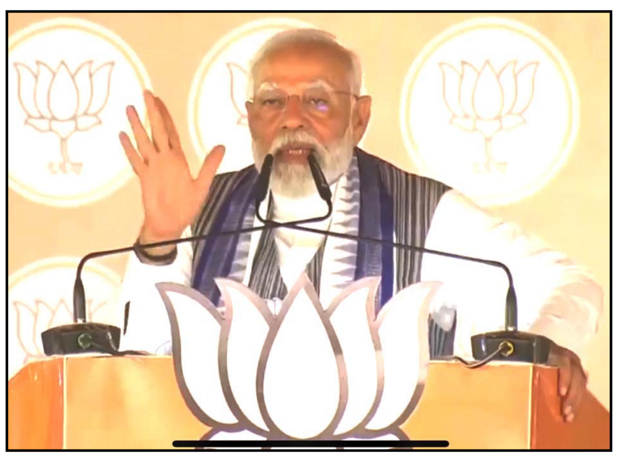

उनके वोट बैंक के खास लोगों का है। कांग्रेस आपके मंगलसूत्र का एक्स-रे और गहने का हिसाब-किताब करने की बात करती है। आपकी बची हुई संपत्ति को छीनकर अपने वोट बैंक को देने की कोशिश कर रही है। मोदी ने कहा कि आप चाहते हैं कि आपके जाने के बाद आपकी संपत्ति आपके बच्चों के काम आए लेकिन आईएनडीआई गठबंधन वाले कहते हैं कि आपके गुजर जाने के बाद आपकी संपत्ति पर 55 प्रतिशत टैक्स लगाएगी। इसलिए पूरा देश कह रहा है कि कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी। प्रधानमंत्री ने कहा कि साथियों, आप आईएनडीआई गठबंधन को रोक सकते हैं। इसलिए सात मई को कमल के फूल और तीर चुनाव चिन्ह पर भारी मतदान होना चाहिए। उन्होंने अररिया से भाजपा प्रत्याशी प्रदीप सिंह और सुपौल से जदयू के प्रत्याशी दिलेश्वर कामत के लिए वोट मांगे।

राजस्थान में बंपर वोटिंग, बाड़मेर में सबसे ज्यादा 69.79 फीसदी वोट पड़े

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में शुक्रवार को 13 सीटों पर वोटिंग हुई। शाम छह बजे मतदान खत्म हो गया और जो लोग कतार में थे, उन्हें वोट डालने का मौका दिया गया। निर्वाचन विभाग की ओर से आंकडों के अनुसार शाम पांच बजे तक इन सीटों पर 59.19 फीसदी मतदान हुआ। ये वोटिंग पहले चरण से ज्यादा हो गई है। बाड़मेर सीट पर अब तक सबसे ज्यादा 69.79 फीसदी वोट पड़े। बांसवाड़ा सीट पर 68.71 फीसदी मतदान हुआ। पहले चरण में पांच बजे तक 50.27 फीसदी वोटिंग हुई थी। इन तेरह सीटों पर 2014 में औसतन 64.36 प्रतिशत और 2019 में औसतन 67.75 प्रतिशत मतदान हुआ था। दूसरे चरण में जोधपुर, बाड़मेर, पाली, जालोर, राजसमंद, अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, बांसवाड़ा, टोंक-सवाई माधोपुर, कोटा, झालावाड़-बारां सीट पर वोटिंग हुई। बाड़मेर में निर्दलीय उम्मीदवार रविंद्र सिंह भाटी और कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल के समर्थक भिड़ गए। इस दौरान बायतु विधायक हरीश चौधरी और आईजी विकास कुमार के बीच नोक-झोंक हो गई। टोंक-सवाईमाधोपुर सीट से भाजपा प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनापुरिया ने फर्जी मतदान को लेकर हंगामा किया। वहीं जोधपुर के पीपाड़ में पोलिंग बूथ का वीडियो बना रहे कांस्टैबल को लोगों ने पीटा। पाली में दो घंटे तक ईवीएम बंद हो गई, जिससे मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, भीलवाड़ा के पुर कस्बे में वोट डालने पहुंचे एक बुजुर्ग की मौत हो गई। प्रतापगढ़ में नाव में बैठकर मतदाता वोट डालने पहुंचे। दूसरे चरण में गजेंद्र सिंह शेखावत, ओम बिरला, कैलाश चौधरी, सीपी जोशी सहित कई दिग्गजों की किस्मत का फैसला ईवीएम में कैद हो गया। बाड़मेर, बांसवाड़ा की सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला। उदयपुर में शाम छह बजते ही लोग दौड़कर मतदान केंद्र पर पहुंचे। इस दौरान कुछ मतदाताओं को एंट्री मिल गई, लेकिन छह बजे बाद आए वोटर्स को रोक दिया गया। टोंक-सवाईमाधोपुर सीट पर मालपुरा में तेज अंधड़ के कारण शाम को बूथ संख्या 128 पर लाइट चली गई। जिससे अंधेरा हो गया। कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने पर यहां टॉर्च की रोशनी में मतदान करवाया गया। टोंक-सवाई माधोपुर से भाजपा प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनापुरिया मतदान के दौरान दोपहर बाद मलारना डूंगर उपखंड के बहते? गांव के मतदान केंद्र पर पहुंचे। यहां उन्होंने फर्जी मतदान को लेकर हंगामा किया। इस दौरान आधा घंटे तक वोटिंग बंद रही।

नरेंद्र मोदी के रहते न तो संविधान पर खतरा और न आरक्षण पर : चिराग पासवान

अररिया (हिंस)। अररिया के फारबिसगंज हवाई अड्डा के मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने हुंकार भरी। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियों के द्वारा संविधान को खतरा और आरक्षण हटाने की भ्रम वाली बात जनता में फैला रही है। जो नामुमकिन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जब तक देश में प्रधानमंत्री हैं तब तक न तो संविधान को कोई खतरा है और न ही आरक्षण व्यवस्था पर। उन्होंने अपने पिता रामविलास पासवान के संघर्ष को याद करते हुए कहा कि चिराग पासवान के रहते संविधान और आरक्षण पर किसी तरह की आंच नहीं आयेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2047 तक विकसित भारत निर्माण को बात करते हैं और यह विकसित भारत देश के अभी राज्य, जिले, प्रखंड, पंचायत से लेकर हरेक गांव तक विकसित होने करने की बात कही। उन्होंने विपक्षी पार्टियों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि विपक्ष मुद्दाविहीन राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने जयप्रकाश नारायण के अनुयायियों के

कांग्रेस के गोद में जाने की बात करते हुए कहा कि यह कांग्रेस 1975 देश में आपातकाल लाई थी, जो संविधान और लोकतंत्र का हत्या था। उन्होंने कहा कि 1990 के राजद वाला काल याद रखना चाहिए। किस तरह बिहार में मां बहने सुरक्षित नहीं थी और आज भी राजद वाले मां बहन को गाली देने से गुरेज नहीं करते।

लखनऊ में मुस्लिम मतदाताओं को साधने में लगी सपा बसपा व भाजपा

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के पांचवें चरण की लोकसभा सीट लखनऊ में मुस्लिम मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए सपा, बसपा और भाजपा में त्रिकोणी मुकाबला चल रहा है। वैसे तो बसपा ने मुस्लिम चेहरे को ही प्रत्याशी बनाया है लेकिन लखनऊ के मुस्लिम मतदाता का झुकाव देश व प्रदेश में उनके हितैषी नेताओं की ओर ही ज्यादा है। समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार रविदास महरोत्रा के लिए महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दकी प्रचार कर रहे हैं। फाखिर सिद्दकी ने पार्टी उम्मीदवार रविदास को जीताने के लिए महानगर कार्यकारिणी के समस्त मुस्लिम चेहरों को उनके गली मोहल्ले में सक्रिय रहने के लिए कहा है। मोहल्लों में छोटी बैठकें करते हुए रविदास महरोत्रा को जिताने के लिए मुस्लिम मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाने की रणनीति बनायी गई है। सपा के महानगर अध्यक्ष फाखिर ने कहा कि लखनऊ का मुस्लिम वर्ग एक लंबे समय से मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव से जुड़ा हुआ है। हमारी पकड़ मुस्लिम मतदाताओं में कभी कम नहीं हुई है। लखनऊ की तीन विधानसभा सीटों उत्तर, मध्य और पश्चिम में समाजवादी पार्टी ही जीतती आयी है। जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक रहता है। इस बार उत्तर विधानसभा में हार हुई लेकिन मध्य और पश्चिम में सपा जीती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हर वर्ग के लिए काम करती है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को मुस्लिम के अलावा दूसरे वर्ग का भी मत मिलेगा। रविदास महरोत्रा को हर वर्ग के बीच महत्व मिल रहा है। मुस्लिम इलाकों में तो रविदास को हाथों हाथ ले रहे हैं। बसपा के महानगर महामंत्री दुर्गेश ने कहा कि बसपा ने मुस्लिम चेहरे को उतारा है तो उसका मुस्लिम मतदाताओं पर पूरा प्रभाव भी दिख रहा है। मुस्लिम मतदाता हर तरफ से फोन करता है। सिर्फ मुस्लिम ही नहीं, सर्वसमाज का समर्थन में फोन आता है। फिर भी मुस्लिम उम्मीदवार सरवर मलिक को मुस्लिम आबादी वाले मोहल्लों में बेहद बढ़त मिल रही है। उन्होंने हिंदुस्थान समाचार से कहा कि लखनऊ में अमीनाबाद, नक्खास, खदरा, हुसैनाबाद में बड़ी बैठकें हुई है। इसमें मुस्लिम व्यापारी, अधिवक्ता, शिक्षक, कामगारों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया है। पुराने लखनऊ के मोहल्लों में भी जहां मुस्लिम मतदाताओं की बहुतायत है, वहां बसपा के कार्यकर्ताओं ने पैठ बना ली है। मेरा दावा है कि कुल मतदान का 40 प्रतिशत बसपा उम्मीदवार सरवर पाने जा रहे है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह इस बार भाजपा से लखनऊ लोकसभा सीट पर फिर एक बार चुनाव लड़ रहे है। राजनाथ सिंह के बीते पांच वर्ष के कार्यकाल में नजर डाले तो उनका जीतनी बार लखनऊ में आना हुआ, कोई न कोई मुस्लिम धर्मगुरु रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से मिलने पहुंचें। अपनी समस्याओं को लेकर राजनाथ सिंह से मिलने वाले मुस्लिम धर्मगुरुओं की समस्या का तत्काल निदान कराने का प्रयास हुआ। भारतीय जनता युवा मोर्चा के अवध क्षेत्र के मीडिया प्रभारी खुर्शीद ने कहा कि लखनऊ समेत पूरे देश में केन्द्र की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के सभी धर्म के लोगों को मिला है। उसमें मुस्लिम भी केन्द्र की योजनाओं का बराबर लाभ पाया है। लखनऊ में मुस्लिम वर्ग को मुफ्त राशन, उज्जवला गैस योजना, आयुष्मान कार्ड का लाभ मिला है। आयुष्मान कार्ड से मुस्लिम वर्ग के लोग आज भी सरकारी अस्पतालों में अपना उपचार करा रहे है। उन्होंने कहा कि तीन तलाक का जो फैसला आया था, वह तो एतिहासिक है। अब जहां बात लखनऊ के मुस्लिम मतदाताओं की है तो अटल जी के समय से ही भाजपा के लिए दिलखोल कर उन्होंने मतदान किया है। जिसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के चुनाव मैदान में आने के बाद कोई कमी नहीं हुई, और न आगे होगी।

समुदाय विशेष के 93 बच्चों को लेकर जा रही संदिग्ध बस को पुलिस ने अयोध्या में पकड़ा

अयोध्या (हिंस)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में गोरखपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर देवकाली के पास पुलिस ने समुदाय विशेष के 93 बच्चों और मौलवी को लेकर जा रही संदिग्ध बस को पकड़ लिया है। अयोध्या थाने की पुलिस के मुताबिक इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। यह बस बच्चों को लेकर बिहार के अररिया से सहारनपुर के देवबंद स्थित किसी मदरसे में जा रही थी। फिलहाल इंटेलिजेंस और पुलिस की टीम बस के चालक-परिचालक और मौलवी से पूछताछ कर रहे हैं। सभी बच्चों को पुलिस लाइन ले जाया गया है।

किशनगंज लोस सीट पर मुस्लिम वोटर ही तय करते है किसी प्रत्याशी की हार और जीत

किशनगंज (हिंस)। किशनगंज लोकसभा सीट पर सबकी नजरें टिकी है। मुस्लिम बाहुल्य इस सीट पर मुस्लिम वोटर ही किसी प्रत्याशी की हार और जीत तय करते हैं। लोकतंत्र के महापर्व को लेकर जिले की मुस्लिम महिलाओं में उत्साह का माहौल है। सुबह से ही मुस्लिम महिलाएं घर से निकलकर मतदान केंद्र पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर रही हैं। मताधिकार का इस्तेमाल करने के बाद मुस्लिम महिलाओं ने कहा कि उन्होंने विकास के मुद्दों पर अपना मतदान किया है। जिले में 67 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता है और ऐसे में मतदान की सुबह से ही पोलिंग बूथ पर मुस्लिम मतदाताओं की कतार देखने को मिल रही है। वहीं यहां 33 प्रतिशत हिंदू वोटर हैं। किशनगंज लोकसभा सीट पर 18 लाख 21 हजार 960 मतदाता 12 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। लोकसभा क्षेत्र में कुल 1781 मतदान केंद्र बनाए गए है, जिसमें 258 संवेदन शील बूथ घोषित किया गया है। मुस्लिम महिला मतदाता ने कहा कि हम लोगों ने काम करने वाले और क्षेत्र का विकास करने वाले जनप्रतिनिधि को अपना वोट दिया है। किशनगंज गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल है और इस मिसाल को बरकरार रखना हम लोगों का दायित्व है। मजहब और जाति से ऊपर उठकर हम लोगों ने अपना मतदान किया है, सभी पहले मतदान करें फिर जलपान। गौर करे कि किशनगंज लोकसभा

क्षेत्र के अंतर्गत 6 विधानसभा क्षेत्र हैं, जिसमें अमौर व बायसी विधानसभा पूर्णिया जिला में आता है। वहीं मतदान केंद्र पर सुरक्षा को लेकर केंद्रीय बल के 30 कंपनी बीएसेफ, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ व एसेसबी पहुंचे हैं। वहीं हजारों की तादाद में दूसरे जिलों से बिहार पुलिस के जवान भी आए हैं। वहीं केंद्रीय सुरक्षा बल और जिला पुलिस बल को मतदान केंद्रों में तैनात किया गया है ताकि किसी तरह की कोई गड़बड़ी नहीं हो। लोकतंत्र का महापर्व के मतदान को लेकर जिले में जबरदस्त उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। इस लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला होने के कारण पूरे देश की नजर किशनगंज संसदीय सीट पर टिकी हुई है। जदयू प्रत्याशी मुजाहिद आलम, कांग्रेस प्रत्याशी जावेद आजाद और एआईएमआईएम प्रत्याशी अख्तरुल इमाम के बीच काटे की टक्कर है और तीनों प्रत्याशियों के सूरजपुर मुस्लिम होने के कारण इनकी निगाह हिंदू वोटरों पर है।

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव सहित 25 आरोपी साक्ष्य के अभाव में बरी

रांची (हिंस)। चतरा के टंडवा में भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन करने के मामले में पूर्व मंत्री योगेंद्र साव सहित 25 आरोपी को अपर न्यायायुक्त विशाल श्रीवास्तव की कोर्ट ने शुक्रवार को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। मामले में सीसीएल के आम्रपाली कोल परियोजना के विस्थापितों ने आंदोलन किया था। आंदोलन के नेतृत्व पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने किया था। आंदोलन के दौरान पुलिस और आंदोलनकारियों के बीच कई बार टकराव और झड़प हुई थी। मामले को लेकर सरकारी काम में बाधा डालने, रंगदारी मांगने, सरकारी संपत्ति का नुकसान पहुंचाने सहित अन्य आरोप लगाकर दो प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। कांड संख्या 90/2015 और 91/2015 के तहत टंडवा थाना में यह प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने एक भी गवाह पेश नहीं हुआ था। आरोपियों ने तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर सरकार पर दुर्भावना से ग्रसित होकर प्राथमिकी दर्ज करने का आरोप लगाया था। मामले के अनुसंधानकर्ता दो दरोगा गौरी शंकर तिवारी और सत्येन्द्र कुमार सिंह पर भी साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसकी जांच के आदेश सीआईडी के तत्कालीन एडीजी अनिल पालटा ने दिया था।

मथुरा में ग्रामीणों ने किया मतदान का बहिष्कार *रोड नहीं तो वोट नहीं*

मथुरा (हिंस)। गोवर्धन तहसील के मुखराई गांव के लोगों ने मतदान का बहिष्कार किया है। अभी तक पोलिंग बूथ खाली पड़ा है। गांव का कोई भी व्यक्ति पोलिंग बूथ पर नहीं पहुंचा बल्कि पास ही बैठकर अपना विरोध जता रहे हैं। सुबह सात बजे से मतदान शुरू है और गोवर्धन तहसील के मुखराई गांव के लोगों ने अभी तक कोई वोट नहीं डाला है। गांव के पूर्व प्रधान मानपाल सिंह ने बताया कि यहां से सांसद हेमा मालिनी पिछले 10 साल में एक बार भी गांव नहीं आई हैं। यहां तक कि वे कभी चुनाव प्रचार तक के लिए भी यहां नहीं आई है। गांव में ऐसी कई समस्याएं हैं, जिनकी मांग पिछले दो दशकों से की जा रही हैं, लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं हुआ है। मानपाल सिंह ने बताया कि मुखराई की सीमा में ही तहसील बनी हुई है, लेकिन मुखराई गांव 25 किमी. दूर मथुरा तहसील से

जुड़ा हुआ है। तीन किमी. दूर गोवर्धन ब्लॉक होने के बाद भी मुखराई का ब्लॉक मथुरा है। गांववालों को किसी भी काम के लिए 25 से 30 किमी दूर जाना होता है जबकि उनका समाधान गांव में भी हो सकता है। इनके अलावा गांव को जोड़ने वाली गोवर्धन और अडींग रोड को बनाने की मांग भी लंबे समय से की जा रही है।

सरकारी स्कूल के छात्र ने जेईई मे हासिल की 99.36 प्रतिशत परसेंटाइल

कोटा (हिंस)। स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल विद्यालय कठूमर अलवर के 12वीं कक्षा के छात्र आशीष कुमार ने जेईई मैन्स परीक्षा में 99.36 परसेंटाइल प्राप्त किया। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने छात्र आशीष कुमार की इस उपलब्धि पर उसे बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राजकीय मॉडल विद्यालय का ये होनहार छात्र अपनी प्रतिभा और मेहनत से अपने विद्यालय और अपने अभिभावकों का नाम रोशन करेगा। शिक्षा मंत्री दिलावर ने फोन कर छात्र को बधाई भी दी।

कार ने सड़क किनारे सो रहे परिवार के 11 लोगों को कुचला, तीन की मौत, 8 घायल

दौसा (हिंस)। महवा कस्बे में गुरुवार देर रात बेकाबू कार ने सड़क किनारे सो रहे 11 लोगों को कुचल दिया। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दो घायलों का महवा के सरकारी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है, जबकि गंभीर रूप से जख्मी छह लोगों को जयपुर रेफर किया गया है। सभी मृतक व घायल खानाबदोश परिवार के लोग थे, जो टीकाराम पालीवाल गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पास सड़क किनारे झुग्गी में रहते थे। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। हेड कांस्टेबल बृजकिशोर ने बताया कि रात करीब 11.20 बजे घटना की सूचना पुलिस को मिली थी। जांच में सामने आया कि तेज रफ्तार हुंडई औरा कार के ड्राइवर ने तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए सड़क किनारे सो रहे लोगों को कुचल दिया है। हादसे में घायलों को राजकीय जिला चिकित्सालय महवा ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने राजू (50) पुत्र पपैया, परी (6) पुत्री दिलीप और अठौड़ी (60) पत्नी पपैया निवासी महवा (दौसा) को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल जग्गा (40) पुत्र पपैया, शनि (13) पुत्र दीपक, शेरू उर्फ मोनू (11) पुत्र प्रहलाद, काजल (30) पत्नी दीपक निवासी महवा (दौसा), दिलीप (26) पुत्र डब्बा, सीमा (25) पत्नी दिलीप निवासी लक्ष्मणगढ़ (अलवर) को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर किया गया है। उगन्ता देवी (40) पत्नी पन्ना और प्रिया (7) पुत्री सतीश निवासी महवा (दौसा) का महवा के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे के बाद ड्राइवर कार को मौके पर छोड़ कर फरार हो गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में ले लिया है। पुलिस आरोपी ड्राइवर की तलाश कर रही है। घटना की सूचना पर गुरुवार की देर रात महवा विधायक राजेंद्र मीणा हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने डॉक्टरों से घायलों का हालचाल जाना। थाना इंचार्ज जितेंद्र सोलंकी को कार ड्राइवर के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए कहा। जयपुर स्थित एसएमएस हॉस्पिटल में ट्रॉमा सेंटर के इंचार्ज डॉ. अनुराग धाकड़ ने बताया कि दौसा के महवा से रेफर होकर छह घायलों को यहां भर्ती किया गया था। इसमें से एक दिलीप (26) को छुट्टी दे दी गई है। पांच अन्य को सर्जरी यूनिट में भर्ती रखा गया है। इसमें एक मरीज के सिर में थोड़ी ज्यादा चोट है, बाकी चार की स्थिति सामान्य है। इनका इलाज चल रहा है।

मां कामाख्या धाम में मस्जिद के निर्माण से हिंदुओं में आक्रोश

अयोध्या (हिंस)। नगर पंचायत कामाख्या धाम में एक समुदाय विशेष के लोग मस्जिद का निर्माण करा रहे हैं। इससे हिंदुओं में आक्रोश व्याप्त है। इस संबंध में नगर पंचायत अध्यक्ष शीतला प्रसाद शुक्ल ने नगर विकास मंत्री एके शर्मा को पत्र लिखकर निर्माण कार्य रुकवाकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शीतला प्रसाद शुक्ल ने अपने पत्र में कहा है कि नवगठित नगर पंचायत मां कामाख्या पौराणिक एवं प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हैं। वहीं, पर वार्ड संख्या-चार कामाख्या धाम में ओबी बाबा पौराणिक स्थल है जहां पर अब यहां पर दूसरे समुदाय के लोग मस्जिद बनवा रहे हैं। इसका विरोध करने पर यह लोग मारपीट पर अमादा हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष ने हिंदू धार्मिक स्थल को मुस्लिमों के हस्ताक्षेप से मुक्त कराकर हिंदू धार्मिक स्थल घोषित करने की मांग की है। भाजपा कार्यकर्ता अभिषेक यादव ने बताया कि मां कामाख्या धाम पौराणिक स्थल है। यहां पर मेधा ऋषि मुनि आरम, बुढ़िया माई मंदिर, बाबा तुलागिरि मंदिर, कनपटा वीर बाबा, लोहार वीर बाबा जैसे कई स्थल हैं। ओबी बाबा जहां पर पूरे क्षेत्र के हिंदू वहां पूजा के लिए जाते हैं उस स्थल पर अवैध तरीके से मस्जिद का निर्माण हो रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने परिवार संग डाला वोट, *मंगलसूत्र* वाले बयान पर किया पलटवार

जोधपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को अपने परिजनों के साथ महामंदिर स्थित वर्धमान जैन उच्च प्राथमिक विद्यालय में बने पोलिंग बूथ पर वोट डाला। इस दौरान उनके पुत्र और जालौर-सिरोही लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत, पत्नी सुनीता गहलोत, पुत्रवधू हिमांशी गहलोत भी मौजूद रहीं। जोधपुर में वोट डालने के लिए जाने से पहले अशोक गहलोत और जालौर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत ने अपने पूर्वजों का आशीर्वाद लिया। वोट डालने के बाद अशोक गहलोत ने *मंगलसूत्र* वाले बयान पर पीएम मोदी को खूब सुनाया। साथ ही गहलोत ने दावा किया कि भाजपा की स्थिति बेहद खराब है और उनकी ओर से केवल झूठ फैलाया जा रहा है। अब ये लोग कभी भी 400 पार का नारा नहीं देंगे।

गहलोत ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर पीएम मोदी की ओर से बार-बार टिप्पणी की जा रही है। उनकी ऐसी व्याख्या की उनका मजाक बन गया है। हमें मंगलसूत्र पर नहीं देश के विकास पर चुनाव लडना है। मोदी जान बूझकर मंगलसूत्र खींच कर ले जा रहे हैं। पीएम मोदी इस तरह से बात करेंगे किसी को यकीन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अब तक लोग मोदी पर विश्वास कर रहे थे लेकिन पहली बार ऐसा हुआ है कि वो इस प्रकार की भाषा बोलने लगे है। मोदी कहते है कि संपत्ति इकट्ठी करेंगे और मंगलसूत्र बांट देंगे। इसके मोदी को ही नुकसान हुआ है। लोग अब ये समझ गए है कि ये जो कहते हैं, वो सच नहीं है। पीएम ने पहली बार बांसवाड़ा और टोंक में मंगलसूत्र बांटने की बात कही थी। गहलोत ने कहा कि बीजेपी की हालत खराब है और प्रदेश में चुनाव हमारे हित में होगा। देश में ऐसे माहौल में चुनाव हो रहे है, जब दो-दो मुख्यमंत्री जेल में बैठे है। अब बीजेपी वाले अबकी बार 400 पार का नारा भूल गए है। अब पीएम मोदी और अमित शाह कभी नारा नहीं लगाएंगे कि अगली बार 400 पार। पहले चरण के चुनाव के बाद ये नारा बंद हो चुका है। अब उनकी हवाईंया उड़ रही है।

जम्मू निर्वाचन क्षेत्र में शाम 5 बजे तक 67 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ

जम्मू (हिंस)। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान में जम्मू निर्वाचन क्षेत्र में शाम 5 बजे तक 67 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि शाम 5 बजे तक जम्मू में 67.22 प्रतिशत मतदान हुआ और मतदाता अभी भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए कतार में लगे हुए हैं। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच इस महत्वपूर्ण सीट के लिए मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ। देशभर में 2024 लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर मतदान हो रहा है। मुख्य चुनाव अधिकारी जम्मू.कश्मीर के कार्यालय के अनुसार गुलाबगढ़ में 71.47 प्रतिशत, रियासी में 71.65 प्रतिशत, श्री माता वैष्णो देवी में 74.65 प्रतिशत, रामगृह में 69.76 प्रतिशत, सांबा में 69.23 प्रतिशत, विजयपुर में 66.71 प्रतिशत, बिश्नाह में 66.71 प्रतिशत मतदान हुआ। आरएस पोरा-जम्मू दक्षिण में 62.31 प्रतिशत, बाहु 58.82 प्रतिशत, जम्मू पूर्व 62.78 प्रतिशत, नगरोटा 71.39 प्रतिशत, जम्मू पश्चिम 58.7 प्रतिशत, जम्मू उत्तर 62.4 प्रतिशत, मढ़ में 73 प्रतिशत, अखनूर शाम पांच बजे तक 74.03 प्रतिशत, छंब में 71.06 प्रतिशत और कालाकोट-सुंदरबनी में 66.4 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है।

विरासत टैक्स सीधे मध्यम वर्ग पर प्रतिकूल असर डालेगा, मतदान के बाद बोलीं वित्त मंत्री

नई दिल्ली ।
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बंगलूरू में मतदान करने के बाद विरासत टैक्स पर बात की। उन्होंने कहा कि यह मध्यम वर्ग पर प्रतिकूल असर डालता है, जिससे उनकी गाढ़ी कमाई प्रभावित होती है। उन्होंने कहा, यह (विरासत टैक्स) सीधे मध्यम वर्ग पर प्रहार करता है। वे कड़ी मेहनत करते हैं, उनका पसीना और मेहनत इधर-उधर की छोटी-छोटी बचतों के रूप में बचती है, या तो वे सपनों का घर खरीद लेते हैं या कुछ फिक्स्ड डिपॉजिट रख लेते हैं। अगर विरासत टैक्स लगाई जाती है तो ये सभी प्रभावित होंगे। वित्त मंत्री सीतारमण ने ये बातें बेंगलुरु में लोकसभा चुनाव के लिए अपना वोट डालने के बाद कही।

मेहनत की कमाई से पैसे बचाने के लिए किसी को दंडित नहीं किया जाना चाहिए - बंगलूरू के जयनगर में मतदान के बाद वित्त मंत्री सीतारमण ने विरासत टैक्स पर बात की। इस दौरान उन्होंने कड़ी मेहनत करने वाले मध्यम वर्गीय परिवारों पर विरासत टैक्स लगाने से पड़ने वाले प्रभावों पर चिंता व्यक्त की। वित्त मंत्री की ओर से यह प्रतिक्रिया सैम पित्रोदा की ओर से विरासत टैक्स पर चर्चा शुरू करने के बाद आई। उन्होंने कहा कि केवल अपना बचत बनाए रखने के लिए पैसे जोड़ने वालों को दंडित करने से पिछले कई दशकों में हासिल आर्थिक लाभ समाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि 1968 में एक अनिवार्य जमा योजना थी जहां लोगों की जमा राशि 18 प्रतिशत 20 प्रतिशत थी। इसमें से कुछ छीन लिया गया। उस समय उसका कोई कारण नहीं बताया गया। वित्त मंत्री ने कहा कि अगर धन सर्जकों को सिर्फ इसलिए दंडित किया जाएगा कि उनके पास कुछ पैसा बचा हुआ है, तो पिछले दस वर्षों में हुई भारत की प्रगति शून्य हो जाएगी।

कांग्रेस के राज में एक समय ऐसा था जब लोगों को 90 प्रतिशत कर देना पड़ता था - सीतारमण ने कांग्रेस के समय की उस स्थिति को भी याद किया जब 90 प्रतिशत कर की दर लागू की गई थी वित्त मंत्री ने इसके साथ ही समाजवादी मॉडल और वर्तमान सरकार के दृष्टिकोण के बीच विरोधाभास का भी उल्लेख किया। वित्त मंत्री ने कहा, कांग्रेस ने 90 प्रतिशत कर लगाया था। आप शायद विश्वास नहीं करेंगे कि वर्तमान पीढ़ी को इसके बारे में कुछ भी याद नहीं होगा या पता भी नहीं होगा। एक ऐसा भारत था जहां कांग्रेस के शासन में हम अपने द्वारा अर्जित सभी आय का 90 प्रतिशत कर के रूप में भुगतान करते थे। क्या यह वह समाजवादी मॉडल है जिसके साथ कांग्रेस पार्टी सहज है।

न्यूज ब्रीफ

साइबर ठगी पर नकेल, संदिग्ध खाते होंगे फ्रीज; आरबीआई निर्देशों में जल्द करेगा बदलाव

नई दिल्ली । सरकार साइबर अपराधों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले संदिग्ध बैंक खातों को अस्थायी रूप से फ्रीज करने की योजना बना रही है। तीन सूत्रों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इसके लिए जल्द ही अपने दिशानिर्देशों में बदलाव कर सकता है। नए निर्देशों के तहत, बैंकों को यह अधिकार मिल जाएगा कि वे ऐसे संदिग्ध खाते अस्थायी रूप से बंद कर सकेंगे। यह योजना तब सामने आई है, तब आंतरिक सरकारी आंकड़ों से पता चला कि साइबर धोखाधड़ी के कारण 2021 से वित्तीय संस्थानों में करीब 1.26 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। अनुमान के मुताबिक, हर दिन धोखाधड़ी वाले करीब 4,000 खाते खोले जाते हैं। प्रतिदिन हजारों भारतीयों के बैंक खातों में फोन कॉल के जरिये सेंध लगाने की कोशिश की जाती है। पीड़ितों को पुलिस में शिकायत दर्ज कराने से मिल सकेगी मुक्ति सूत्रों ने कहा, ऐसी घटनाओं पर नकेल कसने के लिए आरबीआई बैंकों को संदिग्ध खातों के फ्रीज करने का अधिकार दे सकता है। इससे पीड़ितों को पहले पुलिस में शिकायत दर्ज कराने से मुक्ति मिलेगी। अभी बैंक ऐसे खातों को तब फ्रीज करते हैं, जब पुलिस रिपोर्ट दर्ज करती है। इस प्रक्रिया में लंबा समय लग जाता है। बदमाशों के अन्य खाते भी किएजाएंगे निलंबित सूत्रों में एक ने कहा, बैंकिंग नियामक गृह मंत्रालय की साइबर धोखाधड़ी से लड़ने वाली एजेंसी भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र से मिली जानकारी के आधार पर बैंकों के लिए अपने दिशानिर्देश में संशोधन करेगा। इसके तहत, बदमाश खाताधारकों के नाम और विवरण का उपयोग अन्य बैंकों में खोले गए अधिक खातों को उजागर कर उन्हें भी निलंबित करने के लिए किया जाएगा। सरकार ने पिछले तीन महीनों में ऐसे 2.50 लाख संदिग्ध खातों को निलंबित किया है।

भारत का सेवा निर्यात 11 फीसदी बढ़कर 345 अरब डॉलर पहुंचा, चीन में 10 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली । दुनियाभर में आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत ने 2023 में 345 अरब डॉलर के

सेवाओं का निर्यात किया। यह आंकड़ा एक साल पहले की तुलना में 11.4 फीसदी अधिक है। हालांकि, इस अवधि में चीन का सेवा निर्यात 10.1 फीसदी घटकर 381 अरब डॉलर रह गया। संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) के तिमाही बुलेटिन के मुताबिक, भारत से सेवाओं का निर्यात बढ़ाने वाले क्षेत्रों में यात्रा, परिवहन, मेडिकल और आतिथ्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हालांकि, 2023 में भारत का सेवा आयात एक साल पहले की तुलना में 0.4 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 248 अरब डॉलर रह गया। उद्योग से जुड़े एक विशेषज्ञ ने कहा, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) व इस पर आधारत सेवाओं और यात्रा का निर्यात मजबूत हो रहा है। उभरते बाजारों में अपार संभावनाएं यूएनसीटीएडी ने में कहा, भारत का सेवा निर्यात ऐतिहासिक रूप से उत्तरी अमेरिका और यूरोप में केंद्रित रहा है।

422 मिलियन डेली एक्टिव यूजर्स तक पहुंचा स्नैपचैट

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्नैपचैट इस साल पहली तिमाही में 422 मिलियन डेली एक्टिव यूजर्स तक पहुंच गया, जो 39 मिलियन या 10 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि है। पहली तिमाही में, इसकी मूल कंपनी स्नैप का राजस्व 21 प्रतिशत (सालाना) बढ़कर 1.195 बिलियन डॉलर हो गया, जो इसके विज्ञापन प्लेटफॉर्म में किए गए सुधारों और इसके डायरेक्ट-रिस्पांस (डीआर) विज्ञापन समाधानों की मांग में वृद्धि से प्रेरित है। कंपनी ने एक बयान में कहा, हम अपने राजस्व स्रोतों में प्रगति जारी रख रहे हैं, पहली तिमाही में स्नैपचैट प्लस के सब्सक्राइबर्स की संख्या 9 मिलियन से ज्यादा हो गई। तिमाही में, ग्लोबल स्तर पर कंटेंट देखने में बिताए गए कुल समय में साल-दर-साल वृद्धि हुई, जो मुख्य रूप से स्पॉटलाइट और क्रिएटर स्टोरीज देखने में बिताए गए कुल समय में मजबूत वृद्धि के चलते हुई। कंपनी ने बताया, स्पॉटलाइट कंटेंट देखने में बिताया गया कुल समय साल-दर-साल 125 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गया है। स्नैप ने कहा कि कंटेंट जुड़ाव को और गहरा करने के लिए वह तीन प्रमुख क्षेत्रों पर फोकस कर रहा है। कंपनी ने कहा, सबसे पहले, हम अपनी सभी कंटेंट सरफेस पर कंटेंट रैंकिंग और पर्सनलाइजिंग में सुधार के लिए अपने मशीन-लर्निंग (एमएल) मॉडल में निवेश करना जारी रखेंगे। दूसरा, हम क्रिएटर्स को समर्थन और पुरस्कृत कर क्रिएटर कम्युनिटी और कंटेंट की विविधता को बढ़ा रहे हैं। इसके आगे कहा गया, तीसरा, हम अपनी सर्विस में संबंधों को बेहतर बनाने के लिए कंटेंट एक्सपीरियंस और फीचर्स को बढ़ा रहे हैं।

30 लाख से शुरुआत ; आरबीआई का डंडा चला तो कोटक के संस्थापक के एक दिन में ही डूबे 10 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली ।
गुजरात के एक कारोबारी ने साल 1985 में दोस्तों और परिवारवालों से 30 लाख रुपये जुटाकर एक निवेश कंपनी की शुरुआत की। आगे की यात्रा में देश और दुनिया के बड़े-बड़े निवेशक के साथ उनकी साझेदारी हुई और एक दिन नींव पड़ी कोटक महिंद्रा बैंक की। गुजरात के जिस कारोबारी की हम बात कर रहे हैं वे हैं उदय कोटक। एशिया का सबसे अमीर बैंकर बनने के लिए उदय कोटक ने दशकों की मेहनत से कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड खड़ा किया, पर अब उनका बैंक गलत कारणों से चर्चा में है। आरबीआई ने बैंक के खिलाफ कार्रवाई की है।

आरबीआई की कार्रवाई के बाद कोटक महिंद्रा बैंक को दिन मार्केट कैप के लिहाज से बड़ा झटका लगा। शेयरों में गिरावट से बैंक के संस्थापक उदय कोटक को एक ही दिन में करीब 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का नुकसान उठाना पड़ा है।

आरबीआई की कार्रवाई से बैंक के शेयरों पर क्या असर पड़ा - आरबीआई की ओर से डिजिटल चैनलों के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से रोक दिए जाने के बाद कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर लगभग 11 प्रतिशत तक टूट गए। कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर एनएसई पर 197.80 (10.73 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 1,645.00 रुपये के भाव पर बंद हुए। बैंक में 26 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक और संस्थापक उदय कोटक को इस बिकवाली से खासा नुकसान उठाना पड़ा है। कंपनी के शेयरों में पिछले चार वर्षों में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बैंक के शेयरों में गिरावट से उदय कोटक की संपत्ति में 1.3 बिलियन डॉलर यानी

करीब 10,831.6 करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार 24 अप्रैल तक उनकी संपत्ति 14.4 अरब डॉलर (1,19,980 करोड़ रुपये) थी।

कोटक महिंद्रा बैंक का मार्केट कैप कितना कम हुआ - इस बीच, कोटक महिंद्रा बैंक की प्रतिद्वंद्वी एक्सिस बैंक सितंबर 2016 के बाद पहली बार बाजार पूंजीकरण के मामले में उससे आगे निकल गई। कोटक महिंद्रा बैंक के मार्केट कैप में करीब 39,768.36 करोड़ रुपये की गिरावट आई। बैंक का मार्केट कैप करीब 3,66,383 करोड़ रुपये था जो महज 3,26,615.40 करोड़ रुपये रह गया।

कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर टूटने से एलआईसी को कितना नुकसान - म्यूचुअल फंड कोटक महिंद्रा बैंक में लगभग 12.82 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर की कीमतों में तेज गिरावट से उन्हें करीब 5000 करोड़ रुपये का अनुकसान होने की आशंका है। इसके अलावा कोटक महिंद्रा बैंक में भारतीय जीवन बीमा निगम की 6.46 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बीमा कंपनियों की 8.69 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस तरह कोटक के शेयरों में गिरावट का मतलब है कि बीमा कंपनियों को करीब 3456 करोड़ का नुकसान हुआ, जबकि भारतीय जीवन बीमा निगम को भी इस बिकवाली में करीब 2569 करोड़ रुपये गंवाने पड़े हैं।

कोटक पर आरबीआई की कार्रवाई क्यों महत्वपूर्ण है - भारतीय रिजर्व बैंक ने कोटक महिंद्रा बैंक पर अपनी कार्रवाई के लिए बैंक की प्रौद्योगिकी प्रणालियों में लगातार जारी खामियों का हवाला दिया है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, कोटक की प्रौद्योगिकी प्रणालियों में खामियों का नुकसान उसके ठप पड़ने से ग्राहकों को को उठाना पड़ता है। आरबीआई की यह कार्रवाई कितनी महत्वपूर्ण है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता कि बैंक ने 31 दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही के नतीजों में बताया था कि उसके बचत खातों में 98 प्रतिशत लेनदेन डिजिटल तरीके से या बैंक शाखाओं पर पहुंचे बिना किए गए।

कार्रवाई के बाद कोटक महिंद्रा बैंक ने क्या कहा - नियामकीय कार्रवाई के जवाब में कोटक महिंद्रा बैंक ने कहा है कि उसने अपने आईटी सिस्टम को मजबूत करने के लिए नई तकनीकों को अपनाने के लिए कदम उठाए हैं और जल्द से जल्द बाकी बचे मुद्दों को भी तेजी से हल करने का काम जारी रखेगा। मुद्दों को तेजी से हल करने के लिए आरबीआई के साथ काम करना जारी रखेगा। आरबीआई की हालिया कार्रवाई पर बैंक के सीइओ अशोक वासवानी ने कहा कि बैंक प्रौद्योगिकी में निवेश कर रहा है और जल्द ही नियामक की ओर से उठाए गए सवालों का हल निकाल लिया जाएगा।

क्या पहले भी बैंक और आरबीआई के बीच तल्खी रही है - आरबीआई की ओर से कोटक महिंद्रा बैंक पर की गई यह कार्रवाई उदय कोटक और केंद्रीय बैंक के बीच का पहला मामला नहीं है, जिससे जटिल हालात बने। इससे पहले अरबपति भारत के केंद्रीय बैंक को बैंक (कोटक महिंद्रा बैंक) में अपनी हिस्सेदारी के आकार को लेकर अदालत तक लेकर गए थे। हालांकि कोटक अंततः 2020 में अपने स्वामित्व को कम करने पर सहमत हुए, जिससे विवाद समाप्त हो गया। इस साल की शुरुआत में ही कोटक ने लंबे समय तक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पर रहने के बाद अशोक वासवानी को बागडोर सौंपी।

कोटक महिंद्र बैंक की शुरुआत कैसे हुई - गुजरात के रहने वाले उदय कोटक ने साल 1985 में परिवार और दोस्तों की मदद से 30 लाख रुपये (41000 डॉलर) लोन लेकर एक निवेश कंपनी की स्थापना की थी। इसके अगले वर्ष उन्होंने इस कंपनी को चलाने के लिए महिंद्रा समूह के साथ साझेदारी की। आगे चलकर उदय कोटक के साथ साझेदार के रूप में गोल्डमैन सैक्स ग्रुप जुड़ा। आगे चलकर यही कंपनी कोटक महिंद्रा बैंक बन गई जो अब आरबीआई की कार्रवाई के बाद चर्चा में है। लंबे समय तक बैंक के सीईओ रहे उदय कोटक ने साल 2006 में गोल्डमैन सैक्स के साथ अपनी साझेदारी समाप्त कर बैंक पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली थी।

क्रेडिट कार्ड का ब्योरा गलत उपयोगकर्ताओं से जुड़ने का मामला

आईसीआईसीआई बैंक ने 17 हजार क्रेडिट कार्ड ब्लॉक किए

नई दिल्ली ।
आईसीआईसीआई बैंक ने कहा है कि क्रेडिट कार्ड का ब्योरा गलत उपयोगकर्ताओं से जुड़ने का मामला सामने आने के बाद उसने लगभग 17 हजार क्रेडिट कार्ड ब्लॉक कर दिए हैं। निजी क्षेत्र के बैंक ने कहा कि इस मामले में किसी भी कार्ड के किसी दुरूपयोग की सूचना नहीं है। लेकिन उसने कहा कि ग्राहक को किसी भी तरह का वित्तीय नुकसान होने पर वह उसका मुआवजा देने को तैयार है। एक सूत्र ने कहा कि बैंक के नये ग्राहकों के क्रेडिट कार्ड का नंबर कुछ पुराने ग्राहकों के कार्ड के साथ गलती से जुड़ गए थे। इस गड़बड़ी की वजह से बैंक के मोबाइल ऐप पर चुनिंदा पुराने ग्राहकों को नए कार्डधारकों का पूरा ब्योरा दिखने लगा था। सोशल मीडिया पर बैंक की इस गलती को लेकर चर्चा चल रही थी। हालांकि अब इसे सुधार लिया गया है। गलत मैपिंग के कारण बैंक का पुराना उपयोगकर्ता नए क्रेडिट कार्ड ग्राहक के बारे में पूरी जानकारी को देख पा रहा था।

सोना 71 हजार, चांदी 82,000 के पार

नई दिल्ली । देश के सराफा बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। पिछले दिनों गिरावट के बाद अब दोबारा सोने-चांदी में उछाल आया है। शुरुआत से एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। सोने की कीमत बढ़कर 71 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर पहुंच गई हैं। एमसीएक्स एक्सचेंज पर 5 जून 2024 की डिलीवरी वाला सोना 180 रुपये की बढ़त के साथ 71,394 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है। सोना बढ़त के साथ 71,212 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर खुला है। 5 अगस्त 2024 की डिलीवरी वाला सोना 210 रुपये की तेजी के साथ 71,404 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर 3 मई 2024 की डिलीवरी वाली चांदी 82,080 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है।

माइक्रोसॉफ्ट ने 21.9 बिलियन की शुद्ध आय की दर्ज, एआई पर लगाया बड़ा दांव

नई दिल्ली।
माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी तीसरी तिमाही में 61.9 अरब डॉलर का राजस्व दर्ज किया है, जो 17 प्रतिशत अधिक है, जबकि शुद्ध आय 20 प्रतिशत बढ़ कर 21.9 अरब डॉलर हो गई है।

माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष और सीईओ सत्या नडेला के अनुसार, को-पायलट और को-पायलट स्टैक एआई ट्रांसफॉर्मेशन के एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं, जिससे हर रोल और इंडस्ट्री में बेहतर बिजनेस के परिणाम सामने आ रहे हैं।

अर्निंग कॉल के दौरान उन्होंने एनालिस्ट से कहा, हमारा एआई इनोवेशन ओपनएआई के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहा है। फॉर्च्यून 500 के 65 प्रतिशत से ज्यादा लोग अब एज़्योर ओपनएआई सर्विस का उपयोग करते हैं।

31 मार्च को समाप्त तिमाही में माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड का राजस्व 35.1 बिलियन डॉलर था, जो साल-दर-साल 23 प्रतिशत अधिक था।

नडेला ने कहा, कुल मिलाकर, हम सभी इंडस्ट्री के लीडर्स से बड़े एज्योर डील्स में बढ़ोतरी देख रहे हैं, जिसमें क्लाउड सॉफ्टवेयर ग्रुप और कोका-कोला कंपनी द्वारा इस महीने घोषित अरबों डॉलर से ज्यादा,

बहुवर्षीय प्रतिबद्धताएं भी शामिल हैं।

माइक्रोसॉफ्ट के पास अब 350,000 से ज्यादा पेड कस्टमर हैं।

गिटहब को-पायलट पर, 1.8 मिलियन पेड सब्सक्राइबर हैं और तिमाही दर तिमाही 35 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि हो रही है। नडेला ने कहा, हम शुरुआत में उपयोग की तीव्रता में वृद्धि देख रहे हैं, जिसमें टीमों में प्रति यूजर को पायलट-असिस्ट वाले इंटरैक्शन की संख्या में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि, बिजनेस प्रोसेस वर्कफ्लो और एंटरप्राइज नॉलेज के साथ ग्रुप एक्टिविटी को जोड़ना शामिल है। जब डिवाइस की बात आती है, तो विंडोज में को-पायलट अब लगभग 225 मिलियन विंडोज 10 और विंडोज 11 पीसी पर उपलब्ध है, जो तिमाही दर तिमाही में दो गुना ज्यादा है।

लावा कंपनी ने नई स्मार्टवॉच लॉन्च की मिलेंगे शानदार फीचर्स और डिजाइन

नई दिल्ली ।
हाल ही में लावा कंपनी ने नई स्मार्टवॉच लॉन्च की हैं। यह वॉच कोरनिंग गोरिल्ला ग्लास 3 और हाई एक्यूरेसी के साथ लॉन्च हुई इस वॉच की कीमत भी बहुत कम है। इस वॉच की शुरुआत 2,599 रुपए से होती है। इसकी मदद से हेल्दी लाइफस्टाइल और एक्टिव फीचर्स मिलते हैं।

लावा की इस स्मार्टवॉच में आपको 1.43 इंच अमोलेड डिस्प्ले भी दिया जा रहा है जो 466*466 रेजोल्यूशन के साथ आता है। इसमें आपको हेल्थ फीचर्स भी अलग से दिए जाते हैं और 110 से ज्यादा स्पोर्ट्स मोड्स भी मिलते हैं। स्मार्ट नोटिफिकेशन, 150 वॉच फेस और फास्ट चार्जिंग भी इसका एक फीचर है। यूजर एक्सपीरियंस भी इससे काफी अलग होने वाला है। क्योंकि ये लाइट वेट भी है जो आपको काफी लंबी बैटरी लाइफ भी देती है। लावा की तरफ से अपनी इस वॉच की 24 महीने की वारंटी दी जा रही है। यानी आपको 2 साल तक बिल्कुल चिंता करने की जरूरत नहीं है। यही वजह है कि एक बार खरीदने के बाद आपको लंबे समय तक कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है। ट्रैकिंग हेल्थ और अन्य फीचर्स भी इसे काफी अलग बनाते हैं।

हाई परफॉर्मेंस रियलटेक चिपसेट आपको बिल्कुल अलग एक्सपीरियंस ऑफर करता है। आईपी 68 वॉटर रेसिस्टेंट रेटिंग की वजह से आपको बिल्कुल अलग एक्सपीरियंस भी होने वाला है। प्रोवॉच वीएन भी ऐसा ही प्रोडक्ट है और इसे खरीदने के लिए आपको 1,999 रुपए खर्च करने होंगे। प्रोवॉच झेन और वीएन को आप 26 अप्रैल दोपहर 12 बजे से खरीद सकते हैं प्रोवॉच झेडएन वर्जन को 2 वैरिएंट्स में लॉन्च किया गया है। पहला वालीरियान ग्रे और ड्रैगनग्लास ब्लेक में लाया गया है। नॉर्मल यूसेज में आपको 7 दिन का नॉर्मल यूसेज टाइम मिलने वाला है।

जीडीपी की रफ्तार सबसे तेज, दुनिया में मंदी की आशंका घटी; वित्त मंत्रालय का दावा

नई दिल्ली।
वैश्विक स्तर पर चुनौतियों के बावजूद भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। मजबूत वृद्धि, मूल्य स्थिरता और बाहरी क्षेत्र के स्थिर दृष्टिकोण से भारत के आशाजनक आर्थिक प्रदर्शन को समर्थन मिल रहा है। इसके साथ ही, वैश्विक आर्थिक वृद्धि परिदृश्य एक बार फिर उत्थान की राह पर है। इससे मंदी की आशंकाएं घटी हैं और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में तेजी की स्थिति बन रही है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर तनाव चिंता का विषय बना हुआ है।वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जारी मार्च की आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और आरबीआई ने भारत के लिए चालू वित्त वर्ष का वृद्धि संबंधी नजरिया सकारात्मक रखा हुआ है। यह बताता है कि वैश्विक स्तर पर

मुश्किल हालातों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने हाल ही में जारी विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यूईओ) में 2023-24 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर के अनुमान को 6.7 फीसदी से बढ़ाकर 7.8 फीसदी कर दिया है।

चुनौतियों के बावजूद अलग दिख रहा भारत - रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में प्रगति के संकेत दिख रहे हैं, लेकिन असमानताएं बरकरार हैं। प्रमुख संकेतक जहां आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि और भू-राजनीतिक तनाव में कमी का इशारा कर रहे हैं, वहीं हाल के संघर्षों से जोखिम पैदा हो रहे हैं। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत मजबूत आर्थिक प्रदर्शन के साथ अलग दिख रहा है। भारत सभी क्षेत्रों में व्यापक आधार वाली वृद्धि दर्शा रहा है और वैश्विक वृद्धि के समर्थन में अपनी अहम भूमिका का दावा कर रहा है।

व्यापार घाटे में आई कमी - वैश्विक सुस्ती से भारत के निर्यात और आयात में नरमी आई है। 2023-24 में वस्तु व्यापार घाटे में कमी आई है। इसकी वजह...आयात की तुलना में निर्यात में कम गिरावट है। हालांकि, गैर-पेट्रोलियम और गैर-र प्रतिशत एवं आभूषण निर्यात ने पिछले कुछ माह में निरंतर वृद्धि के साथ जुझारूपन दिखाया है।

विदेशी मुद्रा भंडार : 11 माह के आयात के लिए पर्याप्त - देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी अप्रैल, 2024 में सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह भंडार 11 महीने के आयात के लिए पर्याप्त है।

सनराइजर्स आईपीएल 2024 सत्र में 100 से ज्यादा छक्के लगाने वाली पहली टीम बनी

हैदराबाद।

आईपीएल में इस बार अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से धूम मचाने वाली : सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने अबतक आईपीएल के इस सत्र में 100 से ज्यादा छक्के लगाकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है।

सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आरसीबी के खिलाफ मुकाबले में जैसे ही पहला छक्का लगाया वैसे ही सनराइजर्स इस सत्र में 100 छक्के लगाने वाली पहली टीम बन गई। ये पहली बार है जब सनराइजर्स ने किसी सत्र में 100 से ज्यादा छक्के लगाये हैं। इस बार टीम ने 8वें मैच में ही अपने 100 छक्के पूरे कर लिए। हैदराबाद के बल्लेबाजों ने इससे पहले साल 2022 सत्र में 97, 2016 सीजन में 89 जबकि 2018 सत्र में 88 छक्के लगाए थे। अब 8 मैचों में ही उसके नाम 108 छक्के हो गये हैं।

वहीं पिछले सीजन में मुंबई ने सबसे ज्यादा 140 छक्के लगाये थे। इस सत्र में सनराइजर्स अब तक 101 छक्के लगाकर शीर्ष पर है। वहीं आरसीबी 90 छक्के लगाकर उसके सबसे करीब है। वहीं दिल्ली कैपिटलस के बल्लेबाज 86 जबकि मुंबई के बल्लेबाजों ने अब तक 85 शतक लगाये हैं।

गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजों ने सत्र में सबसे कम 39 छक्के लगाए हैं। वहीं, चेन्नई ने 65, पंजाब ने 61, कोलकाता ने 69, लखनऊ ने 62 तो राजस्थान ने 64 छक्के लगाए हैं। वहीं आंकडों पर नजर डालें तो आईपीएल 2023 के 74 मैचों में रिकॉर्ड 1124 छक्के लगे थे जोकि आईपीएल इतिहास के एक सत्र में लगे सबसे ज्यादा छक्के हैं। वहीं इस सत्र में केवल 41 मैचों में 700 से ज्यादा छक्के लग चुके हैं। बता दें कि आईपीएल के 2022 सीजन में 1062, 2018 सीजन में 872, 2019 में 784, 2020 में 734 छक्के लगे थे।

न्यूज ब्रीफ

इंपैक्ट खिलाड़ी नियम ऑलराउंडरों के लिए नुकसानदेह : अक्षर

नई दिल्ली । स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने कहा है इंपैक्ट खिलाड़ी नियम पर फिर से विचार किया जाना चाहिये। अक्षर के अनुसार इससे ऑलराउंडर की भूमिका खतरे में पड़ रही है। वहीं इससे पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने इस नीयम पर सवाल उठाये थे। अक्षर ने कहा, 'एक ऑलराउंडर होने के नाते मेरा मानना है कि इससे हमारा भविष्य संकट में आ जाएगा क्योंकि हर टीम इंपैक्ट खिलाड़ी के तौर पर ये तो एक विशेषज्ञ बल्लेबाज चाहती है या गेंदबाज। इस प्रकार ऑलराउंडर के लिए अवसर कम हो जाएंगे। उन्होंने कहा, 'इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम के होने से हर टीम यह सोचकर उतरती है कि उसके पास छह बल्लेबाज या गेंदबाज हैं। इससे कई बार संशय भी हो जाता है। ऐसे में क्रिकेट बोर्ड को इसे लेकर फिर से विचार करना चाहिये। इसके अलावा लखनऊ सुपर जायंट्स के सलाहकार ऑस्ट्रेलिया के एडम वोग्स ने भी कहा है कि इस नियम पर दोबारा विचार किया जाना चाहिये। उनके अनुसार इसकी जगह पर ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग का 'पावर सर्ज' होना चाहिये। इसमें बल्लेबाजी टीम को फील्डिंग पांबदियों के दो ओवर के चरण पर फैसले की अनुमति होती है। 'इम्पैक्ट' खिलाड़ी नियम पिछले सत्र में शामिल किया गया था और इस सत्र में इसपर कई खिलाड़ियों ने सवाल उठाये हैं।

धोनी-जोकोविच से सीखा दबाव में शांत रहने का हुनर, गुकेश का बड़ा खुलासा, इन दिग्गजों से हुए प्रभावित

नई दिल्ली । कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाले युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने बताया कि वह धोनी और जोकोविच से काफी प्रभावित हैं। उन्होंने इन दो दिग्गजों से दबाव की परिस्थित में खुद को शांत रखने का हुनर सीखा। धोनी ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रह चुके हैं। वहीं, नोवाक जोकोविच प्रतिष्ठित टेनिस खिलाड़ी हैं। 17 वर्षीय गुकेश ने हाल ही में टोरंटो में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया और वह विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए, उन्होंने 40 साल पहले महान गैरी कास्परोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ दिया। गुकेश ने कहा, मुझे लगता है कि जिस तरह से धोनी और टेनिस के महान खिलाड़ी नोवाक जोकोविच भारी दबाव में खुद को संभालते हैं। वे बड़े खेल के खिलाड़ी हैं और हमेशा शीर्ष पर आते हैं और जब भी जरूरत होती है अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। इसीलिए मैं उनकी ओर आकर्षित हूं।

इंडोनेशिया की रोहमालिया ने टी-20 इंटरनेशनल में रिकॉर्ड बनाया: डेब्यू मैच में 0 पर 7 विकेट लिए, इस फॉर्मेट का बेस्ट स्पेल

नई दिल्ली। इंडोनेशिया की ऑफ स्पिनर रोहमालिया ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट (मेंस और विमेंस) में नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने डेब्यू मैच में बिना कोई रन दिए 7 विकेट लिए। बाली में खेले गए मंगोलिया के खिलाफ सीरीज के पांचवें मैच में रोहमालिया ने 20 गेंदें फेंकी, सभी डॉट रहीं, और उन्होंने 7 विकेट लिए। छह मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला 25 अप्रैल को खेला गया। खेले गए सीरीज के पांचवें टी-20 मैच में इंडोनेशिया ने 151 रन बनाए और बदले में मंगोलिया को 24 रन पर आउट कर दिया। इसके बाद सीरीज का छठा मैच खेला गया। इंडोनेशिया ने यह सीरीज 6-0 से जीती। अर्जेंटीना की एलिसन स्टॉक्स (3 रन पर 7 विकेट) और नीदरलैंड की फ्रेडरिक ओवरडिज्क (3 रन पर 7 विकेट) के बाद रोहमालिया महिला टी-20 में सात विकेट लेने वाली तीसरी गेंदबाज हैं। मेंस में बेस्ट बॉलिंग फिगर मलेशिया के इद्रस के नाम मेंस की टी-20 इंटरनेशनल में बेस्ट गेंदबाजी का आंकड़ा मलेशिया के सयाजरुल एजात इद्रस के नाम हैं, जिन्होंने पिछले साल चीन के खिलाफ 8 रन देकर 7 विकेट लिए थे। यह मैच कुआलालम्पुर में 26 जुलाई 2023 को खेला गया। सयाजरुल की गेंदबाजी की वजह से चीन की टीम महज 11.2 ओवर्स में 23 रनों पर आउट हो गई।

टी20 विश्व कप के लिए भारत की संभावित टीम पर एक नजर

नई दिल्ली।

टीमों द्वारा पुरुष टी20 विश्व कप टीम सौंपने की 1 मई की समय सीमा से पहले, इस बात पर चर्चा चल रही है कि 1 जून से वेस्टइंडीज और यूएसए में होने वाले मेगा इवेंट के लिए भारत की टीम में कौन जगह बनाएगा। आईपीएल 2024 में हर मैच के साथ, पुरुष टी20 विश्व कप चयन के लिए दावेदारों की सूची में एक नया नाम जुड़ जाता है। दूसरी ओर, कुछ लोग अपने शानदार प्रदर्शन के माध्यम से अग्रणी बनने की ओर अग्रसर हैं। यह सब अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के लिए पिछले प्रदर्शन के आधार पर या आईपीएल 2024 में मौजूदा फॉर्म के आधार पर खिलाड़ियों को चुनने के मामले में 15 सदस्यीय भारतीय टीम को अंतिम रूप देना एक बड़ी समस्या बना देता है।

टी20 विश्व कप के लिए संभावित भारतीय टीम:

रोहित शर्मा (कप्तान) - बीसीसीआई सचिव जय शाह ने इस साल फरवरी में घोषणा की थी कि रोहित अफगानिस्तान श्रृंखला के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रारूप में वापसी करने के ठीक एक महीने बाद मेगा इवेंट में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। आईपीएल 2024 के आठ मैचों में, रोहित ने 162.9 की स्ट्राइक रेट के साथ 303 रन बनाए हैं, जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ नाबाद 105 रन भी शामिल हैं।

विराट कोहली - हालांकि रोहित ने अफगानिस्तान श्रृंखला में जायसवाल और गिल के साथ ओपनिंग की, जबकि कोहली ने दो मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की, यह विश्व कप के लिए बदल सकता है। आईपीएल 2024 में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी कोहली को रोहित के साथ सलामी बल्लेबाजी करने के लिए पदोन्नत किया जा सकता है ताकि वह पावरप्ले में टर्बो-स्टार्ट दे सकें, मध्य ओवरों में धीमी गति की उनकी प्रवृत्ति को देखते हुए, जो कि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उनके अर्धशतक के दौरान देखी गई थी।

सूर्यकुमार यादव - शीर्ष क्रम के पुरुष टी20 बल्लेबाज पिछले कुछ वर्षों में अपने अपरंपरागत स्ट्रोकप्ले और उससे लगातार रन बनाने के कारण शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। टखने की चोट और स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी से लौटने के बाद, सूर्यकुमार दो शून्य के बावजूद अभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर हैं, उन्होंने पांच पारियों में 140 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज में छह टी20 में उनका स्ट्राइक रेट भी 161.19 के उच्च स्तर पर है।

ऋषभ पंत - दिसंबर 2022 में एक जानलेवा कार दुर्घटना में लगी विभिन्न चोटों से उबरने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के बाद से बाएं हाथ का विकेटकीपर-बल्लेबाज अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में वापस आ रहा है। आईपीएल 2024 के नौ मैचों में, पंत ने नौ पारियों में 48.86 के औसत और 161.32 के स्ट्राइक-रेट से 342 रन बनाए हैं। दस्तानों के साथ, पंत बेहद प्रभावशाली रहे हैं, उन्होंने 10 कैच लपके और तीन स्टंपिंग की। शुरुआत में, कई लोग इस बात को लेकर चिंतित थे कि लंबी छुट्टी के बाद पंत कैसा प्रदर्शन करेंगे। लेकिन अब तक, उन्होंने दिखाया है कि वह बल्ले से मैच खत्म करने के अलावा, बहुत अच्छी तरह से भार संभालते हैं। चिंता का एकमात्र बिंदु उनका टी20 रिकॉर्ड है, जहां 66 मैचों में उनका औसत 22.43 और स्ट्राइक रेट 126.37 है।

संजू सैमसन - दूसरे कीपर के लिए सैमसन और केएल राहुल के बीच चयन होगा, जबकि दिनेश कार्तिक के पास भी एक बाहरी मौका है। लेकिन मौजूदा फॉर्म में, सैमसन ने निरंतरता और बड़े स्कोर बनाने की क्षमता दिखाई है, जैसा कि उनके 50 से अधिक के औसत और 150 से ऊपर के स्ट्राइक रेट से बनाए गए 314 रन से पता चलता है। टी20 सेट-अप में सैमसन ने दिखाया है कि अगर मौका मिले तो वह एक विश्वसनीय विकल्प हो सकते हैं।

शिवम दुबे - जब से चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें आईपीएल 2022 से पहले अपने साथ जोड़ा है, तब से दुबे टी20 में बल्लेबाजी के मामले में सचमुच उलटफेर कर गए हैं। दुबे को मध्य ओवरों में स्पिन-हिटर होने की भूमिका दी गई थी, जिसमें उन्होंने अपनी लंबी पहुंच और शक्तिशाली शॉट्स की बदौलत उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अपने शानदार आईपीएल 2023 के आधार पर, उन्होंने भारत की टी20 टीम में वापसी की और अफगानिस्तान श्रृंखला में प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार भी हासिल किया। आईपीएल 2024 में भी दुबे ने तेज गेंदबाजों के खिलाफ रन बटोरे, खासकर शॉर्ट गेंदों के खिलाफ, जिससे लंबे समय से उनकी दुश्मनी रही है। वेस्टइंडीज की परिस्थितियों में स्पिनरों को अधिक मदद मिलने की उम्मीद है, दुबे की उपस्थिति भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगी और वह अपनी स्पिन-हिट क्षमता का उपयोग करेगा।

हार्दिक पांड्या - तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर बल्ले और गेंद दोनों से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, साथ ही आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस के कप्तान भी हैं। लेकिन उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी दुबे को प्रभाव खिलाड़ी नियम के कारण आईपीएल 2024 में गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला। इसका मतलब है कि हार्दिक अपने कौशल के कारण 15 सदस्यीय टीम में शामिल हो जाएंगे। आईपीएल 2024 में, हार्दिक उतने शानदार हिटर नहीं रहे, जितने वह जाने जाते हैं, उन्होंने आठ पारियों में केवल 151 रन बनाए और केवल सात छक्के लगाए। गेंद के साथ, उन्होंने केवल 17 ओवर फेंके और 10.94 की इकॉनमी रेट से सिर्फ चार विकेट लिए।

रिंकू सिंह - बाएं हाथ के बल्लेबाज ने आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ पारी की आखिरी पांच गेंदों पर पांच छक्कों के साथ सुर्खियां बटोरीं, एक ऐसा सीजन जहां उन्होंने लगातार अपनी फिनिशिंग कौशल दिखाया। उन्होंने साल के अंत में भारत के लिए टी20 में पदार्पण किया और 15 मैचों में 356 रन बनाए, जिनमें से सात में 176.23 की उच्च स्ट्राइक रेट से नाबाद रहे। हालांकि उन्हें आईपीएल 2024 में केकेआर के लिए फिनिशर बनने के ज्यादा मौके नहीं मिले हैं, क्योंकि उनके शीर्ष क्रम ने अब तक बड़े पैमाने पर स्कोरिंग की है, रिंकू पर विश्व कप में फिनिशर के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का भरोसा किया जा सकता है।

बंगाल प्रो टी20 लीग 11 जून से शुरू होगी

नई दिल्ली।

बंगाल प्रो टी20 लीग का उद्घाटन संस्करण 11 जून को कोलकाता में शुरू होने वाला है जिसमें 8 टीमें बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार हैं। लीग की परिकल्पना आईपीएल की तर्ज पर की गई है जिसमें पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में 8 फ्रेंचाइजी टीमें शामिल हैं। टूर्नामेंट 11 से 28 जून तक खेला जाएगा।

पुरुषों के मैच 11 जून को ईडन गार्डन्स में और महिलाओं के मैच 12 जून को जादवपुर यूनिवर्सिटी, साल्ट लेक कैंपस ग्राउंड में शुरू होंगे। प्रत्येक टीम एक-दूसरे के खिलाफ एक बार खेलेगी। लीग के पहले दिन शाम को केवल 1 पुरुष मैच होगा और महिलाओं का मैच अगले दिन से शुरू होगा और वहां से हर दिन दो मैच खेले जाएंगे। सर्वोटेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड, जिसे हाल ही में बंगाल प्रो टी20 लीग की एक टीम के फ्रेंचाइजी मालिक के रूप में शामिल किया गया है, खेल क्षेत्र में अपना कार्यकाल शुरू करने के लिए उत्साहित है सर्वोटेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड के मार्केटिंग प्रमुख ऋषभ भाटिया ने एक बयान में कहा, हम बंगाल प्रो टी20 लीग के माध्यम से खेल के क्षेत्र में कदम रखने को लेकर रोमांचित हैं। यह उद्यम न केवल ईवी चार्जिंग और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि दुनिया में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में उभरने की हमारी आकांक्षा को भी रेखांकित करता है।

भारतीय फुटबॉल टीम के लिए अगले माह से लगेगा अभ्यास शिविर

नई दिल्ली । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा है कि जून में कुवैत और कतर के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर मुकाबलों को देखते हुए भारतीय टीम के लिए अगले माह से एक अभ्यास शिविर लगाया जाएगा। भारतीय टीम के लिए ये चार सप्ताह का अभ्यास शिविर 10 मई से भुवनेश्वर में लगेगा। भारतीय टीम छह जून को साल्ट लेक स्टेडियम में कुवैत के खिलाफ होने वाले मैच के लिए दो जून को कोलकाता जाएगी। एआईएफएफ ने कहा, ''कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर से पहले टीम दो जून को कोलकाता जाएगी। भारतीय टीम का लक्ष्य पिछले महीने गुवाहाटी में अफगानिस्तान से मिली 1-2 की हार से उबरना और अपनी गलतियों को सुधारना भी होगा। भारतीय टीम चार मैचों के बाद अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। वहीं छह मैचों के बाद दो टीमें तीसरे दौर में पहुंचेंगी। कुवैत का सामना करने के बाद, भारत 11 जून को ग्रुप चरण के अंतिम मैच के लिए कतर जाएगा। एआईएफएफ को उम्मीद है कि भारतीय टीम क्वालीफायर मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

न्यूजीलैंड की दूसरे दर्जे की टीम के सामने पाकिस्तान चारों खाने चित, टिम रोबिंसन और विलियम ओ रुड़की ने बिखेरा जलवा

नई दिल्ली।

टिम रोबिंसन (51) और विलियम ओ रुड़की (3 विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने चौथे टी20 इंटरनेशनल मैच में पाकिस्तान को 4 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त बनाई।

बता दें कि लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। मेहमान टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 178 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 174 रन बना सकी। दोनों टीमों के बीच सीरीज का आखिरी मुकाबला खेला जाएगा। जमान-इमाद के प्रयास नहीं आए काम 179 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। ओ रुड़की ने पाक कप्तान बाबर आजम (5) को फॉक्सक्राफ्ट के हाथों कैच आउट कराया। जल्द ही रुड़की ने दूसरे ओपनर सैम अय्यूब (20) को पवेलियन की राह दिखाई। बेन सियर्स ने उस्मान खान (16) को डफी के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान को तीसरा झटका दिया। यहां से फखर जमान (61) ने शादाब खान (7) के साथ पारी संवारने का प्रयास किया। दोनों ने 33 रन की साझेदारी की थी कि तभी ब्रेसवेल ने शादाब को नीशम के हाथों कैच आउट करा दिया। जमान ने इफ्तिखार अहमद (23) के साथ 59 रन की साझेदारी करके मैच रोमांचक बनाया। रुड़की और सियर्स ने दो ओवर के अंदर इन दोनों बैटर्स को आउट करके न्यूजीलैंड की वापसी कराई। फिर इमाद वसीम (22*) ने जरूर जोरदार लड़ाई की, लेकिन पाकिस्तान को सांस थाम देने वाले मैच में जीत नहीं दिला सके। न्यूजीलैंड ने 4 रन से जीत दर्ज की। कीवी टीम की तरफ से विलियम ओ रुड़की ने सबसे ज्यादा तीन विकेट चटकाए।

घरेलू क्रिकेटरों का बढ़ सकता है वेतन

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीआई) अब घरेलू क्रिकेट का स्तर बढ़ाने के लिए घरेलू क्रिकेटरों का वेतन बढ़ाने जा रहा है। बीसीसाई का मानना है कि इससे युवा खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा नहीं करेंगे। हाल के दिनों में युवा क्रिकेटर अधिक कमाई के लिए लीग क्रिकेट की ओर जाने लगे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई चयन समिति ने घरेलू क्रिकेटरों का वेतन बढ़ाने की योजना पर काम करना शुरु कर दिया है। हाल में जिस प्रकार टेस्ट क्रिकेटरों का वेतन बढ़ाया गया है ,उसी तर्ज पर अब घरेलू क्रिकेटरों का भी वेतन बढ़ेगा। उनके लिए भी टेस्ट क्रिकेटरों की तरह ही इंसेंटिव स्कीम होगी।

बीसीसीआई का मानना है कि जो खिलाड़ी आईपीएल में नहीं खेलते हैं उन्हें इसका फायदा मिल सकता है। बीसीसीआई की इस नयी योजना से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों को रणजी ट्रॉफी मुकाबलों की संख्या के आधार पर सालाना 1 करोड़ रुपये मिल सकते हैं। बीसीसीआई रणजी ट्रॉफी के 10 मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को 75 लाख से 1 करोड़ रुपये तक सालाना वेतन देगा। अभी घरेलू क्रिकेट में अनुभव के आधार पर वेतन मिलता है। इसके तहत ही 40 से ज्यादा रणजी ट्रॉफी मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को हर दिन मैच फीस के रूप में 60 हजार रुपये मिलते हैं। वहीं 21 से 40 मैच खेल चुके प्लेयर्स को 50 हजार रुपये तक मिलते हैं। इसी तरह 20 मैच खेल चुके खिलाड़ियों को हर दिन के 40 हजार रुपये मिलते हैं।

न्यूजीलैंड की दूसरे दर्जे की टीम के सामने पाक चारों खाने चित, टिम रोबिंसन और विलियम ओ रुड़की ने बिखेरा जलवा

नई दिल्ली।

टिम रोबिंसन (51) और विलियम ओ रुड़की (3 विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने चौथे टी20 इंटरनेशनल मैच में पाकिस्तान को 4 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त बनाई।

बता दें कि लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। मेहमान टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 178 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 174 रन बना सकी। दोनों टीमों के बीच सीरीज का आखिरी मुकाबला खेला जाएगा।

जमान-इमाद के प्रयास नहीं आए काम

179 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। ओ रुड़की ने पाक कप्तान बाबर आजम (5) को फॉक्सक्राफ्ट के हाथों कैच आउट कराया। जल्द ही रुड़की ने दूसरे ओपनर सैम अय्यूब (20) को पवेलियन की राह दिखाई। बेन सियर्स ने उस्मान खान (16) को डफी के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान को तीसरा झटका दिया।

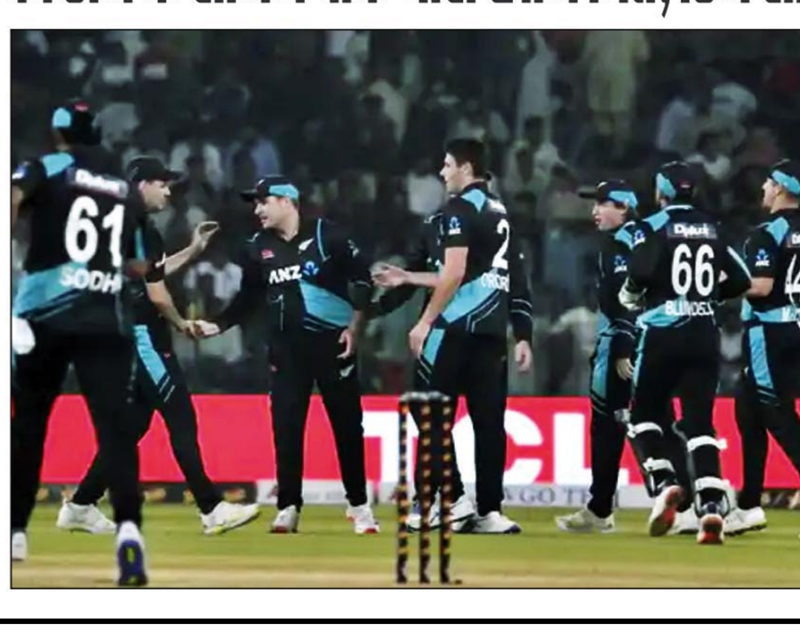

यहां से फखर जमान (61) ने शादाब खान (7) के साथ पारी संवारने का प्रयास किया। दोनों ने 33 रन की साझेदारी की थी कि तभी ब्रेसवेल ने शादाब को नीशम के हाथों कैच आउट करा दिया। जमान ने इफ्तिखार अहमद (23) के साथ 59 रन की साझेदारी करके मैच रोमांचक बनाया। रुड़की और सियर्स ने दो ओवर के अंदर इन दोनों बैटर्स को आउट करके न्यूजीलैंड की वापसी कराई।

फिर इमाद वसीम (22*) ने जरूर जोरदार लड़ाई की, लेकिन पाकिस्तान को सांस थाम देने वाले मैच में जीत नहीं दिला सके। न्यूजीलैंड ने 4 रन से जीत दर्ज की। कीवी टीम की तरफ से विलियम ओ रुड़की ने सबसे ज्यादा तीन विकेट चटकाए। बेन सियर्स को दो विकेट मिले। माइकल ब्रेसवेल और जेम्स नीशम के खाते में एक-एक विकेट आया।

टिम रोबिंसन का धमाका

मैच में पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड को टॉप ऑर्डर ने दमदार शुरुआत दिलाई। टिम रोबिंसन (51) ने टॉम ब्लंडेल (28) के साथ पहले विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी की। जमान खान ने ब्लंडेल को उस्मा मीर के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद रोबिंसन ने डीन फॉक्सक्रॉफ्ट (34) के साथ 38 रन की साझेदारी की। अब्बास अफरीदी ने रोबिंसन की पारी का अंत किया।

इसके बाद न्यूजीलैंड की टीम ने जल्दी-जल्दी विकेट जरूर गंवाए, लेकिन कप्तान माइकल ब्रेसवेल (27) ने टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। पाकिस्तान की तरफ से अब्बास अफरीदी ने सर्वाधिक तीन विकेट चटकाए। मोहम्मद आमिर, जमान खान, उस्मा मीर और इफ्तिखार अहमद को एक-एक विकेट मिला।

गर्मी में बहुत ज्यादा ठंडा पानी पीने के ये हैं 5 नुकसान

गर्मियों में लोग गला तर करने के लिए खूब ठंडा पानी पीते हैं लेकिन ज्यादा ठंडा पानी पीने से हमें नुकसान भी पहुंच सकता है। दरअसल इससे आंत रोग और पाचन क्रिया में परेशानी आ सकती है। इसलिए गर्मियों में बहुत ठंडा पानी पीने से हमेसा बचना चाहिए। यही नहीं एकदम बाहर गर्मी से आने के बाद तो बिल्कुल भी ठंडा पानी न पिएं। इससे सर्दी झुकाम का खतरा हो सकता है। इसी नुकसान के बारे में बता रहे हैं आयुर्वेद के जानकार मदन जोगी।

क्या हैं बहुत ठंडा पानी पीने के नुकसान

ज्यादा ठंडा पानी शरीर के मल को जमा देता है। इससे पाइल्स और आंत के रोग होने का खतरा बना रहता है। इसलिए ज्यादा ठंडा पानी हमें गर्मियों में नहीं पीना चाहिए।

अधिक ठंडा पानी पीने से शरीर की कैलोरीज़ ज्यादा बर्न होती है और पाचन शक्ति बाधित होती है। ठंडा पानी पीने के बाद शरीर को खाना पचाने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है।

ठंडा पानी पीने से शरीर की रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं। रक्त वाहिकाओं के सिकुड़ जाने से पाचन की प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है। जिससे भोजन की पाचन क्रिया सही तरीक से नहीं हो पाती।

ठंडा पानी पीने से शरीर में जाने वाले खाद्य पदार्थ के सारे पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। शरीर का तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है। ऐसे में जब आप कोई ठंडी चीज पीते हैं तो उससे शरीर पूरी तरह से ठंडा हो जाता है और पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं।

अगर हो जाएं मुंह में छाले तो अमरूद के ताजे पत्तों से करें दूर

कब्ज और पेट की गर्मी के कारण अक्सर मुंह में छाले हो जाते हैं। छाले होने पर कुछ भी खाना-पीना व निगलना बहुत मुश्किल हो जाता है। छाले जीभ पर हो जाएं तो बहुत असहनीय हालत हो जाती है। आयुर्वेद चिकित्सक देवेन्द्र ने बताया कि नारियल के तेल को पानी में मिलाकर गलगला करने से मुंह के छाले दूर होते हैं। मुंह के छाले दूर करने के और भी कई घरेलु उपचार हैं-

1. सूखे पान के पत्ते का चूर्ण बनाकर इस चूर्ण को शहद में मिलाकर दिन में तीन-चार बार चाटना चाहिए।
2. शहद में मुलहठी का चूर्ण मिलाकर इसका लेप मुंह के छालों पर करें और लार को मुंह से बाहर टपकने दें।

3. छोटी हरड़ को महीन पीसकर छालों पर लगाने से मुंह तथा जीभ के छालों से निश्चित रूप से छुटकारा मिलता है। इसे दिन में दो तीन बार लगायें।
4. पान लगाने वाले कत्थे को मुहँ के छालों में लगाने से जल्द लाभ मिलता है ।
5. अमरूद के ताजे पत्तों में कत्था मिलाकर पान की तरह चबाने से भी मुंह के छाले ठीक हो जाते हैं।
6. दिन में तीन-चार बार शुद्ध घी या मक्खन को मुंह के छालों में लगाना चाहिए ।
7. मिश्री को बारीक पीसकर उसमें थोड़ा सा कपूर मिलाकर छालों में लगाने से भी आराम मिलता है।
8. नींबू के रस में शहद मिलाकर इसके कुल्ले करने से भी मुंह के छाले दूर होते हैं।

सावधान! खाली पेट लीची खाना है खतरनाक

लीची एक खूबसूरत, स्वादिष्ट और पौष्टिक फल है इसमें कोई शक नहीं है, लेकिन खाली पेट इसका सेवन करना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। जी हां, अगर आप लीची खा रहे हैं तो आपको इस बात पर विशेष ध्यान देना चाहिए कि कहीं आप खाली पेट तो इसे नहीं खा रहे! अगर आप खाली पेट लीची का सेवन कर रहे हैं तो आपकी जान खतरे में है। शोध में यह बात सामने आई है और साबित हो चुकी है कि खाली पेट लीची खाना, मस्तिष्क से जुड़ी एक ऐसी बीमारी को जन्म दे सकता है जो आपको मौत के मुंह में भी पहुंचा सकती है। एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) नामक इस बीमारी के कारण 2014 तक हर साल 100 लोग मौत के शिकार बनते थे। इस बीमारी का कारण वैज्ञानिकों ने लीची फल को बताया है। लीची में प्राकृतिक रूप से हाईपोग्लिसीन-ए और मिथाईलेन्साइक्लोप्रोपाइलिगसीन नाम के जहरीले तत्व होते हैं, जो शरीर में फैटी ऐसिड मेटाबॉलिज्म बनने में रुकावट पैदा करते हैं। इसकी वजह से ही ब्लड- शुगर का स्तर कम हो जाता है और मस्तिष्क संबंधी दिक्कतें होने के साथ ही दौरे पड़ने लगते हैं।

आपका बैग भी बन सकता स्टाइल स्टेटमेंट

अगर आप सोचते हैं कि ऑफिस या मीटिंग या जिम आप परफेक्ट ड्रेसअप में जा रहे हैं तो उससे ही आपका स्टाइल पता चलेगा तो एक बार आप अपना बैग भी देख लीजिए। जो बैग आप कैरी करते हैं, वह भी आपकी पर्सनालिटी रिफ्लेक्ट करता है। आइए जानते है कि अलग-अलग ओकेशन पर आपको किस तरह के बैग कैरी करना चाहिए।

1. आप सुबह उठ कर जिम जाने के शौकीन हैं तो आप के लिये इस बैग से बेहतर कोई बैग नहीं हो सकता है। इसमें आप अपने कपड़ों के साथ डियो और एनर्जी ड्रिंक भी कैरी कर सकते हैं।
2. आप कॉलेज स्टूडेंट हैं तो आप पर स्पोर्ट बैग खूब फबेगा। बाजार में कई तरह के बैग मिलते हैं। आप अपने पसंदीदा रंग और डिजाइन के हिसाब से इसे खरीद सकते हैं। कैजुअल या फंकी बैग ले जा सकते हैं। हल्के रंग के बैग गर्मियों में अच्छे लगते हैं।
3. ऑफिस में आप लेदर बैग ले जा सकते हैं। आजकल लड़के और लड़कियों दोनों के लिए ही लेदर के बैग बाजार में मिल जाते हैं जो आपको ट्रेंडी लुक देते हैं। साथ ही स्टाइलिश भी बनाता है।
4. इन दिनो क्रॉस बैग ट्रेंड में है फिर चाहे फिल्में हो या असल जिंदगी इसे लड़के पसंद कर रहे हैं। कोचिंग जाने वाले स्टूडेंट्स के लिए ये अच्छा विकल्प हो सकता है।
5. आप अगर दो-चार दिन का घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आपको ट्रॉली लेकर जाने की जरूरत नहीं हैं। इन दिनों बाजार में ऐसे बैग आ रहे हैं जिसे आप लेकर जा सकते हैं। ये देखने में ट्रेंडी और स्टाइलिश लगते हैं।

बोन्साई पेड़ों का घर में न करें इस्तेमाल

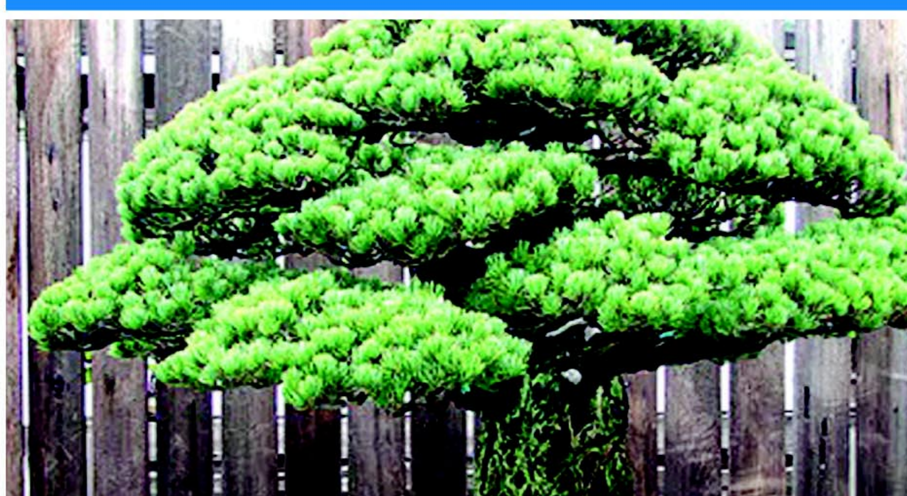

पेड़-पौधे न सिर्फ हमारे आस-पास हरियाली लाते हैं, बल्कि इनसे घर में सजीवता भी आती है। इसमें दो राय नहीं कि यह हरियाली किसी भी स्थान या भवन की शोभा बढ़ाने में सहायक रहती है। यही कारण है किबहुत से लोग अपने घरों के साथ-साथ ऑफिस में भी पेड़-पौधे लगाते हैं।

वैसे भी प्राकृतिक वातावरण में रहने से जीवन में कई सकारात्मक परिणाम आते हैं। अत: जैसा भी स्थान मिले, इनका उपयोग उसी प्रकार अवश्य करना चाहिए। ऐसा करना नैतिक रूप में भी आवश्यक है, क्योंकि इससे पर्यावरण की रक्षा के संग प्रदूषण से मुक्ति भी मिलती है।

हालांकि कई बार लोग पेड़-पौधों की ऐसी किस्मों को अपने घरों या ऑफिसों की साज-सज्जा के लिए उपयोग में लाते हैं, जो उनके जीवन के लिए सही नहीं होता। फेंगशुई के अनुसार ऐसे पेड़-पौधों को इस्तेमाल में लाने से जीवन में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। आप भी जानिए ऐसे पेड़-पौधों के बारे में...

» कुछ प्रकार के पौधे घर में रखने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है, जैसे नागफनी का पौधा आवास या कार्यालय में कहीं भी रखने से नुकसान देता है. इसके छोटे-छोटे कांटे ऋणात्मक ऊर्जा की वृद्धि करते हैं।

» बोन्साई (किसी वृक्ष का लघु रूप) प्रकृति के पेड़ भी घर में रखने से वहां पर निवास करने वालों की प्रगति का मार्ग अवरुद्ध करते हैं। इस तरह सुंदर दिखाई देने वाले बोन्साई पेड़ आपकी समृद्धि में विष का कार्य करते हैं। इसका त्याग करना भी उचित है।

» जिन पौधे में कांटे होते हैं या जिनमें से दूध निकलता है, ऐसे पौधे का उपयोग बहुत सावधानी से करना चाहिए।

» मुरझाए हुए, सूखे हुए या टूटे हुए पौधों का उपयोग भी नकारात्मक ऊर्जाको बढ़ावा देता है।

» यदि घर में पौधा या पेड़ लगाना संभव नहीं हो तो शुभ पौधे की आकृति या चित्र लगाने से भी अनुकूलता की वृद्धि होती है।

पीले पड़ रहे नाखूनों से निजात दिलाने के बेहतरीन उपाय

दमकता चेहरा, रेशमी...लहराते बाल, सुंदर कपड़े... और पीले नाखून। ऊप्स... ये तो स्टाइल स्टेटमेंट का कबाड़ा हो गया। अक्सर लड़कियां पीले नाखूनों से परेशान रहती हैं, भला हो भी क्यों ना? आखिरकार पीले नाखून देखने में भद्दे जो लगते हैं। चाहे आप ऑफिस में हो या दोस्तों के साथ पार्टी में, पीले नाखून आपकी पर्सनैलिटी को प्रभावित करते हैं।

अमूमन लड़कियां पीले नाखूनों को नेल पॉलिश से छिपाने की कोशिश करती हैं। कभी नेल एक्सटेंशन लगा लेती हैं, तो कभी नाखून काटने को मजबूर हो जाती हैं। सवाल ये है कि आखिर कब तक आप पीले नाखूनों को छिपाकर रखेंगी। छिपाना किसी भी परेशानी का हल नहीं होता। कोशिश करें कि समस्या की जड़ ढूंढी जाए और समाधान भी।

पीले नाखून आपकी खराब सेहत का भी राज़ खोल सकते हैं। नाखूनों के बदलते रंग देखकर बीमारियों का अंदाजा लगाया जा सकता है। हो सकता है आपकी रोजमर्रा की कुछ आदतों या लापरवाही की बदौलत आपके नाखून पीले हो रहे हों। अच्छे नाखूनों के लिए अच्छी डाइट लेना बेहद जरूरी है।

आइए जानते हैं, पीले नाखूनों से बचने के कुछ सरल उपाय

साफ-सफाई ना रखना

नाखूनों को साफ-सुथरा ना रखना भी उनके पीले होने की अहम वजह है। अपने पैरों और हाथों के नाखूनों को साफ और मॉइस्चराइज़्ड रखें। धूल-मिट्टी के संपर्क में आने के बाद नाखूनों को साफ करें, स्क्रब करें, मॉइस्चराइज़ करें और उन्हें मसाज़ करें।

हमेशा नेल पॉलिश लगाना

माना कि आपको नाखूनों को सजाए रखना बहुत पसंद है, लेकिन अगर हर वक्त नेल पेंट लगाए रखेंगी तो नाखूनों को जल्द ही पीला पाएंगी। अरे अरे.. चौंकिए मत, हमेशा नेल पॉलिश से ढंके रखने पर नाखून पीले हो जाते हैं। आखिर उन्हें भी तो खुली हवा में सांस लेने का हक है। नेल पेंट बदलने के बीच कुछ दिनों या कुछ घंटों का गैप जरूर रखें।

सस्ती नेल पॉलिश लगाना

अक्सर हम थोड़े पैसे बचाने के लिए ब्यूटी प्रोडक्ट्स के साथ समझौता कर बैठते हैं। जिसके भयावह परिणाम हमें बाद में देखने को मिलते हैं। नाखूनों की खूबसूरती बनाए रखनी है तो हमेशा अच्छी कंपनी की नेल पेंट लगाएं। ध्यान रखें, नेल पॉलिश छुड़ाने के लिए कभी भी नाखूनों को खुरेचे नहीं, थिनर की मदद से ही नेट पॉलिश छुड़ाएं।

डार्क नेल पेंट लगाना

आजकल लड़कियों के बीच डार्क नेल पेंट लगाने का ट्रेंड चल पड़ा है। नेल पॉलिश लगाकर इतराने के चक्कर में ना भूलें कि ये डार्क नेल पेंट आपके नाखूनों में दाग छोड़ सकते हैं। जरूरी है कि आप डार्क नेल कलर्स का कम से कम इस्तेमाल करें।

स्मोक करना

अगर आप स्मोक करती हैं, तो सतर्क रहने की जरूरत है। स्मोकिंग आपके स्वास्थ्य के साथ-साथ नाखूनों पर भी असर डालती है। लगातार स्मोक करने से भी नाखून पीले और धब्बेदार दिख सकते हैं। तो भला देर किस बात की है... आज ही स्मोकिंग छोड़िए और नाखूनों को पीले होने से बचाइए।

मेडिकल समस्या

अगर इन सभी उपायों के बावजूद आपके नेल्स पीले हो रहे हैं, तो समझें कि मेडिकल समस्या है। कभी-कभी मेडिकल समस्या या इंफेक्शन की वजह से नाखून पीले दिखते हैं। पीले नाखून शरीर में पोषण की कमी के कारण हो सकते हैं। मालूम हो... अनीमिया, दिल, किडनी और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों के कारण भी नाखून पीले होते हैं।

तरक्की के लिए काम के साथ ही पूरी नींद भी है जरूरी

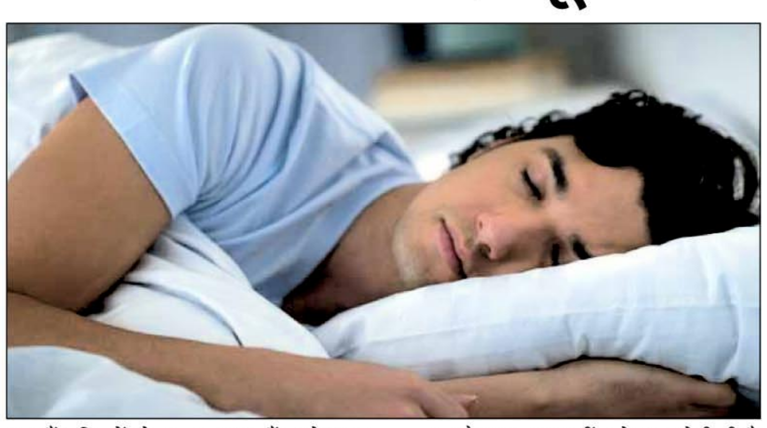

नींद सेहत का जरूरी हिस्सा है। कहते हैं इंसान दिन में बेहतर काम तभी कर सकता है जब रात को उसे पूरी नींद मिले। मगर आज की भागती दौड़ती जिंदगी ने इंसान की नींद चुरा ली है। लेट नाइट ड्यूटी, काल सेंटर, बीपीओ सेक्टर में काम करने वाले लोगों को अच्छी नींद नहीं मिल पाती। अच्छी सेहत और बेहतर दिनचर्या के लिए सात-आठ घंटे की नींद जरूरी है। कई लोग अच्छी नींद को ऐशो-आराम का दर्जा देते हैं मगर ऐसा नहीं है। यह आपके शरीर की जरूरत है। अगर आपकी नींद में बार-बार खलल पड़े, तो अगले दिन खुद को फ्रेश महसूस नहीं करेंगे। पूरे दिन चिड़चिड़ापन बना रहेगा। थकान भी महसूस होगी।

नींद की जरूरत इंसान को सिर्फ तरोताजा रहने के लिए ही नहीं होती बल्कि इसके और भी कई फायदे हैं। अच्छी नींद आपकी एकाग्रता, याददाश्त, काम की उत्पादकता और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करती है। अच्छी नींद स्वस्थ्य तरोताजा रखने के साथ आपको आकर्षक बनाने में भी मदद करती है। कई लोग नींद पूरी न लेने की वजह से मोटापे के शिकार भी हो जाते हैं। महिलाओं पर किए गए सर्वे के मुताबिक जो महिलाएं सिर्फ चार-पांच घंटे की नींद लेती थीं, उनमें उन महिलाओं की तुलना में ज्यादा वजन पाया गया, जो सात-आठ घंटे की पूरी नींद लेती थीं।

एक सर्वे में यह बात उभर कर आई है कि पिछले एक दशक में लोगों में नींद का समय सात-आठ घंटे से कम होकर सिर्फ पांच-छह घंटे ही रह गया है। इसके कई कारण बताते गए हैं। जिनमें से कुछ कारण हैं- मोबाइल फोन का ज्यादा प्रयोग, ई-मेल, मैसेजिंग, ऑनलाइन शापिंग और चैटिंग वगैरह। देर रात टीवी और इंटरनेट पर चिपके रहने से भी समस्या बढ़ी है।

कई मामलों में नींद का संबंध उम्र से भी है। 50 साल से ऊपर के लोगों में नींद कम होते देखा गया है पर यह बात हर व्यक्ति पर लागू नहीं होती। कई ऐसे महिला-पुरुष हैं, जो 50 साल से ऊपर हैं मगर वे सात-आठ घंटे की अच्छी नींद लेते हैं पर कई बुजुर्ग ऐसे भी हैं, जिन्हें करीब पांच-छह घंटे ही नींद आती है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है हर व्यक्ति में नींद से जुड़ा प्राकृतिक बदलाव आता है। हर व्यक्ति को अच्छी नींद के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ता है। कई लोग जो दिन में सो जाते हैं या शाम को सो लेते हैं, उन्हें भी रात में जल्दी नींद नहीं आती।

उम्र के साथ-साथ नींद तो कम होती ही है पर दिन भर की शारीरिक मेहनत पर भी आपकी नींद निर्भर होती है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शारीरिक मेहनत भी कम होती है, घर से बाहर आप कम समय बिताते हैं, आपका खान-पान प्रभावित होता है। बीमारी के कारण दवाइयां ज्यादा खानी पड़ती हैं, जिस कारण नींद पर असर पड़ता है। कई लोग रात में खर्राटे लेते हैं, जिस कारण उनके पास सोने वाला व्यक्ति अच्छी नींद नहीं ले पाता। कई लोग अच्छी नींद के लिए अल्कोहल का इस्तेमाल करते हैं, जिससे उनकी नींद उड़ जाती है। कई बार बीमारी के कारण भी नींद नहीं आ पाती। जैसे आर्थराइटिस का दर्द, डायबिटिज, डिप्रेशन और बेचैनी वगैरह। यानी जीवन में सब सुकून न हो तो नींद आसानी से नहीं आती। कई महिला-पुरुष पैरों में दर्द के कारण भी सोते-सोते उठ जाते हैं और उन्हें टहलना पड़ता है। पैरों में पड़ने वाले क्रैंप के कारण भी नींद से जागना पड़ता है और यह दर्द जल्दी खत्म भी नहीं होता। गलत खानपान और हार्मोनल बदलाव खासकर लेपटिन और ग्रेलीन (पाचन क्रिया के हार्मोन) के कारण भी नींद आने में दिक्कत होती है।

नींद की कमी न सिर्फ आपकी शारीरिक क्षमता बल्कि मस्तिष्क की क्षमता को भी प्रभावित करती है। मस्तिष्क के हाइपो-थैलेमस में मौजूद न्यूरॉन के समूह को भी यह प्रभावित करती है। कुछ बातों को अगर ध्यान में रखा जाए, तो अच्छी नींद आ सकती है। जैसे आप एक टाइम-टेबल बनाएं और उसका हर दिन ईमानदारी से पालन करें। यहां तक कि छुट्टियों में भी। दिन में झपकी लें। शाम के बाद अल्कोहल का सेवन न करें। सोने से पहले बहुत ज्यादा खाना न खाएं और न ही खाली पेट सोएं। हमेशा सोने से दो घंटे पहले हल्का भोजन लें। खाने के बाद थोड़ा टहल लें।

अगर आप दवाइयां लेते हैं तो डॉक्टर से पूछकर इन्हें शाम की बजाय सुबह लें। शाम को ऐसी दवाई लें, जिससे नींद आती हो। सोने से तीन-चार घंटे पहले कोई भी व्यायाम न करें। रात में स्मोकिंग, चाय और कॉफी का इस्तेमाल न करें। इससे नींद आने में परेशानी होती है। अगर आप किसी बीमारी के कारण ठीक से सो नहीं पा रहे, तो बेहतर यही होगा कि उसका जल्द से जल्द इलाज कराएं। अगर आपको सोने में कोई परेशानी है, तो दिन में झपकी लेना न भूलें क्योंकि यह आपके दिमाग को दुरुस्त रखेगी और शरीर को भी ऊर्जा देगी। इससे आपका मूड भी ठीक रहेगा जिससे आप अपना काम ठीक से कर पाएंगे।

खट्टे फलों से चमक उठेगा पूरा घर

सुंदर और स्टाइलिश घर का सपना तो हर किसी का होता है लेकिन अगर घर में साफ-सफाई ही न हो तो सुंदर घर भी गंदा लगने लगता है। हर रोज घर को एक-एक कोने की सफाई करना भी कोई आसान काम नहीं है। शीशों की सफाई और चमक को बरकरार रखने के लिए खट्टे फल बहुत लाभकारी है। इनसे आसानी से घर के सामान को साफ रखा जा सकता है।

1. मौसम्बी: मौसम्मी सेहत और त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसका इस्तेमाल साफ-सफाई में भी किया जा सकता है। मार्बल का फर्श,ब्रास फर्नीचर, मैटल,

एल्युमिनियम से बनी चीजों को साफ करने के लिए बहुत असरदार है। इसके छिलकों को सुखा कर इसमें थोड़ा सा नमक मिला कर पेस्ट बना लें। जिस चीज को साफ करना है वहां पर यह पेस्ट रगड़ें और गीले कपडे से साफ करते रहें। इससे बाथरूम भी साफ कर सकते हैं।

2. संतरा : संतरे के सूखे छिलकों को पीस कर इसमें सिरका मिला कर रख लें। शीशा साफ करने के लिए इसका इस्तेमाल करें, अच्छे से चमक जाएंगे। अलमारी में संतरे के सूख छिलके रखने से कीडा लगने का डर नहीं रहता।

3. नींबू : घर में कॉपर और ब्रास के मंहगे शोपीस को साफ करने के लिए नींबू के छिलकों का इस्तेमाल किया जाता है। इससे प्लास्टिक के बाल्टी,टब,मग के अलावा शीशे के दरवाजे,खिड़की और लोहे के दरवाजों पर पड़े दाग-धब्बे,तांबे के बर्तन साफ किए जा सकते हैं। नींबू के टुकड़ों को डस्टबीन में डालने से बहबू नहीं आती।

रेसिपी

पापड़ पनीर फ्रिटर्स

सामग्री

1 कप चूरा किया हुआ पनीर, नमक स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून टमेटो कैचप, 1/3 कप मैदा, 3/4 कप क्रश किए हुए पापड़, **तलने के लिए:** तेल , **परोसने के लिए:** टमेटो कैचप

विधि

पनीर को प्लेट में रखकर अच्छी तरह गूंथ लें। नमक, लहसुन, लाल मिर्च पाउडर, टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 9 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को 50 मिमी (2) लंबे गोल आकार में रोल कर लें। एक तरफ रख दें। मैदा और 1/2 कप पानी को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। प्रत्येक रोल को मैदा-पानी के पेस्ट में डुबोकर क्रश किए हुए पापड़ में लपेट लें और सभी तरफ सुनहरा और करारा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज में निकालकर, टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

मिक्स्ड वेजिटेबल सागु

सामग्री

सागु मसाला के लिए: 2 स्पून उड़द दाल, 2 से 3 हरी मिर्च , कटी हुई, 4 से 5 काली मिर्च, 2 स्पून धनिया पाउडर, 1/2 स्पून ज़ीरा, 1/2 दालचीनी का टुकड़ा, 2 लौंग, 4 स्पून कसा नारियल। **अन्य सामग्री:** 1 स्पून घी/ नारियल का तेल/ अन्य तेल, 1 स्पून सरसों, 1 स्पून उड़द दाल, 1 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ो में तोड़ी हुई, 1/2 टी-स्पून हींग, 7 से 8 कड़ी पत्ता, 1/4 कप बारिक कटा हुआ प्याज़, 2 कप कटी हुई मिली-जुली सब्जियां, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून सागु मसाला पाउडर , 1 चक्र फूल और 1 तेजपत्ता

विधि

सागु मसाला पाउडर के लिए: एक छोटा पैन गरम करें और लगातार हिलाते हुए, उड़द दाल के सुनहरा होने तक, मध्यम आंच पर सूखा भुन लें। एक तरफ रख दें। ठंडा करने के बाद, शेष बची हुई सामग्री डालकर मिक्सर में पीसकर मुलायम पाउडर बना लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** कढ़ाई में घी/तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, उड़द दाल, लाल मिर्च, हींग और कड़ी पत्ता डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, दाल के सुनहरा होने तक मध्यम आंच पर भुन लें। प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर उनके पार्दर्शी होने तक लगातार हिलाते हुए भुन लें। मिली-जुली सब्जियां, हल्दी पाउडर, नमक और 11/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और ढ़ककर, बीच में एक बार हिलाते हुए, 12 से 15 मिनट तक मध्यम आंच पर, सब्जियों के नरम होने तक पका लें। सागु मसाला पाउडर डालकर हल्के हाथों मिला लें और 5 मिनट तक धीमी आंच पर उबाल लें। चक्र फूल और तेज़पत्ता से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**